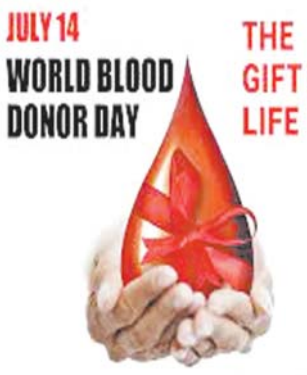


दैनिक

# सांध्य प्रकाश

भोपाल की धड़कन

वर्ष 52/ अंक 319/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, शुक्रवार 14 जुलाई 2023 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

# मोदी को मैक्रों ने दिया फ्रांस का सर्वोच्च सम्मान

**पेरिस।** प्रधानमंत्री प्रधानमंत्री मोदी फ्रांस के दौरे पर हैं। इस दौरान फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने पीएम मोदी को फ्रांस का सर्वोच्च सम्मान ग्रैंड क्रॉस ऑफ द लीजन ऑफ ऑनर से सम्मानित किया। पीएम मोदी ने भारत की जनता के तरफ से राष्ट्रपति मैक्रों को धन्यवाद किया। पीएम मोदी गुरुवार को दो दिवसीय यात्रा के लिए फ्रांस पहुंचे थे। पीएम मोदी आज बैस्टिल दिवस परेड में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

### मैक्रों ने आयोजित किया रात्रिभोज

इससे पहले, पीएम मोदी रात्रिभोज के लिए पेरिस के एलिसी पैलेस पहुंचे थे, जहां फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और फ्रांस की प्रथम महिला ब्रिगिट मैक्रों ने उनका स्वागत किया। मैक्रों ने पीएम मोदी के लिए निजी रात्रिभोज की मेजबानी की थी। निजी रात्रिभोज में शामिल होने पर पीएम मोदी ने खुशी जाहिर की थी।

### भारतीय प्रवासियों को किया सम्मानित

निजी रात्रिभोज में शामिल होने से पहले, भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांस में भारतीय समुदाय के लोगों को संबंधित किया था। इस दौरान उन्होंने विकसित भारत के सपने को साझा किया था। उन्होंने कहा था कि अगले 25 वर्षों में भारत विकसित राष्ट्रों की श्रेणी में शामिल हो सकता है। कार्यक्रम में बोलते हुए पीएम ने कहा, आज का दृश्य अभूतपूर्व है। कही से आवाज आती है कि नमस्कार तो लगता है कि घर आ गया हूं। हम भारतीय जहां भी जाते हैं वहीं मिनी इंडिया बना देते हैं।

### फ्रांस-भारत में यूपीआई को लेकर हुआ समझौता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को फ्रांस की राजधानी पेरिस में भारतीयों को संबोधित करते हुए कहा कि बहुत जल्द भारतीय पर्यटक एफिल टावर में भी यूपीआई से भुगतान कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि फ्रांस में भारतीय यूपीआई से भुगतान करने को लेकर समझौता हुआ है। इसकी शुरुआत एफिल टावर से होगी और भारतीय यहां यूपीआई के जरिये रुपये में भुगतान कर पाएंगे। पीएम मोदी ने कहा कि इस समझौते से भारतीय नवाचार के लिए एक बड़ा नया बाजार खुल जाएगा। साथ ही पीएम ने भारतीयों से अपील की कि भारत को तेजी से विकसित देश बनाने के लिए वे देश में बड़ी मात्रा में निवेश करें। उन्होंने कहा, सभी रेटिंग एजेंसियां भारत को चमकता सितारा बता रही हैं। आपके लिए निवेश का यह सही समय है।

### कूटनीतिक साझेदारी के 25 साल पूरे, मैक्रों ने हिंदी में ट्वीट कर दी बधाई

फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने भारतीय पीएम को एक तस्वीर उपहार में दी है। ये तस्वीर 14 जुलाई 1916 की है। इसमें पेरिस के रहने वाले एक व्यक्ति को सिखों को फूल भेंट करते हुए दिखाया गया है। वहीं, इन सर्च ऑफ लॉस्ट टाइम किताब भी दी है। इसके अलावा भी और कई उपहार दिए हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने शुक्रवार सुबह एक हिंदी में ट्विट किया है। उन्होंने लिखा कि भारत और फ्रांस 25 साल की रणनीतिक साझेदारी तथा विश्वास व दोस्ती के सदैव मजबूत बंधन का जश्न मना रहा है। इसके अलावा ने मैक्रों ने पीएम मोदी से गले मिलते एक तस्वीर भी शेयर की है।

## राजस्थान विधानसभा को संबोधित किया राष्ट्रपति ने...

# विधायक 'मैं और मेरा' से ऊपर उठें: मुर्मू

**जयपुर।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राजस्थान की विधानसभा को संबोधित करते हुए कहा कि देश के दो सदनों को राजस्थानी चला रहे हैं, ये गर्व की बात है। विधायकों को नसीहत देते हुए उन्होंने कहा कि विधायकों को मैं और मेरा से ऊपर ऊठें और प्रदेश व जनता के लिए सोचें। मुर्मू ने राजस्थानी बोली में अपने भाषण की शुरुआत की थी।

राजस्थान विधानसभा के इतिहास में ये पहला मौका था जब किसी राष्ट्रपति ने यहां भाषण दिया। इससे पहले विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी ने स्वागत करते हुए कहा कि राष्ट्रपति का संबोधन हमारे लिए गर्व की बात है। जोशी ने कहा कि राजस्थान ने लंबा सफर तय किया है और अब हमें आर्थिक-सामाजिक आजादी की दिशा में काम करना होगा।

**विधायकों का हंगामा गलत- मिश्र**

राज्यपाल ने विधानसभा में सरकार को एक ही विधानसभा सत्र लंबा चलाने और सत्रावसान नहीं करने पर तंज कसते हुए नसीहत दी। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा विधानसभा के एक ही सत्र को लंबा नहीं चलाएं, सत्रावसान की कार्यवाही भी समय पर हो, इसकी आज सख्त आवश्यकता है।

# राज्य के कर्मचारियों मिलेगा केंद्र के समान 42 प्रतिशत महंगाई भत्ता: शिवराज

**भोपाल।** राज्य के सरकारी कर्मचारियों को अब केंद्र के समान ही महंगाई भत्ता मिलेगा। इस संबंध में प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को घोषणा की। राज्य के कर्मचारियों को यह बढ़ा हुआ महंगाई भत्ता जुलाई से ही मिलना शुरू हो जाएगा। कर्मचारियों को 42 प्रतिशत महंगाई भत्ता जुलाई माह के वेतन में जुड़कर मिलेगा जो कि अगस्त माह से दिया जाएगा। जनवरी से जून तक महंगाई भत्ते का एरियर 3 समान किस्तों में मिलेगा। सीएम शिवराज सिंह चौहान की बड़ी घोषणा की है और राज्य के कर्मचारियों को तोहफा दिया है। छठवां वेतनमान प्राप्त कर रहे कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में भी समानुपातिक वृद्धि की जाएगी। एक जुलाई 2023 तक सेवा के 35 वर्ष पूर्ण करने वाले कर्मचारियों को चतुर्थ समयमान वेतनमान मिलेगा।

## 2007 बैच की अधिकारी स्वाति मीणा केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर

**नई दिल्ली।** भारतीय प्रशासनिक सेवा की 2007 बैच की अधिकारी स्वाति मीणा नायक केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर नई दिल्ली में पदस्थ हो गई है। इस संबंध में डीओपीटी द्वारा जारी आदेश के अनुसार स्वाति मीणा नायक को ड्रिंकिंग वाटर और सेनिटेशन विभाग में डायरेक्टर बनाया गया है। उनकी केंद्रीय प्रतिनियुक्ति सेंट्रल स्टाफिंग स्कीम के तहत 5 साल के लिए की गई है। बता दें कि स्वाति के पति तेजस्वी नायक भी दिल्ली में पदस्थ हैं और वे केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के पीएस हैं।

## सशस्त्र सैन्य बलों में बाजरे से बने खाने को बढ़ावा देगी सरकार, रक्षा-स्वास्थ्य मंत्रालय के बीच समझौता

**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार ने अब सशस्त्र सैन्य बलों के बीच बाजरे के प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देने का निर्णय लिया है। इसके जरिए सरकार सैन्य बलों में सुरक्षित-पोषक तत्वों से भरे खाने की आपूर्ति को सुनिश्चित करना चाहती है। इससे जुड़े एक समझौते पर गुरुवार को केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने हस्ताक्षर किए।

इसी के साथ दोनों मंत्रियों ने हेल्दी रेसिपी फॉर डिफेंस नाम की एक किताब का भी अनावरण किया। इसमें श्री अन्न (बाजरे) को बढ़ावा देने और इसके स्वास्थ्य लाभ को लेकर जानकारियां दी गई हैं।

**स्वच्छता का सर्वेक्षण**

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सर्वेक्षण 2023 के लोगो का विमोचन किया और शहरवासियों से फीडबैक करने की अपील की। इस मौके पर पूर्व सांसद आलोक संजर, महापौर श्रीमती मालती राय आदि मौजूद रहे।

## चांद पर उतरने की एक और कोशिश, उज्जैन में अनुष्ठान

**श्रीहरिकोटा।** इसरो आज चांद पर उतरने की एक और कोशिश करने जा रहा है। इसरो चीफ ने जानकारी देते हुए बताया कि चंद्रयान 23 या 24 अगस्त को चंद्रमा की सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग की कोशिश करेगा। इस मिशन का लक्ष्य चंद्रमा पर लैंड करना और उसके पर्यावरण का अध्ययन करना है।

इस मिशन में भारत चांद की धरती पर एक लैंडर उतारेगा। चंद्रयान-3 लॉन्चिंग के आखिरी चरणों में है। इस मिशन को लेकर इसरो लगातार कोई न कोई जानकारी साझा कर रहा है। पिछले चार वर्षों में जबरदस्त काम किया गया है। अगर चंद्रयान-3 का लैंडर चांद पर उतरने में सफल होता है तो भारत ऐसा करने वाला चौथा देश बन जाएगा।

चंद्रयान-3 स्पेसक्राफ्ट के तीन लैंडर/रोवर और प्रोपल्शन मॉड्यूल हैं। करीब 40 दिन बाद, यानी 23 या 24 अगस्त को लैंडर और रोवर चांद के साउथ पोल पर उतरेंगे। ये दोनों 14 दिन तक चांद पर एक्सपेरिमेंट करेंगे। प्रोपल्शन मॉड्यूल चंद्रमा के ऑर्बिट में रहकर धरती से आने वाले रेडिएशन्स की स्टडी करेगा। मिशन के जरिए इसरो पता लगाएगा कि लूनर सरफेस कितनी सिस्मिक है, सॉइल और डस्ट की स्टडी की जाएगी।

### आज का दिन सुनहरे अक्षरों में अंकित रहेगा: मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट किया, जहां तक भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र का सवाल है, तो 14 जुलाई 2023 का दिन हमेशा सुनहरे अक्षरों में अंकित रहेगा। चंद्रयान-3 हमारा तीसरा चंद्र मिशन, अपनी यात्रा पर निकलेगा। यह उल्लेखनीय मिशन हमारे राष्ट्र की आशाओं और सपनों को आगे बढ़ाएगा।

## गलत तरीके से पास युवाओं का मीडिया ट्रायल कर फिर से परीक्षा दिलाएं: कांग्रेस

### नाम बदलने से घोटाले नहीं बदलते: जीतू पटवारी

**भोपाल।** पूर्व मंत्री जीतू पटवारी ने कहा है कि नाम बदलने से घोटाले नहीं बदलते, कृषि विभाग की भर्ती में अनियमितता हुई, नर्सिंग घोटाला हुआ, अब पटवारी की परीक्षा में भर्ती घोटाला सामने आया है। लगभग हर परीक्षा में घोटाले हुए हैं और इसके लिए पूरी तरह सरकार जिम्मेदार है।

प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आज संवाददाता सम्मेलन में जीतू पटवारी के साथ ही मीडिया विभाग के अध्यक्ष केके मिश्रा, विभा पटेल आदि मौजूद रहे। पटवारी ने कहा कि पटवारी की परीक्षा परिणाम में गड़बड़ी आने की सूचना मिलते ही प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ और हमारे नेता राहुल गांधी ने संज्ञान लिया और कहा कि बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसमें जो भी लिप्त है, उन्हें मुख्यमंत्री बचाना चाह रहे हैं। उन्होंने बताया कि 9,74,000 परीक्षार्थी परीक्षा में बैठे। ऑन लाइन घर बैठे परीक्षा करवा ली।

# यमुना 4 दिन से खतरे के निशान के ऊपर

### सेना से मांगी मदद, लाल किले में पानी भरा, राजघाट डूबा

**नई दिल्ली।** दिल्ली में 4 दिन से यमुना नदी खतरे के निशान के ऊपर है। शुक्रवार सुबह यमुना नदी का जलस्तर 208.40 मीटर पहुंच गया है। यह खतरे के निशान 205 मीटर से 3.4 मीटर ज्यादा है। दिल्ली में सुप्रीम कोर्ट के बाहर सड़क पर पानी भर गया है। बाढ़ का पानी यमुना बाजार, लालकिले, राजघाट और कश्मीरी गेट तक पहुंच गया है। यहां 3 फीट तक पानी भर गया।

इसके अलावा मजनू का टीला, निगम बोध घाट, मोनेस्ट्री मार्केट, वजीराबाद, गीता कॉलोनी और शाहदरा एरिया सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। निचले इलाकों को खाली करा लिया गया है। लोगों की मदद के लिए एसडीआरएफ की 16 टीमें लगाई गई हैं। 2,700 राहत शिविर लगाए गए हैं। अब तक यमुना के आस-पास से 23 हजार से ज्यादा लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। इस बीच पीएम मोदी ने फ्रांस से अमित शाह को फोन करके दिल्ली में बाढ़ के हालात का जायजा लिया। शाह ने पीएम को बताया, अगले 24 घंटे में यमुना का वाटर लेवल कम हो सकता है।

**हर तरह से करेंगे हिमाचल की मदद: शाह-** केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर और नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने बृहस्पतिवार को गृह मंत्री अमित शाह से भेंट कर हिमाचल के हालातों से अवगत कराया। इस पर शाह ने उन्हें बारिश से हुए नुकसान का आकलन आने पर हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

**पाकिस्तान ने गेट खोले तो पंजाब को मिली राहत-** पाकिस्तान ने सुलेमान हेड वर्क्स से दस गेट खोल दिए, जिससे पंजाब के फिरोजपुर और फाजिल्का जिलों को बाढ़ से राहत मिली है। मुख्य अभियंता एचएस मेहंदीरत्ता ने बताया, इससे दक्षिण मालवा बाढ़ के प्रकोप से बच गया। पंजाब के स्कूलों की छुट्टियां बढ़ा दी गई हैं। स्कूल अब 17 जुलाई को खुलेंगे।

**हिमाचल-कुल्लू में 20 शव मिले, 10 हजार सैलानी फंसे-** हिमाचल में बाढ़ के चलते कुल्लू-मनाली और लाहौल-स्पीति में फंसे 60 हजार पर्यटकों को निकाल लिया गया है। हालांकि, करीब 10 हजार सैलानी अब भी मनाली, मणिकर्ण, सैंज, तीर्थन घाटी में फंसे हैं। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि ये सभी सुरक्षित हैं। कुल्लू जिले में अभी तक 20 शव बरामद हुए हैं। दस की पहचान नहीं हो पाई है। टिहरी डैम में पानी का स्तर 779.10 पर पहुंचा गया है।

इन राज्यों में तेज बारिश होगी: दिल्ली, हरियाणा, हिमाचल, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, बिहार, गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, सिक्किम, पश्चिम बंगाल, असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मिजोरम, मणिपुर, त्रिपुरा, ओडिशा, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और केरल।

# दुनिया के 73.5 करोड़ लोग भुखमरी का शिकार

**न्यूयार्क।** दुनिया में दाने-दाने के लिए मोहताज होने वाले लोगों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। यूएन की नई रिपोर्ट में सामने आया है कि दुनिया के 73.5 करोड़ लोग भुखमरी का शिकार हैं। यानी उन्हें बिलकुल ही भोजन नहीं मिला। यूएन की 'द स्टेट ऑफ फूड सिक्योरिटी एंड न्यूट्रिशन इन द वर्ल्ड 2022 रिपोर्ट' के अनुसार 2019 के बाद लोगों का भूख से संघर्ष तेजी से बढ़ा है। 2019 में दुनिया में 61.8 करोड़ लोगों का भूख से सामना हुआ था। यानी, सिर्फ 3 साल में 12.2 करोड़ लोग बढ़ गए, जिन्हें एक वक्त का खाना नसीब नहीं हुआ।

इसकी वजह कोविड-19 महामारी, क्लाइमेट चेंज और रूस-यूक्रेन जंग है। रिपोर्ट की मानें तो भुखमरी के हाल अगर ऐसे ही रहे तो 2030 तक 60 करोड़ लोग कुपोषण का शिकार हो जाएंगे। रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि पिछले साल यानी 2022 में दुनिया की 11.3 प्रतिशत आबादी (करीब 90 करोड़ लोग) को भरपेट भोजन नहीं मिला।

**तीन में एक व्यक्ति खाली पेट सोने को मजबूर-** वहीं, हर तीन में एक व्यक्ति खाली पेट सोने को मजबूर हुआ। आसान शब्दों में कहें तो दुनिया के 240 करोड़ लोगों या 29.6 प्रतिशत आबादी तक लगातार भोजन की आपूर्ति नहीं हो सकी। इसके अलावा दुनिया के 310 करोड़ लोग यानी 42 प्रतिशत आबादी को साल 2021 में पौष्टिक आहार नहीं मिला।

**4.5 करोड़ बच्चे कुपोषण का शिकार-** ह की स्टेट ऑफ फूड सिक्योरिटी एंड न्यूट्रीशियन वर्ल्ड रिपोर्ट में ये भी कहा गया कि 2022 में 5 साल से कम उम्र वाले 4.5 करोड़ बच्चे कुपोषण का शिकार हैं। वहीं, 14.8 करोड़ बच्चों की ग्रोथ और डेवलपमेंट रुक गया है। ये बच्चे बेहद पतले और कमजोर हो गए हैं। इन बच्चों का वजन उनकी उम्र के हिसाब से कम है।

### रूस-यूक्रेन जंग का गंभीर असर हो रहा

रिपोर्ट में कहा गया कि रूस-यूक्रेन जंग के चलते अंतरराष्ट्रीय मंहगाई बढ़ी। इस वजह से लोग रोजमर्रा का सामान नहीं खरीद पा रहे। दरअसल, रूस-यूक्रेन दोनों ही खेती में इस्तेमाल होने वाले प्रोडक्ट से लेकर गेहूं, सूरजमुखी का तेल और खाद के बड़े निर्यातक हैं। जंग शुरु होने के बाद से ही ग्लोबल सप्लाई चेन पर असर हुआ है। गौर करने वाली बात ये है कि भुखमरी के मामलों में अफ्रीकी देश जैसे- डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो, इथोपिया, वेस्टर्न एशियाई देश जैसे- अफगानिस्तान समेत रूस-यूक्रेन से गेहूं आयात करने वाले देशों की हालत सबसे ज्यादा खराब है। रिपोर्ट लिखने वाले मैक्सिमो टोरेरो का कहना है कि जंग का असर काफी लंबे समय तक गंभीर रहने वाला है।

### कोरोना और क्लाइमेट चेंज का भी असर

कोरोना वायरस के संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए लगाए गए लॉकडाउन के चलते फूड सप्लाई चेन बाधित हुई थी। वहीं, एक रिसर्च में कहा गया था कि कुपोषण कोरोना के रिस्क को बढ़ा सकता है। ऐसे बच्चे और वयस्क जो जीवन में कभी कुपोषण से परेशान हो चुके थे उनमें संक्रमण हुआ तो मौत का खतरा ज्यादा था। शोधकर्ताओं का कहना था, कुपोषण रोगों से लड़ने वाले इम्यून सिस्टम के काम करने की क्षमता पर बुरा असर डालता है।

कोलार में एकादशी के उपलक्ष्य में खाटू श्याम मंदिर में पूजा-पाठ और भजन कार्यक्रम आयोजित किए गए।

# भोपाल को स्वच्छता में नंबर 1 बनाने नुक्कड़ नाटक से किया जागरुक

सांध्य प्रकाश संवाददाता
भोपाल

महापौर मालती राय ने अपने शहर भोपाल को स्वच्छता में नंबर 01 बनाने का नागरिकों से आह्वान किया है। महापौर श्रीमती राय के निर्देश पर 01 जुलाई से 15 जुलाई तक आयोजित स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत वार्ड क्र. 51 के अंतर्गत मनीषा मार्केट में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से स्वच्छता का संदेश दिया गया।

महापौर मालती राय की उपस्थिति में गुरूवार को वार्ड क्र. 51 के अंतर्गत मनीषा मार्केट में जन जागरूकता हेतु नुक्कड़ नाटक के माध्यम से स्वच्छता का संदेश दिया गया।

महापौर श्रीमती राय के निर्देश पर 01 जुलाई से 15 जुलाई तक स्वच्छता पखवाड़े का आयोजन शहर के विभिन्न वार्ड क्षेत्रों, कालोनियों, बाजारों, विद्यालय, महाविद्यालय आदि में किया जा रहा है। इसी तारतम्य में वार्ड क्र. 51 स्थित मनीषा मार्केट में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से स्वच्छता का संदेश दिया गया। इस अवसर पर महापौर श्रीमती राय ने कहा कि हमें स्वच्छता की गतिविधियों में सहयोग करते हुए स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 के सिटीजन फीडबैक में स्वयं भी फीडबैक देना है और अन्य लोगों को भी इस हेतु प्रेरित करना है। महापौर श्रीमती राय ने कहा कि अपने घर की तरह अपने शहर को भी स्वच्छ बनाये रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। इस अवसर पर महापौर परिषद के सदस्य श्री आर.के.सिंह बघेल, जोन क्र. 06 की अध्यक्ष स्नेहलता रघुवंशी, जोन क्र. 10 के अध्यक्ष बाबूलाल यादव, पार्षद अरविंद वर्मा, भगवत रधुवंशी सहित अनेक जनप्रतिनिधि, व्यापारीगण एवं नागरिक उपस्थित थे।

## भारत तिब्बत सहयोग मंच के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष नीरज अग्रवाल एव रूपेश प्रवीण लोधी का स्वागत

भोपाल। मानसरोवर को चीन से मुक्ति दिलाने के लिए भारत तिब्बत सहयोग मंच 25 वर्षों से इस लड़ाई को लगातार लड़ते चला आ रहा है तिब्बत सहयोग मंच के मध्य क्षेत्र संयोजक एवं कटनी भाजपा से पूर्व विधायक गिर्राज किशोर पोद्दार राजू भैया ने बताया राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने संघ के वरिष्ठ प्रचारक इंद्रेश जी को इस लड़ाई के लिए भारत तिब्बत सहयोग मंच के माध्यम से पूरे भारत में अलख जगाने के लिए स्वयंसेवक संघ ने वरिष्ठ प्रचारक इंद्रेश जी के माध्यम से हमारे आराध्य भगवान भोलेनाथ का स्थान मानसरोवर धाम हमारे पास नहीं आ जाता तब तक इस मानसरोवर की लड़ाई भारत तिब्बत सहयोग मंच के माध्यम से लड़ते रहेंगे राजू भैया ने बताया कि आज भारत तिब्बत सहयोग मंच द्वारा भोपाल जिला अध्यक्ष श्री नीरज अग्रवाल को बनाया गया है साथ में युवा मोर्चा अध्यक्ष श्री रुपेश प्रवीण लोधी को बनाया गया है एवं पर्यावरण संरक्षण प्रकोष्ठ का संयोजक मदन मोहन पाटीदार को बनाया गया जिसमें नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी जिसमें भाजपा के महामंत्री राधे महाराज चौक मंडल के महामंत्री प्रणब शर्मा बृजेश मिश्रा राजीव शर्मा कन्हैया लाल यादव श्रीकांत पोद्दार राम लखन शर्मा मुकेश मालवीय जगदीश मारण केशव नारायण एवं उपस्थित समस्त वरिष्ठ जनों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी

## पर्वतारोही रत्नेश ने की मुख्यमंत्री चौहान से भेंट

सांध्य प्रकाश संवाददाता
भोपाल

प्रदेश के पहले माउंट एवरेस्ट विजेता एवं भाजपा नेता रत्नेश पाण्डेय ने सीएम हाउस भोपाल में इन्दौर की पूर्व महापौर और वर्तमान विधायक मालिनी गौड़ के साथ मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से शिष्टाचार भेंट की। रत्नेश पाण्डेय ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से सतना जिले में %लाडली बहना योजना% के सफल क्रियान्वयन के बारे में चर्चा की और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सपने स्वच्छ भारत अभियान% में सतना की भागीदारी व अपनी संस्था के द्वारा किए जाने वाले कामों के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी। पर्वतारोही रत्नेश एवरेस्ट की चोटी से राष्ट्रगान गाने वाले पहले भारतीय हैं। इनकी संस्था रत्नेश पाण्डेय फाउंडेशन समाज सेवा के क्षेत्र में भी निरन्तर सक्रिय हैं और युवाओं से लेकर हर तबके में भी रत्नेश पाण्डेय खासे लोकप्रिय हो रहे हैं। सोशल मीडिया में भी उनकी लाखों में फैन फालोइंग है। रत्नेश सतना स्मार्ट सिटी एवं स्वच्छता अभियान के ब्रांड एम्बेसडर भी हैं। रत्नेश पाण्डेय ने जब से भाजपा प्रदेशाध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा एवं प्रदेश महामंत्री रणवीर सिंह रावत के द्वारा भाजपा की सदस्यता ली है उसी समय से सतना विधानसभा के स्थानीय समीकरणों में रत्नेश पाण्डेय लोकप्रिय चेहरे के रूप में सतना विधानसभा के प्रबल दावेदार बनकर सामने आ रहे हैं।

## संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित

**संत हिरदाराम नगर।** संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा नेचर्स क्लब के संयुक्त तत्वावधान में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. डालिमा पारवानी, श्वेता केसवानी, डायरेक्टर, ड्रीम्स ग्लोबल, जयेश कुमार, फाउन्डर एंड चीफ, पीपल्स पर्सन स्वराज आश्रम, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी, नेचर्स क्लब के सदस्य एवं बड़ी संख्या में शिक्षिकाएं एवं छात्राएं उपस्थित थी। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. डालिमा पारवानी ने कहा कि नेचर्स क्लब एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई सदैव ही पर्यावरण संरक्षण में अपना महत्वपूर्ण योगदान देती रहीं हैं। हम सभी का उत्तरदायित्व हैं कि हम पौधारोपण कर उसकी सुरक्षा की भी जिम्मेदारी लें। मानव जीवन एवं पर्यावरण में संतुलन स्थापित करने में वृक्षों का विशेष योगदान होता हैं। हम सभी को पौधारोपण हेतु संकल्पित होने की आवश्यकता है।

## विजय नगर में धूमधाम से प्रारंभ होगा भगवान झूलेलाल का चालीसा महोत्सव

**संत हिरदाराम नगर।** हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी भगवान झूलेलाल चालीहा महोत्सव 16 जुलाई से 24 अगस्त तक श्री हरी सेवा गंगाधाम दरबार विजय नगर में समस्त सिंधी समाज द्वारा बड़े ही भक्तिभाव के साथ मनाया जाएगा। महोत्सव को लेकर सिंधी समाज उत्थान समिति द्वारा बैठक रखी गई। सिंधी समाज उत्थान पंचायत अध्यक्ष के आनंद सबधाणी ने बताया कि 40 दिवसीय चालीहा महोत्सव का भव्य शुभारंभ 16 जुलाई को सुबह 10 बजे पुज्य बहिराणे साहिब की पूजा व भगवान झूलेलाल की अखण्ड ज्योति प्रज्वलन के साथ व्रतधारियों के संकल्प बंधन से 40 दिवसीय वृतो की शुरुआत होगी। साथ ही दरबार साहिब में 40 दिन तक निरंतर सुबह 10 बजे व शाम को 7 बजे गीत-संगीत, पल्लव, प्रार्थना, पूजा-अर्चना व प्रसाद वितरण किया जाएगा। बैठक में सिंधी समाज उत्थान पंचायत विजय नगर, लालघाटी के सभी मुख्य पदाधिकारी कमल वच्चानी, अर्जुन वाधवानी, किशन मुरजानी, रमेश ममतानी, इंदर दास मेंघानी, गीता सचदेवा, आनंद सबधाणी, कृष्णा मुरजानी, राधेश्याम नाथानी, किशन असुदानी, अशोक टिलवानी, गुरमुख आहूजा, मनोहर असुदानी, नंदलाल मोतियानी, रमेश भंभानी उपस्थित थे।

## श्रावण मास पर महिलाएं प्रतिदिन पार्थिव शिवलिंग बनाकर कर रही अभिषेक

**संत हिरदाराम नगर।** श्रावण मास के अवसर पर संत हिरदाराम नगर के मंदिरों में पार्थिव शिवलिंग निर्माण कार्यक्रम लगातार चल रहे हैं। शिव मंदिर समिति पंडित दीनदयाल कॉलेज के पास महिला समिति द्वारा प्रतिदिन तीन हजार मिट्टी के शिवलिंग बनाए जा रहे है। महिलाओं ने बताया कि सवा महीने में सवा लाख शिवलिंग का निर्माण किया जाएगा। जिसमें पंडित मिथिलेश पांडे द्वारा विधि विधान से पूजा अर्चना करवाई जा रही है। पूजन के बाद शिवलिंग विसर्जन घाट पर विसर्जित करने के लिए जा रही है। जिसमें महिला समिति सम्मिलित होती है। निशा कुशवाह, कमला यादव, लक्ष्मी यादव, लीला तिवारी, रेखा चैहान सहित बड़ी संख्या में श्रद्वालु उपस्थित हो रहे हैं।

## एक माह बाद भी नहीं हो सका पट्टा वितरण, कलेक्टर से की मुलाकात

**संत हिरदाराम नगर।** उपनगर में पट्टे के लिए शिविर लगाकर आवेदन लेने के बाद भी पट्टा वितरण नहीं हो सका है। सरकारी जमीन पर बने मकान एवं दुकानों के पट्टे धारणा अधिकार आदेश के तहत देने के लिए जिला प्रशासन ने शिविर लगाकर लोगों से आवेदन लिए है। लेकिन अभी तक पट्टा नहीं मिला है जिसको लेकर लोगों में नाराजगी है, सांसद प्रतिनिधि दिनेश मिश्रा ने कलेक्टर से मुलाकात कर आवेदकों को पट्टे के बारे में चर्चा की। मिश्रा ने बताया कि कलेक्टर ने इस बारे मे संबधित अधिकारियों से चर्चा कर जल्द ही समस्या का हल निकालने का भरोसा दिलाया। दरअसल, विभाजन के समय सिंध में अपनी संपत्ति छोड़कर यहां आकर बसे सिंधी विस्थापित परिवारों को पुर्नवास विभाग ने बैरागढ़ में बसाया था। राजस्व विभाग ने पट्टे भी दिए लेकिन उनकी समय अवधि समाप्त हो गई। इनका नवीनीकरण नहीं होने से लोग परेशान हैं।

## जलप्रदाय में पानी के साथ ही ऊर्जा की बचत भी करें : निगमायुक्त

**चौधरी ने अरेरा हिल्स स्थित पम्प हाउस, संत हिरदाराम नगर स्थित 2 एमजीडी एवं 3 एमजीडी फिल्टर प्लांटों का निरीक्षण कर दिये निर्देश**

सांध्य प्रकाश संवाददाता
भोपाल

निगम आयुक्त के.वी.एस. चौधरी ने शहर की जलप्रदाय व्यवस्था में पानी की बचत के साथ ही ऊर्जा की भी बचत सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त चौधरी ने पुरानी जेल रोड स्थित वेटनरी उच्चस्तरीय टंकी को पम्पों का उपयोग किये बिना सीधे कोलार लाईन से भरने हेतु अध्ययन कर सर्वे करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त चौधरी ने संत हिरदाराम नगर स्थित 2 एमजीडी एवं 3 एमजीडी फिल्टर प्लांटों के बैकवाश वाटर को रिसाइकल करने हेतु प्रस्तावित रिसाइकल प्लांट निर्माण का कार्य शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त चौधरी ने जोन क्रमांक 04 के अंतर्गत जलप्रदाय व्यवस्था का निरीक्षण किया और विद्युत व्यय की बचत हेतु रहवासियों को जल कनेक्शन प्रदान करने, पाईप लाईन के माध्यम से जलप्रदाय करने तथा नलकूपों को बंद कर विद्युत कनेक्शन विच्छेद करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त शाश्वत मीणा, अधीक्षण यंत्री उदित गर्ग, कार्यपालन यंत्री जेड.ए.खान एवं क्षेत्र के सहायक यंत्री सहित निगम के अन्य अधिकारी मौजूद थे। निगम आयुक्त के.वी.एस. चौधरी ने गुरूवार को जलप्रदाय व्यवस्था के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण किया और निगम अधिकारियों को पानी की बचत के साथ ही ऊर्जा की भी बचत सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त चौधरी ने अरेरा हिल्स स्थित पम्प हाउस का निरीक्षण किया और अधिकारियों से विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त की। निगम आयुक्त चौधरी को अवगत कराया गया कि वर्तमान व्यवस्था में वेटनरी उच्चस्तरीय टंकी को वल्लभ भवन स्थित ग्राउंड रिजर्वायर से पम्पों की सहायता द्वारा भरा जा रहा है जिसमें पम्पों के रखरखाव के साथ ही विद्युत व्यय भी वहन करना होता है यदि कोलार लाईन से जोड़कर उक्त टंकी को भरा जाता है तो पम्पों के संचालन तथा विद्युत व्यय की निगम को काफी बचत होगी। निगम आयुक्त चौधरी ने इस हेतु अध्ययन कर सर्वे करने एवं रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त चौधरी ने संत हिरदाराम नगर स्थित 2 एमजीडी एवं 3 एमजीडी फिल्टर प्लांटों के बैकवाश वाटर को रिसाइकल कर पुर्न उपयोग हेतु प्रस्तावित रिसाइकल प्लांट निर्माण स्थल का निरीक्षण किया और निगम अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की। निगम आयुक्त चौधरी को अवगत कराया गया कि फिल्टर प्लांट का बैकवाश वाटर काफी मात्रा में व्यर्थ बह जाता है।

बैकवाश वाटर के पुर्न उपयोग के साथ ही फिल्टर प्लांट की साफ सफाई में व्यर्थ होने वाले पानी को भी रिसाइकल कर पुर्न उपयोग किया जायेगा जिससे काफी मात्रा में पानी की बचत होगी। प्रस्तावित रिसाइकल प्लांट हेतु टैंक के निर्माण के साथ ही 2 एमजीडी प्लांट से 3 एमजीडी प्लांट पाईप बिछाने का कार्य तथा पम्पों की स्थापना का कार्य किया जाना है। निगम आयुक्त चौधरी ने पानी की बचत हेतु उक्त कार्य शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए।

निगम आयुक्त चौधरी ने जोन क्रमांक 04 के अंतर्गत जलप्रदाय व्यवस्था के संबंध में विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण किया और जिन क्षेत्रों में पाईप लाईन बिछाने का कार्य किया जा चुका है वहां के रहवासियों को नल कनेक्शन प्रदान कर जलप्रदाय करने के साथ ही उन क्षेत्रों में पूर्व से संचालित नलकूपों को बंद करने तथा उनके विद्युत कनेक्शन विच्छेद करने के निर्देश दिए।

# प्रदेश में बनेगा जय मीनेश कल्याण बोर्ड

## मुख्यमंत्री निवास में हुआ मीना समाज का राज्य स्तरीय सम्मेलन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि किसी भी समाज की प्रगति से प्रदेश और देश की प्रगति भी स्वमेव होती है। इस नाते प्रत्येक समाज को प्रत्येक क्षेत्र में प्रगति करने के लिए सजग और सक्रिय रहना आवश्यक है। मध्यप्रदेश सरकार मीना समाज को विभिन्न क्षेत्र में उन्नति के अवसर उपलब्ध करवाएगी। मुख्यमंत्री चौहान मुख्यमंत्री निवास में मीना समाज के प्रदेश स्तरीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री चौहान ने इस अवसर पर कहा कि मीना समाज के लिए जय मीनेश कल्याण बोर्ड बनाया जाएगा। इस बोर्ड में अध्यक्ष सहित चार सदस्य होंगे। अध्यक्ष को मंत्री का दर्जा दिया जाएगा। मध्यप्रदेश की ओबीसी सूची में आवश्यक संशोधन करेंगे। भोपाल में समाज के निर्माणाधीन छात्रावास भवन का निर्माण सुनिश्चित किया जाएगा। भगवान मीनेश की जयंती पर ऐच्छिक अवकाश होगा। मुख्यमत्री चौहान ने कहा कि टीआर आई रिपोर्ट केंद्र सरकार को भेजी जाएगी, जिससे आवश्यक निर्णय हो। मीना समाज को आवश्यक प्रतिनिधित्व भी दिया जाएगा।

**समाज के युवा विभिन्न क्षेत्र में सुविधाओं का लाभ लें:** मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि मीना समाज को शिक्षा, कृषि, व्यवसाय, तकनीकी प्रशिक्षण और स्व-रोजगार के क्षेत्र में आवश्यक सुविधाएँ प्रदान की जाएंगी। आज सिर्फ कृषि कार्य पर निर्भर होकर आसानी से जीविका नहीं चलाई जा सकती। डेयरी व्यवसाय, सब्जी उत्पादन, फलोत्पादन आदि से आय ब?ाना आवश्यक है। युवाओं का रूझान व्यवसाय और उद्योगों की ओर ब?ाना चाहिए। राज्य शासन ने मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति के माध्यम से युवाओं को 50 लाख रुपए तक की राशि औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के लिए उपलब्ध करवाने का प्रावधान किया है। इसके लिए ब्याज में छूट और शासन की गारंटी का लाभ भी मिलता है। कक्षा 12 उत्तीर्ण और स्नातक उपाधि प्राप्त करने वाले युवाओं को सीखो-कमाओ योजना में विभिन्न औद्योगिक संस्थानों में प्रशिक्षण प्राप्त करने की सुविधा दी जा रही है। इन युवाओं को हुनर सीखने के साथ ही शिष्यवृत्ति भी दी जाएगी।

**किसानों को दी गई हैं अधिकाधिक सुविधाएं:** मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि किसान-कल्याण योजना के माध्यम से बड़ी संख्या में छोटे और सीमांत किसानों को प्रतिमाह राशि प्राप्त हो रही है। मीना समाज सहित अन्य समाज बंधुओं को भी इसका लाभ मिल रहा है। कृषि कार्य से जु? लोगों को पहले लिए गए ऋण के ब्याज से राहत देने का कार्य भी किया गया है। यही नहीं सिंचाई क्षेत्र ब?ने से कृषि कार्य को फायदे का धन्धा बनाने का ठोस कार्य मध्यप्रदेश में हुआ है। मुख्यमंत्री ला?ली बहना योजना के प्रावधानों में संशोधन कर ट्रेक्टर रखने वाले परिवारों को भी लाभान्वित करने की पहल की गई है। यह सभी योजनाएँ निम्न - मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए लाभकारी हैं। राज्य शासन द्वारा एक लाख सरकारी नौकरियाँ देने का लक्ष्य पूर्ण होने पर 50 हजार नई भर्तियों की प्रक्रिया भी प्रारंभ की जाएगी। मुख्यमंत्री चौहान ने प्रारंभ में भगवान मीनेश की पालकी सिर पर रखकर उसे मंच पर विराजमान किया। सम्मेलन का शुभारम्भ कन्या-पूजन और दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। समाज बंधुओं द्वारा पुष्पवर्षा कर मुख्यमंत्री चौहान का अभिनन्दन किया गया। समाज के प्रदेश अध्यक्ष पूर्व न्यायाधीश लालाराम मीना, पूर्व मंत्री सूर्यप्रकाश मीना, श्रीमती ममता मीना, पूर्व विधायक चाचौ?ा जवाहर सिंह मीना, जसवंत मीना, रणवीर रावत, गनपत मीना, संतोष मीना, जनपद अध्यक्ष भेरूंदा की श्रीमती मंजू पटेल, रामसिंह मीना एवं अन्य प्रतिनिधि और जिलों से आए समाज बंधु ब?ी संख्या में उपस्थित थे। प्रारंभ में समाज की ओर से मुख्यमंत्री चौहान को सुझाव पत्र सौंपा गया। सम्मेलन को पूर्व मंत्री सूर्यप्रकाश मीना ने भी संबोधित किया।

## कर्मचारी चयन मण्डल की समूह 2, उप समूह 4 और पटवारी भर्ती परीक्षा की नियुक्तियों पर रोक

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कर्मचारी चयन मण्डल द्वारा समूह-2, उप समूह-4 एवं पटवारी भर्ती परीक्षा परिणाम के आधार पर की जाने वाली नियुक्तियों पर रोक लगा दी है। परीक्षा के एक सेन्टर के परिणाम पर संदेह की स्थिति में यह निर्णय लिया गया। उस सेन्टर के परीक्षा परिणाम का पुन: परीक्षण किया जायेगा। मुख्यमंत्री चौहान ने एक ट्वीट में यह जानकारी दी।

मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल द्वारा मार्च - अप्रैल 2023 में समूह-2, समूह-4 के लिए एवं पटवारी पद के लिये आयोजित संयुक्त भर्ती परीक्षा का परिणाम में 8617 पद की मेरिट सूची 30 जून 2023 को जारी की गई थी। इसके बाद सोशल मीडिया एवं मंडल के अधिकृत ई-मेल पर कुछ बिन्दुओं पर प्राप्त शिकायतों के संबंध में वस्तु-स्थिति इस प्रकार है। समूह-2, समूह-4 एवं पटवारी पद के लिए संयुक्त भर्ती परीक्षा 15 मार्च 2023 से 26 अप्रैल 2023 तक आयोजित की गई थी। परीक्षा में अभ्यर्थियों के 1279063 प्रवेश-पत्र जारी किए गए। इनमें से 978270 अभ्यर्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए। मेरिट लिस्ट में स्थान प्राप्त 8617 अभ्यर्थी 78 परीक्षा केन्द्रों से चयनित हुए हैं। प्रसारित खबरों में उल्लेखित एन.आर.आई. कॉलेज ऑ? इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, ग्वालियर से कुल 114 अभ्यर्थी चयनित हुए हैं, न कि एक हजार।

टॉप 10 में से 7 अभ्यर्थी ने एन.आर.आई. कॉलेज ऑ? इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, ग्वालियर से विभिन्न तिथियों में पृथक - पृथक पाली में परीक्षा दी, अर्थात इन समस्त के प्रश्न-पत्र अलग- अलग थे। परीक्षा केंद्र, दिनांक, पाली एवं रोल नम्बर का आवंटन मंडल द्वारा रैंडम प्रक्रिया से किया जाता है।

अपने प्रवेश पत्र में टॉप 10 में से 6 अभ्यर्थियों ने हिंदी में तथा 4 ने अंग्रेजी में हस्ताक्षर किये हैं। परीक्षा की नियमावली में हस्ताक्षर पर भाषा का बंधन नहीं है, परन्तु अभ्यर्थी के हस्ताक्षर स्पष्ट होने पर ही परीक्षा प्रवेश पत्र जारी किया जाता है। टॉप 10 अभ्यर्थी को अंग्रेजी सेक्शन में 25 में से 13 से 23 तक अंक मिले। अभ्यर्थी द्वारा आवेदन-पत्र भरते समय अपना फोटो अपलोड करना अनिवार्य है।

### पत्रकारिता विवि में प्रवेश की अंतिम तिथि 23 जुलाई

भोपाल। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में प्रवेश की अंतिम तिथि 23 जुलाई कर दी गई है । विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.(डॉ) केजी सुरेश ने कहा कि विद्यार्थियों के हित में प्रवेश के तिथि को आगे बढ़ाया गया है, ताकि अधिक से अधिक विद्यार्थी आवेदन कर सके । प्रवेश निदेशक डॉ. आशीष जोशी के अनुसार बची हुई रिक्त सीटों के लिए 14 जुलाई से विद्यार्थी एमपी ऑनलाइन के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं । इस बार विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति की अनुशंसा के अनुरूप भारतीय भाषा विभाग की भी स्थापना की गई है। भारतीय भाषा विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. राखी तिवारी ने कहा कि नए सत्र से इस विभाग के अंतर्गत बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी साहित्य एवं अनुवाद अध्ययन का 4 वर्षीय पाठ्यक्रम शुरू किया जा रहा है । इस पाठ्यक्रम को करने के उपरांत विद्यार्थी पत्रकारिता/हिंदी साहित्य/अनुवाद अध्ययन में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम (एम.ए.) कर सकते हैं ।

### शिक्षित युवाओं का भविष्य बर्बाद करने पर तुली हैं प्रदेश सरकार: त्रिपाठी

**भोपाल ।** मध्यप्रदेश युवा कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष विवेक त्रिपाठी और युवा कांग्रेस के पूर्व प्रवक्ता गौरव त्रिपाठी ने संयुक्त पत्रकारवार्ता को संबोधित करते हुए मध्यप्रदेश में हाल ही में कर्मचारी चयन बोर्ड (व्यापम) द्वारा आयोजित पटवारी भर्ती परीक्षा में हुई घोटाले को लेकर भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री, मंत्री और नेताओं पर परीक्षा में घोटाले के आरोप लगाए और कहा कि पूर्व में ब्लैकलिस्टेड हो चुकी कम्पनियों के संचालक नये नाम से कम्पनी बनाकर अधिकारियों से सांठगांठ कर ठैका प्राप्त कर लेते हैं।

विवेक त्रिपाठी ने पत्रकारवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश में पटवारी भर्ती परीक्षा शुरुआत से विवादों में रही है जब ये परीक्षा चल रही थी तब एक एग्जाम सॉल्वर गैंग पक?ी गई थी उसके बाद भी परीक्षा चयन बोर्ड द्वारा परीक्षा का संचालन जारी रखा गया 7 जुलाई और 11 जुलाई को हमारे साथी गौरव त्रिपाठी ने लिखित शिकायत दर्ज कराई थी परन्तु विभाग के प्रमुख सचिव मलय श्रीवास्तव का कहना हैं कि हमारे संज्ञान में कोई शिकायत नहीं आई है परीक्षा नियंत्रक डा. हेमलता का कहना हैं कि शिकायत आई थी जांच करवा ली गई है लेकिन कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा उसके बावजूद भी परीक्षा का आयोजन जारी रखा जिससे स्पष्ट होता हैं कि इसमें भाजपा के कई मंत्री विधायक और भाजपा नेता के साथ साथ कर्मचारी चयन बोर्ड के अधिकारी और कर्मचारी संलिप्त हैं पटवारी भर्ती को लेकर गृहमंत्री का कहना हैं कि बेबुनियाद आरोप हैं विवेक त्रिपाठी ने कहा कि पहले हुए व्यापम घोटाले के समय भी आपका यही बयान था।

### गैस एजेंसी पर एफआईआर दर्ज, 3 लाख से अधिक की सामग्री जप्त

**भोपाल।** गैस वितरक एजेंसी की जांच में मिली अनेक अनियमितताओं के चलते खाद्य अमले द्वारा एजेंसी के विरूद्ध पुलिस में एफआईआर दर्ज कराई गई है। अमले ने एजेंसी से जप्त 3 लाख से अधिक की सामग्री के निराकरण के लिए कलेक्टर न्यायालय में प्रकरण दर्ज किया है। उल्लेखनीय है कि जिला आपूर्ति नियंत्रक मीना मालाकार के निर्देशों के अनुसार कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी हुमा, हुजूर पुष्पराज पाटिल एवं मयंक द्विवेदी के संयुक्त दल द्वारा मेसर्स फिनिक्स डिस्ट्रिब्यूटर्स प्रा.लि. एचपीसीएल इन्द्रपुरी सी-सेक्टर भोपाल की जांच की गई। जांच में एजेंसी संचालकों द्वारा एजेंसी के कार्यालय एवं गोदाम में स्टॉक भाव बोर्ड अद्यतन संधारित न करना, एजेंसी से संलग्न उपभोक्ताओं को समय पर होम डिलेवरी न करना एवं निर्धारित मूल्य से अधिक मूल्य लिया जाना, एजेंसी से संलग्न उपभोक्ताओं को गोदाम से सिलेण्डर प्रदाय करने पर होम डिलेवरी रिवेट न देना, अवैध लाभ अर्जित करने के उद्देश्य से घरेलू तथा व्यावसायिक गैस सिलेण्डर अनाधिकृत रूप से विक्रय किया जाना, गैस एजेंसी के परिसर एवं गोदाम में विस्फोटक अनुज्ञप्ति की तय सीमा से अधिक एलपीजी गैस का अनाधिकृत रूप से भंडारण करना, गैस एजेंसी के गोदाम में अन्य बीपीएलसीएल, आईओसीएल कम्पनी के गैस सिलेण्डरों का अवैध संग्रहण करना, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना अंतर्गत जारी गैस कनेक्शन संबंधित हितग्राही को प्रदान नहीं कर लाभ से वचित करना, गैस एजेंसी द्वारा सुरक्षा जांच के नाम पर बिना सुरक्षा जांच किये अवैध राशि वसूली करना पाया गया है।

उक्त अनियमितताओं के चलते एजेंसी के प्रबंधक अजय कार्की तथा गोदाम प्रभारी अरविंद अवस्थी पर द्रविकृत पेट्रोलियम गैस (प्रदाय एवं वितरण विनियमन) आदेश 2000 आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के तहत दण्डनीय अपराध होने से संबंधितों के विरुद्ध बुधवार को पुलिस थाना पिपलानी में अभियोजन की कार्यवाही हेतु प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। जांच में उक्त एजेंसी से जप्त 3,03,396 रूपये की सामग्री के निराकरण हेतु न्यायालय कलेक्टर भोपाल में प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है।

## सर्व सेन समाज संगठन की प्रांतीय बैठक हुई

**भोपाल।** सर्व सेन समाज संगठन मध्य प्रदेश की प्रांतीय बैठक विधायक निवास गृह स्थित सभागार में संपन्न हुई। सर्व सेन समाज संगठन मध्य प्रदेश की अध्यक्ष गोरेलाल सेन ने कहा कि इस बैठक में मुख्य रूप से 6 बिंदुओं पर विचार विमर्श किया गया जिसमें समाज से कुरीतियों को दूर करने और समाज के उत्थान के लिए चर्चा हुई वक्ताओं ने मुख्यमंत्री से मांग की कि केश शिल्प कला बोर्ड का गठन कर गोरेलाल सेन को अध्यक्ष बनाया जाए एवं चुनाव में सेन समाज को प्रतिनिधित्व दिया जाए। इस प्रांतीय बैठक में पूरे मध्यप्रदेश के जिलों से सर्व सेन समाज संगठन मध्य प्रदेश के पदाधिकारी सम्मिलित हुए।

## भाजपा क्षेत्रीय संगठन महामंत्री ने ली विधानसभा क्षेत्र संचालन समिति की बैठक

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मध्यप्रदेश के प्रत्येक परिवार में केंद्र व राज्य की भाजपा सरकारों की जनकल्याणकारी योजनाओं व कार्यों के लाभार्थी हैं। उन्हें भाजपा सरकार की योजनाओं का लाभ मिल रहा है, लेकिन जानकारी के अभाव में हम उन तक नहीं पहुंच पाते हैं। ऐसे परिवारों व लाभार्थियों की जानकारी जुटाकर उनसे मिलें, उनकी बातों को गंभीरता से सुनें व लिखें। उन्हें बताएं कि केंद्र की मोदी व राज्य की शिवराज सरकार सबका साथ, सबका विकास व सबका विश्वास का लक्ष्य लेकर काम कर रही हैं। हम चुनाव के मुहाने पर खड़े हैं, बूथ पर अपना वोट प्रतिशत बढ़ाने के हरसंभव प्रयास करें। यह बात भाजपा के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल ने गुरुवार को खरगोन जिले के महेश्वर में नर्मदा रिट्रीट में महेश्वर व बड़वाह विधानसभा क्षेत्र की संचालन समितियों की बैठक में कही।

क्षेत्रीय संगठन महामंत्री जामवाल ने कहा कि हमारा उद्देश्य मध्यप्रदेश के आगामी विधानसभा व लोकसभा चुनाव में प्रत्येक बूथ पर भाजपा प्रत्याशी को 51 प्रतिशत से अधिक वोट दिलाना है। विधानसभा चुनाव में हम 200 से अधिक सीट प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। जामवाल ने चुनाव में समाज प्रमुखों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि आगामी बैठकों में बूथ, शक्ति केंद्र व विधानसभा स्तर पर निवासरत सभी समाजों की सूची बनाकर उनकी जनसंख्या व मतदाताओं की संख्या निकालना होगी। प्रत्येक बूथ पर 2013 व 2018 में मिले वोटों की संख्या अनुसार कमजोर बूथों को सशक्त बनाकर विजय प्राप्त करने व जीते बूथों पर पहले से अधिक वोट हासिल करने की योजना बनाएं।

## ऑनलाइन बुकिंग कर 17 लाख के मोबाइल उड़ाने वाली गैंग गिरफ्तार

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

ऑनलाईन बुकिंग कर 17 लाख रुपये के मोबाईल उड़ाने वाली गैंग गिरोह के तीन आरोपियो को क्राइम ब्रांच की टीम ने राजस्थान से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरोह ऑनलाइन मोबाईल बुक कर रिटर्न करने के दौरान मोबाईल के पार्सल में साबुन रखकर हेयर ड्रायर से पार्सल के बैग को वापस सील कर देते थे। पूछताछ में सामने आया कि गिरोह पूर्व में भी पुणे, फिरोजाबाद एवं भोपाल में आनलाइन कंपनियो के साथ कर धोखाधड़ी की वारदाते चुके है।

जालसाजो ने नवम्बर 2022 में आनलाइन 95 मोबाईल बुक कर उड़ा दिये थे। आरोपियो ने भोपाल की कई दुकानों की जीएसटी लगाकर फर्जी आईडी बनाई थी। और भोपाल में आकर होटल में ठहर कर ऑनलाइन बुकिंग कर धोखाधड़ी करते थे। गैंग द्वारा उडान कंपनी के जरिये मोबाइल मंगाकर पार्सल में साबुन व अन्य सामान भरकर रिटर्न कर करीब 17 लाख की धोखाधडी की गई थी। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त क्राइम ब्रांच शैलेन्द्र सिंह चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि इसी साल 10 जुलाई को फरियादी द्वारा लिखित शिकायत करते हुए बताया कि अज्ञात व्यक्तियों द्वारा उडान कंपनी के जरिये मोबाइल मंगाकर पार्सल में साबुन व अन्य सामान भरकर रिटर्न कर 17 लाख की धोखाधडी की गई है।

जॉच के बाद पुलिस ने अज्ञात आरोपियो के खिलाफ चार सौ बीसी सहित अन्य धाराओ में मामला कायम कर पड़ताल शुरु की। फरियादी ने टीम को बताया की उसकी कंपनी का काम इलेक्ट्रानिक्स, होम एपलाईस सामान उड़ान प्लेटफार्म के से मिले आर्डरों को डिलेवर करने का काम करती है।

यह सामान जो उड़ान प्लेटफार्म पर जो रजिस्टर्ड रिटेलर्स को सप्लाई की जाती है। बीते कुछ समय से उनके पास सेलरों से शिकायत आई कि उनके व्दारा उड़ान के जरिये से भेजे गये मोबाईल पार्सल जो रिप्लेस हुये है, उनमें वापसी के समय साबुन या अन्य कोई सामान उसके अन्दर प्राप्त हुआ है। संदिग्ध मामलों की कंपनी तरफ से जाँच कराई गई तो जानकारी मिली कि करीब 95 मोबाइल के आर्डर अलग-अलग आई डी से आर्डर किये थे, लेकिन यह सभी आर्डर 80 फीट रोड सांई मंदिर पुष्पा नगर अशोका गार्डन भोपाल के आर्डर है। इसके बाद पुलिस टीम ने तकनीकी जॉच में हाथ लगे सुरागो के आधार पर अशोका गार्डन इलाके में स्थित होटल सिग्मा पैलेस में दविश देते हुए होटल के कमरा नंबर 103 में ठहरे चैतराम मीना उर्फ पंकज पिता राम खिलान मीना 26 साल निवासी ग्राम मुराडा तह. गंगापुर सिटी थाना तलावडा जिला सवाई माधौपुर राजस्थान, दिनेश चन्द्र मीना उर्फ घीरु पिता कैलाश चन्द्र मीना 26 साल निवासी ग्राम मुराडा तह. गंगापुर सिटी थाना तलावडा जिला सवाई माधौपुर राजस्थान, अनिल कुमार मीना उर्फ बिल्लू पिता राम जी लाल मीना 26 साल निवासी ग्राम पोष्ट बावड तहसील वामनवास जिला माधौपुर राजस्थान को हिरासत में लते हुए पूछताछ की जो पहले तो टालमटोल करने लगे।

सख्ती से पूछताछ करने पर आरोपियो ने सारी जालसाजी का खुलासा करते हुए बताया कि उनका गिरोह उड़ान कंपनी में फर्जी आईडी बनाकर समान बुक करते ओर फिर उस पार्सल में साबुन रखकर वापस कर देते थे। पार्सल से निकाला गया आरिजनल सामान वह राजस्थान में बेच देते थे। पुलिस ने गिरोह के ठगो से 2 मोबाईल सहित 15 मोबाईल फर्जी (साबुन के बाक्स) जप्त किये है। पुलिस आरोपियो से आगे की पूछताछ कर रही है।

## चौथे चरण में 27 जिलों के अधिकारियों को दिया प्रशिक्षण

### प्रशासन अकादमी में हुआ विधानसभा निर्वाचन 2023 की तैयारियों संबंधी प्रशिक्षण

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन 2023 की तैयारियों के मद्देनजर उप-जिला निर्वाचन अधिकारी, रिटर्निंग अधिकारी और सहायक रिटर्निंग अधिकारियों को आरसीव्हीपी नरोन्हा प्रशासन अकादमी भोपाल में भारत निर्वाचन आयोग के मास्टर ट्रेनर्स द्वारा सर्टिफिकेशन प्रोग्राम में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। आज 13 जुलाई को चौथे चरण के प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। इसमें 27 जिलों के 123 अधिकारियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। समापन अवसर पर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि आयोग से दिए जाने वाले हर एक निर्देश को पहले ध्यान से पड़े।

निर्वाचन के कार्य को सभी अधिकारी प्राथमिकता से लें। जिन जिलों में सेक्टर ऑफिसर नियुक्त नहीं हो पाए हैं वहा जल्द से जल्द नियुक्ति करें। 18 से 19 वर्ष के युवाओं के नाम अधिक से अधिक जोड़ने के लिए स्कूल, महाविद्यालयों में अभियान चलाने, मतदान प्रतिशत बड़ाने के लिए महिला मतदाताओं को जागरूक करने, जहाँ पर महिला मतदाताओं की संख्या कम है वहाँ पर महिला मतदाताओं का नाम जोड़ने के लिए आँगनवाड़ी, आशा कार्यकर्ता, स्कूलों-महाविद्यालय की छात्राओं की मदद लें। उन्होंने कहा कि मतदाताओं के नाम जो?ने, हटाने और संशोधन के लिए आए आवेदनों का तुरंत निराकरण करने, दोहरी प्रवृष्टि वाले मतदाताओं की जाँच करने, फोटोग्राफिकल सिमिलर एंट्री, नाम काटने से पहले संबंधित मतदाता को नोटिस जारी करने, पंचनामा बनाने के बाद ही कार्रवाई करने और मतदाताओं को जागरूक करने के लिए स्वीप गतिविधियां आयोजित करने के निर्देश दिए।

**बीएलओ 2 से 31 अगस्त तक मतदान केंद्रों पर उपस्थित रहें:** द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2023 की गतिविधियां 2 अगस्त से शुरू होगी। इस अवधि 2 अगस्त को मतदाता सूची के प्रारूप का सभी 64 हजार 100 मतदान केंद्रों और जिला मुख्यालयों पर वाचन किया जएगा। मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनीतिक दलों को प्रतियां उपलब्ध कराई जाएंगी। मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने और संशोधन के लिए 2 अगस्त से 31 अगस्त तक आवेदन लिए जाएंगे। बीच बूथ लेवल अधिकारी मतदान केंद्रों पर कार्यालयीन समय पर उपस्थित रहेंगे। अगस्त माह में शनिवार और रविवार को विशेष शिविर लगाएं जाएंगे, जिसमें बीएलओ अपने मतदान केंद्र अंतर्गत आने वाले मतदाताओं के घर-घर जाकर नाम जोड़ने, हटाने और संशोधन के लिए आवेदन लेंगे। इसके अलावा इस बार सेक्टर ऑफिसर मतदाता सूची का बीएलओ और मतदाताओं की उपस्थिति में वाचन करेंगे। एक घर में 6 से अधिक मतदाता पाए जाने पर उसका भौतिक सत्यापन भी सेक्टर ऑफिसर द्वारा किया जाएगा। इसके साथ ही 5 जनवरी 2023 को हुए पिछले विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के दौरान जिन मतदाताओं के नाम काटे गए थे, उनका भी सत्यापन सेक्टर ऑफिसर द्वारा किया जाएगा।

**मतदान केंद्रों का करें भौतिक सत्यापन:** मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजन ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे सभी उप-जिला निर्वाचन अधिकारी, रिटर्निंग अधिकारी और सहायक रिटर्निंग अधिकारियों को मतदान केंद्रों का भौतिक सत्यापन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हर एक मतदान केंद्रों पर बिजली, पीने के लिए पानी, रैंप और बैठने की व्यवस्था सुनिश्चित कराएं। प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन अवसर पर संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी राकेश सिंह, भारत निर्वाचन आयोग के मास्टर ट्रेनर्स जय माधव पी, प्रभाष दत्ता उपस्थित रहे।

## स म्पा द की य

# आनलाइन ठगी खत्म होते परिवार

ऑनलाइन ऐप ने हंसते-खेलते परिवार को खत्म कर दिया। परिवार का मुखिया भूपेंद्र विश्वकर्मा कर्ज के दलदल में ऐसा फंसा कि जान देकर ही पीछा छूटा। गुरुवार को मासूम बेटों को जहर देकर दंपती फंदे पर झूल गए। भूपेंद्र को बेटी नहीं हुई, तो भतीजी को ही बेटी मान लिया। वह उसका कन्यादान भी करना चाहता था। सुसाइड नोट और आखिरी सेल्फी भी सबसे पहले उसी को भेजी थी। तीन दिन पहले भूपेंद्र की पत्नी ने पड़ोसियों को बताया था कि हम बड़े ऑनलाइन फ्रॉड में फंस गए हैं। पड़ोसी ने साइबर क्राइम में शिकायत की सलाह दी थी।

भोपाल के रातीबड़ की शिव विहार कॉलोनी में रहने वाले भूपेंद्र विश्वकर्मा (38) कोलंबिया बेस्ड कंपनी में ऑनलाइन जॉब करते थे। भूपेंद्र पर काम का प्रेशर और लोन था। कंपनी ने उनका लैपटॉप हैक कर उसमें मिले कॉन्टैक्ट पर एडिटेड अश्लील वीडियो वायरल कर दिए थे। इससे परेशान भूपेंद्र ने अपनी पत्नी रितु के साथ गुरुवार सुबह फांसी लगा ली। इससे पहले, दो बेटों को जहर दे दिया। भूपेंद्र इंश्योरेंस कंपनी में काम करता था। परिवार में सब ठीक चल रहा था, लेकिन ज्यादा पैसे कमाने के लिए पार्ट टाइम करने के बारे में सोचा। पिछले साल अप्रैल में ऑनलाइन पार्ट टाइम काम करके रुपए कमाने के लिए ऐप के मार्फत ट्रेडिंग शुरू की थी। शुरुआत में इन्वेस्टमेंट करने पर फायदा हुआ। बड़ी रकम इन्वेस्ट करते ही ऐप बंद हो गया। इसके बाद ऐप ऑपरेटर्स ने फंसे हुए रुपए को निकालने के नाम पर दूसरे ऐप्स की मदद से लोन दिया। इसके बाद भूपेंद्र साइबर जालसाजों के चंगुल में फंसता चला गया। वहीं, रिकवरी नहीं होने पर उसके पत्नी के साथ अश्लील वीडियो, भूपेंद्र के मोबाइल में सेव दोस्तों और रिश्तेदारों के नंबर पर भेजे। इससे वह डिप्रेशन में चला गया।

भूपेंद्र के ताऊ के बेटे दीपक विश्कर्मा ने बताया कि आरोपी जिसे भी कॉल या मैसेज करते, उसे भूपेंद्र के एडिटेड अश्लील फोटो और वीडियो भेज देते थे। रिकवरी एजेंट अलग-अलग नंबरों से कॉल करते थे। आरोपियों ने संपर्क में रहने वालों को कई बार कॉल किए। किसी से 25 हजार तो किसी से 10 हजार रुपए मांगे। उन्होंने बताया कि एक दिन लोन ऐप के रिकवरी एजेंट ने मुझे भी कॉल किया था। पहले 25 हजार, बाद में 10 हजार रुपए मांगे। दीपक ने बताया- पहले तो मैंने कॉल डिस्कनेक्ट कर दिया। आरोपियों ने दोबारा कॉल किया। कहा था- कुछ नहीं तो 1200 रुपए तो दे दीजिए। भूपेंद्र को जब इस बारे में पूछा, तो उन्होंने कहा कि इन कॉल को अनदेखा करो।

एसीपी साइबर सुजीत तिवारी बताते हैं कि साइबर जालसाज ठगी के लिए पहले वॉट्सऐप मैसेज कर लोन और ऑनलाइन जॉब का झांसा देते हैं। जो उन्हें रिस्पॉन्ड करता है, उन्हें पहले एक वॉट्सऐप ग्रुप पर जोड़ा जाता है। बाद में उन्हें टेलीग्राम ग्रुप पर जोड़ा जाता है। कुछ दिन तक उन्हें छोटे-मोटे इन्वेस्टमेंट के आधार पर आर्थिक लाभ दिया जाता है। फिर बड़ा इन्वेस्टमेंट करते ही ग्रुप को डिलीट कर वाट्सऐप नंबरों को बंद कर लिया जाता है। कई बार ऐसी ठगी करने वाले विदेशी होते हैं। भारत में ऐसे फ्रॉड करने वाले गैंग बिहार, राजस्थान, झारखंड, पश्चिम बंगाल और दिल्ली के गुड़गांव में सक्रिय हैं।

ये तो भोपाल के ताजा मामला है। एक हालिया सर्वे के अनुसार 39 प्रतिशत भारतीय परिवार बीते तीन वर्षों के दौरान किसी न किसी ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी के शिकार बने हैं। इनमें सिर्फ 24 प्रतिशत परिवारों को ही उनका पैसा वापस मिल पाया। सर्वे एजेंसी लोकल सर्कल्स की मंगलवार को जारी रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। इस सर्वे में 30 प्रतिशत ने माना कि उनके परिवार का कम से कम एक सदस्य ऐसे ऑनलाइन फाइनैंशल फ्रॉड का शिकार बना। वहीं, 9 प्रतिशत परिवार तो ऐसे रहे, जिनके कई सदस्य बीते तीन वर्षों में ऐसी धोखाधड़ी का शिकार बने।

23 प्रतिशत लोग क्रेडिट या डेबिट कार्ड धोखाधड़ी का शिकार बने। इसमें 13 प्रतिशत का कहना था कि उन्हें खरीद, बिक्री और क्लासीफाइड वेबसाइट यूजर्स से धोखा मिला। 13 प्रतिशत से वेबसाइट ने पैसा तो ले लिया, लेकिन सामान नहीं भेजा। 10 प्रतिशत ने कहा कि हम एटीएम कार्ड धोखाधड़ी का शिकार बने। अन्य 10 प्रतिशत के बैंक खाते के साथ धोखाधड़ी की गई। यह आंकड़ा भी कम नहीं है, लेकिन गंभीर चिंता की बात यह है कि बढ़ता जा रहा है। अच्छे खासे पढ़े-लिखे लोग भी इसके जाल में उलझते जा रहे हैं। और आनलाइन फ्राड के चक्कर में केवल भोपाल में रहने वाले परिवार ने ही खुदकशी नहीं की, सैकड़ों परिवार खत्म हो चुके हैं।

हमारे देश की सबसे बड़ी समस्या है, मानव जाति के स्वभाव का हिस्सा भी कह सकते हैं, कि हम चमत्कार के चक्कर में रहते हैं। लालच तो आदत में होता ही है, लेकिन आज के माहौल में जरूरतें भी हमें इसके लिए विवश करती हैं। कहीं बेरोजगारी है तो कहीं कमाई जरूरत से कम है। तो कहीं लोगों की इच्छाएं भी उन्हें अचानक अमीर बनने के लिए प्रेरित करती हैं। संघर्ष की क्षमता कम होती जा रही है, और सहनशीलता भी खत्म होती दिख रही है। जानते हुए लोग ठगी का शिकार हो रहे हैं। इसके लिए कोई रास्ता तो खोजना ही पड़ेगा। केवल सरकार के भरोसे कुछ नहीं हो सकता। लोगों को खुद की इच्छाशक्ति मजबूत करनी होगी। परिवार के परिवार तो खत्म होने से रोकने ही होंगे।

# झूठ बोले कौआ काटे ! फिलहाल अजेय हैं पीएम नरेंद्र मोदी

**रामेन्द्र सिन्हा**

क्या भाजपानीत एनडीए के विरूद्ध एकजुट होकर भी विपक्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को केंद्र की सत्ता से बेदखल कर सकता है? आंकड़ें और हालात तो बता रहे कि नरेंद्र मोदी 2024 के लोकसभा चुनाव में भी अजेय रहने वाले हैं। एक तरफ, वैश्विक लोकप्रियता साल-दर-साल बढ़ती जा रही, दूसरी तरफ, कोई दाग है न सत्ता विरोधी लहर, न चुनौती देने वाला कोई सर्वमान्य चेहरा।

मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और तेलंगाना सहित कई महत्वपूर्ण राज्यों में भी इस साल विधानसभा चुनाव होंगे। कर्नाटक विधानसभा चुनाव के परिणाम से बल्ले-बल्ले कर रही कांग्रेस और गद्गद् विपक्ष की गोलबंदी को महाराष्ट्र में शरद पवार की पार्टी एनसीपी को तोड़ कर भाजपा ने जोरदार झटका दे दिया। यही नहीं, पीएम मोदी ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) की जोरदार वकालत करके विपक्षी एकजुटता में पेंच फंसा दिया है।

पीएम मोदी का सवाल है, देश दो नियमों के साथ कैसे चल सकता है। आप मुझे बताएं, क्या कोई परिवार चल सकता है अगर एक सदस्य के लिए एक कानून हो और अन्य के लिए दूसरा? क्या यह कभी चल सकता है? मोदी ने अपनी टिप्पणी में इस बात पर भी जोर दिया कि सुप्रीम कोर्ट ने भी यूसीसी का समर्थन किया है और संविधान में भी इसका उल्लेख है। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि अगर यह इस्लाम का जरूरी सिद्धांत रहा है तो कतर, जॉर्डन, इंडोनेशिया, पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे देशों में इस पर प्रतिबंध क्यों लगाया गया।

शिव सेना (उद्धव ठाकरे गुट) ने प्रतिक्रिया में कहा कि यूसीसी पर ड्राफ्ट आने के बाद ही पार्टी अपना रुख़ तय करेगी। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी की सोच भी यही है। एनसीपी ने फ़िलहाल तटस्थ रवैया अपनाया है अर्थात् न वो इसके समर्थन में है और न ही विरोध में। जदयू नेता केसी त्यागी ने यूसीसी को नाज़ुक मुद्दा बताते हुए इस पर आम राय बनाने की कोशिश की मांग की। वहीं, जदयू की सहयोगी आरजेडी के सांसद मनोज झा ने कहा कि इसे हिंदू मुस्लिम का मुद्दा मत बनाइए। यह आदिवासी रीति-रिवाजों का भी मामला है। दूसरी ओर, तृणणूल कांग्रेस ने विपक्षी एकजुटता पर उठते सवालों को ख़ारिज कर दिया है।

एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी सहित ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड और जमीयत उलेमा-ए-हिंद सहित मुस्लिम समूहों ने भी पीएम के बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त की और कहा कि यूसीसी संविधान की भावना के अनुरूप नहीं है जो सभी को अपने धर्म और प्रथा का पालन करने के लिए सुरक्षा और स्वतंत्रता प्रदान करता है।

झूठ बोले कौआ काटे: कर्नाटक विधानसभा चुनाव परिणाम से बल्ले-बल्ले कर रही कांग्रेस ने 2018 में भी यहां जद-एस के साथ मिल कर गठबंधन सरकार बनाई थी। भाजपा सबसे बड़ी पार्टी होकर भी बहुमत से दूर रह गई थी। लेकिन, भगवा पार्टी अगले ही साल कर्नाटक की 28 लोकसभा सीटों में से 25 जीत गई, कांग्रेस-जद एस को मात्र एक-एक सीट पर ही संतोष करना पड़ा।

2019 में यही हाल राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भी देखने को मिला। 2018 की सर्दियों में जिस कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में भाजपा की गिल्लियां बिखेर दीं, राजस्थान में बसपा के छह विधायकों के समर्थन से साधारण बहुमत हासिल किया और मध्य प्रदेश में कड़ी टक्कर देकर भाजपा को उखाड़ फेंका, वहां पांच महीनों में ही हवा बदल गई। 2019 के लोकसभा चुनावों में, कांग्रेस छत्तीसगढ़ में केवल दो सीटें जीत सकी, मप्र में सिर्फ एक, और राजस्थान में तो एक भी सीट नहीं

जीत सकी।

बोले तो, राज्यों के चुनाव बड़े पैमाने पर स्थानीय मुद्दों पर लड़े जाते हैं और क्षेत्रीय नेताओं की लोकप्रियता परिणाम में प्रमुख भूमिका निभाती है। हालांकि, यह भी सही है कि कर्नाटक में हार के कारण भाजपा के मिशन-दक्षिण को झटका लगा है। दक्षिण भारत में लोकसभा की कुल 129 सीटें हैं, इनमें से भाजपा के पास अभी सिर्फ 29 सीटें हैं।

तेलंगाना में भाजपा की सीटें बढ़ सकती हैं क्योंकि यहां कांग्रेस कमजोर हो गई है। यहां भाजपा और तेलंगाना के सीएम के. चंद्रशेखर राव की पार्टी बीआरएस के बीच द्विध्रुवीय बराबरी का मुकाबला होगा। दोनों दल 17 में से 8-8 सीटें जीत सकते हैं। पांडिचेरी में एकमात्र सीट एनडीए जीतेगी। केरल की राजनीति में भाजपा कोई खिलाड़ी नहीं है, संभावनाएं सीमित हैं। आंध्र प्रदेश में भी भाजपा कमजोर है, यदि वह टीडीपी और जन सेना के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ती है तो गठबंधन को कुछ सीटें मिल सकती हैं। यहां दो धड़ों में बंटी भाजपा की सहयोगी पार्टी एडीएमके यदि एकजुट हो गई तब भी 5 से 10 सीटें मिल सकती हैं।

2019 में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए ने हिन्दी पट्टी के राज्यों में 212 सीटें जीतीं जिसमें अकेले भाजपा ने 183 सीटें जीतीं। हिन्दी पट्टी का सबसे बड़ा राज्य उप्र 80 लोकसभा सदस्य चुनता है। भाजपा ने 2014 में 71 (+2) और 2019 में 62 (+2) सीटें जीती थीं। इस बार उप्र के सीएम योगी आदित्यनाथ के दम पर भाजपा गठबंधन विहीन विपक्ष का पूरी तरह सूपड़ा साफ करने के फेर में है। कुछ ऐसा ही उत्तराखंड (5), हिमाचल प्रदेश (4), राजस्थान (26) और दिल्ली (7) में भी लगातार तीसरी बार देखने को मिल सकता है। हरियाणा में यदि भाजपा जेजेपी के साथ गठबंधन कर चुनाव लड़ती है तो भी कुल मिला कर परिणाम एनडीए के पक्ष में ही जाने की संभावना है।

बिहार में भाजपा का मुकाबला राजद, जदयू, कांग्रेस और वामपंथी दलों के मजबूत गठबंधन से होगा। लेकिन ऐसा उसके लिए पहली बार नहीं है क्योंकि उसने 2014 में राजद+कांग्रेस और जदयू गठबंधन का सामना किया था और कुल 31 सीटें जीती थीं। 2014 की तरह इस बार भी वे लोजपा, आरएलएसपी, हम और वीआईपी जैसे छोटे दलों के साथ जाएंगे। शिक्षकों के मुद्दे पर पुलिस की बर्बरता का चुनावी लाभ भी आगे चल कर भाजपा का पलड़ा भारी करे, तो कोई आश्चर्य नहीं। झारखंड में भी 2014 और 2019 की तरह ही परिणाम आ सकते हैं।

जम्मू-कश्मीर की 6 सीटों में भाजपा की 3 सीटें बरकरार रहें तो कुछ भी अस्वाभाविक नहीं। पंजाब की 13 सीटों में मात्र दो हिन्दू बहुल सीटें भाजपा के पास हैं। तीन कृषि कानूनों को लेकर भाजपा से नाता तोड़ने वाला शिरोमणि अकाली दल फिर साथ आता है, तो आंकड़े और बढ़ सकते हैं। यही नहीं भाजपा में अनेक कांग्रेस नेताओं के शामिल होने का भी फायदा उसे मिल सकता है।

पश्चिम भारत में कुल 78 सीटें हैं। भाजपानीत एनडीए ने 69 सीटें जीतकर दो राज्यों और दो केंद्रशासित प्रदेशों पर कब्जा कर लिया। गुजरात में भाजपा की राह बहुत आसान है। महाराष्ट्र में उसके सहयोगी से दुश्मन बनी शिवसेना और अब एनसीपी के भी दो फाड़ होकर एक गुट का भाजपा के साथ कंधे से कंधा मिलाना भविष्य की कहानी सुना रहा है।

दादरा और नगर हवेली सीट पर 2009 से भाजपा जीतती आ रही है लेकिन 2019 में कांग्रेस से बागी होकर खड़े हुए एक निर्दलीय ने सीट जीत ली। और 2021 में उपचुनाव में शिवसेना ने यह सीट जीती, जो महाराष्ट्र के बाहर उसकी पहली लोकसभा थी। यह सीट भाजपा या शिवसेना जीतेगी. दमन और दीव भाजपा का गढ़ है और 2009 से वह यहां जीतती आ रही है। वह यह सीट आराम से जीत लेगी। नॉर्थ गोवा सीट भाजपा का गढ़ है और वह 2009 से इस सीट पर जीत हासिल कर रही है। साउथ गोवा हर 5 साल में अपना सांसद बदलता रहा है और यह ट्रेंड इस बार भाजपा के पक्ष में है।

पूर्वी भारत की 63 सीटों में भाजपा ने पिछली बार 26 सीटें जीती थीं। इसमें पश्चिम बंगाल की 18 सीटें और ओडिशा की 8 सीटें शामिल हैं। नरम-गरम इन आंकड़ों में फेरबदल भले हो जाए, कुल संख्या कम होने के कोई संकेत नहीं।

पूर्वोत्तर भारत की 23 में से भाजपा ने 12 सीटें जीतीं थीं और उसके सहयोगियों ने अपनी सभी 5 सीटें जीतीं। असम, मणिपुर, मेघालय, सिक्किम, त्रिपुरा, अरुणाचल और मिजोरम में इतिहास दोहराए जाने के आसार हैं। केंद्र शासित प्रदेश अंडमान और लक्षद्वीप की 2 सीटों में अंडमान सीट इस बार भाजपा के पाले में जा सकती है, क्योंकि यह एक स्विंग सीट है।

ऐसा प्रतीत होता है कि लोकसभा की 541 सीटों में से भाजपा 350 सीटें जीतने के अपने लक्ष्य के बिल्कुल करीब है। एनडीए की बात करें तो यह संख्या 400 के आसपास पहुंच सकती है। वोटों में स्विंग के पिछले चुनावी आंकड़ों को दृष्टिगत रखते हुए यदि एनडीए के विरूद्ध 5 प्रतिशत वोटों में गिरावट मान भी लें तो भी दो तिहाई बहुमत और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की केंद्र की सत्ता में हैट्रिक लगने में कहीं कोई संदेह नहीं है।

पीएम मोदी ने समान नागरिक संहिता की बात कहकर विपक्ष के सामने एजेंडा भी सेट कर दिया है। गोवा, गुजरात, उत्तराखंड और मध्य प्रदेश की कई राज्य सरकारों ने अपने राज्यों में समान नागरिक संहिता लाने की कोशिशें भी शुरू कर दी हैं।

और ये भी गजब: समान नागरिक संहिता के लिए बहस भारत में औपनिवेशिक काल से शुरू होती है और आजादी के बाद अब तक इस पर बहस जारी है। आजादी से पहले अक्टूबर 1840 की लेक्स लोकी रिपोर्ट में भारतीय कानून में एकरूपता के महत्व पर जोर दिया गया। हिंदुओं और मुसलमानों के व्यक्तिगत कानूनों को इससे बाहर रखे जाने की बात कही गई। 1859 में रानी की उद्घोषणा में धार्मिक मामलों में पूर्ण-गैर-हस्तक्षेप का वादा किया गया।

पूरे देश में आपराधिक कानून समान कर दिए गए। पर्सनल लॉ में कोई छेड़छाड़ नहीं किया गया। आजादी के बाद 1947 से 1985 की अवधि में जवाहर लाल नेहरू और डॉ. बीआर अंबेडकर जैसे नेताओं ने समान नागरिक संहिता पर जोर दिया। यूसीसी को राज्य के नीति लिर्देशक सिद्धांतों (अनुच्छेद 44) में शामिल किया गया। हालांकि, धार्मिक कट्टरपंथियों और लोगों ने खूब विरोध जताया। बाद में, हिंदू कोड बिल, उत्तराधिकार अधिनियम और विशेष विवाह अधिनियम के अंतर्गत कई सुधार किये गए। तब भी खूब विरोध हुआ था। अब यूसीसी पर अल्पसंख्यक समुदाय खासतौर से मुस्लिम समाज जबरदस्त विरोध कर रहा है।

# खालिस्तानी आंदोलन और कूटनीतिक चुनौतियां

**ब्रह्मदीप अलूने**

खालिस्तान आंदोलन के भारत में उभरने की संभावनाएं करीब ढाई दशक पहले ही खत्म हो चूकी है लेकिन भारत से बाहर इसे जिंदा रखने की धार्मिक और राजनीतिक कोशिशें बदस्तूर जारी रही है। हाल के महीनों में खालिस्तान से जुड़े कट्टर अलगाववादियों और भारत के मोस्ट वांटेड आतंकियों में से कुछ की मौत हुई है,इसे लेकर खालिस्तानी समर्थक भारत पर आरोप लगा रहे है। दुनियाभर में भारत के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे है और भारतीय राजनयिकों के खिलाफ हिंसा की अपील भी कर रहे है। कनाडा खालिस्तानी समर्थकों का गढ़ माना जाता है वहीं ब्रिटेन,अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया में भी खालिस्तान समर्थकों ने भारतीय दूतावास के बाहर प्रदर्शन किया है। लंदन में खालिस्तानी समर्थकों के हाथों में पाकिस्तान और कश्मीर के समर्थन वाले पोस्टर देखे गए। दुनिया में कुछ स्थानों पर खालिस्तान समर्थकों ने शांतिपूर्ण विरोध की मर्यादाओं को दरकिनार भी किया है। इसी साल मार्च के महीने में ब्रिटेन की राजधानी लंदन में खालिस्तानी समर्थकों की उग्र भीड़ भारतीय उच्चायोग के बाहर प्रदर्शन किया था। इस दौरान भीड़ में से एक व्यक्ति ने भारतीय उच्चायोग पर लगे तिरंगे को उतार दिया था। वहीं ऑस्ट्रेलिया के ब्रिस्बेन शहर में भारतीय दूतावास को खालिस्तानी समर्थकों के डर से बंद करना पड़ा था।

विदेशों में दूतावास की सुरक्षा के लिए वैश्विक स्तर पर वियना कन्वेंशन को माना जाता है। वैश्विक स्तर पर यह राजनयिक संबंधों के लिये एक अंतर्राष्ट्रीय संधि है। यह स्वतंत्र देशों के बीच राजनयिक संबंधों के लिये एक रूपरेखा को परिभाषित करती है। यह संधि राजनयिक मिशन के विशेषाधिकारों को निर्दिष्ट करती है जो राजनयिकों को मेजबान देश में बिना किसी ज़बरदस्ती या उत्पीड़न अथवा डर के कार्य को करने में सक्षम बनाती है। अत-यह संधि राजनयिक प्रतिरक्षा के लिये कानूनी आधार प्रदान करती है। कनाडा,ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया जैसे देश इस संधि से बंधे है,भारत से इन देशों के साझा आर्थिक और रणनीतिक हित भी है,इन सबके बाद भी इन देशों में भारत विरोधी कार्यों से कूटनीतिक चुनौतियां बढ़ गई है।

कनाडा और भारत के राजनयिक सम्बन्ध 1947 से स्थापित है और यह आर्थिक,सांस्कृतिक और रणनीतिक स्तर पर भी बेहद अहम माने जाते है। यह भी दिलचस्प है कि कनाडा में भारतीय मूल के करीब 10 लाख लोग रहते है। जिसमें पंजाबियों को अच्छी खासी तादाद है जो आर्थिक और राजनीतिक तौर पर बेहद सक्षम माने जाते है। इसका प्रभाव कनाडा के राजनीतिक हितों पर भी देखा गया है। भारत पंजाब में खालिस्तान आंदोलन को रोकने और हाशिए पर रखने में सक्षम रहा है पर फिर भी ये चिंता का विषय बना हुआ है। कुछ कनाडाई सिख प्रवासी भारतीयों द्वारा आंदोलन समर्थन भारतीय राज्य के प्रति अपना बैर

जारी रखने के लिए कट्टरपंथियों को उकसाता है। बैसाखी समारोह और खालसा दिवस पर कनाडा के राजनीतिज्ञ खालिस्तान को समर्थन देते देखे गए है जिसमे एक प्रमुख नाम प्रधान मंत्री ट्रूडो का भी है। इसके कारण भारत और कनाडा के संबंधों में ठहराव देखा गया है। खालिस्तानी समूहों द्वारा कनाडा में भारतीय मूल के लोगों और प्रतिष्ठानों पर हमलें,भारत के किसानों के विरोध को लेकर कनाडा की टिप्पणी एवं प्रतिक्रिया के चलते भारत द्वारा राजनयिक वार्ता को रद्द करना इसी का परिणाम रहा है। भारत ने 2022 में कनाडा द्वारा खालिस्तानी अलगाववादी जनमत संग्रह की अनुमति देने पर आपत्ति जताई थी साथ ही कनाडा में घृणा अपराधों के खिलाफ चेतावनी के साथ आगाह किया था। यहां यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि क्षेत्रफल के हिसाब से कनाडा विश्व का दूसरा सबसे बड़ा देश है,जिसका उत्तरी अमेरिका महाद्वीप के बड़े हिस्से पर नियंत्रण है। लोकतंत्र और बहुलवाद की भारत की साझी विरासत के प्रति कनाडा अपना समर्थन जताता रहा है। भारत कनाडा के सबसे बड़े व्यापारिक भागीदार देश में शुमार है। कनाडा के पास यूरेनियम,प्राकृतिक गैस,तेल,कोयला,खनिज और जल विद्युत,खनन,नवीकरणीय ऊर्जा तथा परमाणु ऊर्जा में उन्नत प्रौद्योगिकियों के दुनिया के सबसे बड़े संसाधन हैं। कनाडा की चार सौ से अधिक कंपनियों की भारत में उपस्थिति है तथा एक हजार से अधिक कंपनियाँ सक्रिय रूप से भारतीय बाज़ार में कारोबार कर रही हैं। कनाडा में भारतीय कंपनियाँ सूचना प्रौद्योगिकी,सॉफ्टवेयर,इस्पात,प्राकृतिक संसाधन और बैंकिंग जैसे क्षेत्रों में सक्रिय हैं।

दूसरी ओर कनाडा पृथकतावादी सिख होमलैंड खालिस्तान के समर्थकों के लिए महफूज ठिकाना रहा है। यह देश विदेशी अल्पसंख्यकों की पहली पसंद है और इसे सिखों का दूसरा घर भी कहा जाता है। भारत के बाद सबसे बड़ी सिख आबादी कनाडा में ही बसती है। खालिस्तानी आतंकवादी गुट बब्बर खालसा इंटरनेशनल यानि बीकेआई सिख अलगाव को बढ़ावा देने के लिए पूरी दुनिया में प्रभावशील है। इस आतंकी गुट का कनाडा पर गहरा प्रभाव है और वे इस देश में राजनीतिक तौर पर भी ताकतवर माने जाते है। यहीं नहीं अपने रसूख का इस्तेमाल कर बीकेआई खालिस्तान का समर्थन देने वाली ताकतें को यहां से संचालित भी करती है। कनाडा अटलांटिक महासागर से प्रशांत महासागर और उत्तर में आर्कटिक महासागर तक फैला हुआ है,यह क्षेत्रफल की दृष्टि से विश्व का दूसरा सबसे बड़ा देश है। बब्बर खालसा इंटरनेशनल को कनिष्क विमान विस्फोट के लिए जिम्मेदार माना जाता है। इसमें भारत के करीब 329 लोग मारे गए थे। यह आतंकी संगठन हर साल बैसाखी जैसे मौकों पर आयोजित समारोहों में सिख चरमपंथियों को शहीद का दर्जा देकर उन्माद फैलाता है,यहीं नहीं सार्वजनिक समारोह में खालिस्तान के नारे लगाकर भारत विरोधी कार्यों को अंजाम दिया जाता है। पृथकतावादी सोच का यहाँ के गुरुद्वारों और कई गुटों पर इनका नियंत्रण है। बैसाखी के आयोजन में कनाडा के कई प्रभावी राजनीतिज्ञ शामिल होते है,इससे बीकेआई जैसे भारत विरोधी संगठनों को मदद मिलती है। विदेशों में रहकर भारत विरोध का काम करने वाले कई चरमपंथी भारत ने काली सूची में डाल रखे है और उन्हें भारत आने की कोई इजाजत नहीं है। ऐसे लोग खालिस्तान की मांग को भारत में उभारने के लिए चरमपंथी ताकतों को आर्थिक मदद देते रहे है।

ब्रिटेन और कनाडा जैसे देश परिपक्व लोकतंत्र की श्रेणी में आते हैं। परिपक्व लोकतंत्र में शांतिपूर्ण प्रदर्शन स्वीकार किए जाते है लेकिन चरमपंथी आंदोलनों को उनकी स्वीकार्यता भारत की समस्याएं बढ़ा रही है। कनाडा में संवैधानिक राजतंत्र और संसदीय लोकतंत्र है। संवैधानिक राजतंत्र का अर्थ है कि ब्रिटिश सम्राट राज्य का प्रमुख होता है। ब्रिटेन में खालिस्तानी समर्थकों की हिमाकत से नाराज भारत के विदेश मंत्रालय ने ने एक बयान में कहा था कि भारत को ब्रिटेन में भारतीय राजनयिक परिसरों और वहां काम करने वालों की सुरक्षा के प्रति ब्रिटेन सरकार की बेरुख़ी देखने को मिली है,जो अस्वीकार्य है। करीब पांच दशक पहले खालिस्तान की एक संप्रभु और स्वतंत्र राज्य की धारणा उत्तरी अमेरिका और यूरोप में सिखों के बीच लोकप्रिय करने का मुख्य कारण वहां खालिस्तान परिषद का गठन था। इसका पश्चिमी लंदन में ठिकाना बताया जाता है जो 1970 से यहां कार्य कर रहा है। एक भारतीय पंजाबी राजनेता जगजीत सिंह चौहान ने खालिस्तान के निर्माण के लिए अपना अभियान ब्रिटेन में शुरू किया था,जो बदस्तूर जारी है।

ब्रिटेन में बसने वाले अप्रवासियों में सबसे बड़ी तादाद भारतीयों की ही है जिनकी आबादी तकरीबन 16 लाख है। भारतीय ब्रिटेन के कारोबार का अहम हिस्सा तो है ही,सांस्कृतिक,तकनीकी और राजनीतिक रूप से भी उनकी भागीदारी बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती है। ब्रिटेन में भारतीयों का आना संयोग नहीं बल्कि राजनीतिक भी रहे है। भारत और ब्रिटेन के बीच 250 साल से भी अधिक पुराना संबंध है। दोनों ही देश सांस्कृतिक संस्थानों और अंग्रेज़ी से माध्यम से जुड़े हैं। दोनों देशों के आपसी संबंधों को मज़बूत रखने में ब्रिटेन में रहने वाले प्रवासी भारतीयों की अहम भूमिका है। ये प्रवासी भारतीय ब्रिटेन और भारत के बीच एक पुल का काम कर रहे हैं। आज़ादी के पहले और बाद में कुछ समय तक भारत से लोगों को काम के लिए यहां बुलाया गया था। अफ़्रीकी देशों की आज़ादी के बाद वहां से भारतीय ब्रिटेन आकर बसे। वैश्वीकरण के दौर में बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने काम के लिए भारत से पेशेवर लोगों को ब्रिटेन लाना शुरू किया। लेकिन वीजा नियमों,भारतीय समुदाय पर होने वाले नस्लीय हमलों और कश्मीर को लेकर ब्रिटेन की राजनीतिक नीतियों में दोहरापन समस्याओं को बढ़ाता रहा।

खालिस्तान की मुहिम को विदेशों में बढ़ावा देने में पाकिस्तान की खुफियां एजेंसी आईएसआई का भी अच्छा खासा योगदान है। कनाडा और ब्रिटेन में पाकिस्तान मूल के लोगों की अच्छी खासी तादाद है। पाकिस्तान में स्थित गुरुद्वारों में दुनिया भर के सिख जुटते है और आईएसआई इसका इस्तेमाल कर खालिस्तान आंदोलन को मजबूत करती रही है। पाक सिखों को ननकाना साहिब में आने के लिए न केवल उच्च कोटि की सुरक्षा देता है बल्कि वहां खालिस्तान के समर्थन में पोस्टर भी लगाता रहा है। आईएसआई खालिस्तान के नाम पर सिख युवाओं को बहकाकर स्लीपर सेल बनाने को आमादा है। पाकिस्तान के आतंकी शिविरों में सिख अतिवादी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल के सदस्यों की उपस्थिति भारत की आंतरिक सुरक्षा के लिए संकट बढ़ाने वाली है। इसके साथ ही आईएसआई खालिस्तानी अलगाववादी और कश्मीर के आतंकवादियों को एकजुट करने की योजना पर लगातार काम कर रही है। पंजाब में कुछ हिंसक घटनाओं में पाकिस्तान की संलिप्तता के संकेत भी मिले है। खालिस्तानी अपने लिए अलग देश चाहते है,वे राजकाज को धार्मिक नेतृत्व से जोड़कर नई व्यवस्था कायम करना चाहते है,यह विचार भारत की संविधानिक व्यवस्था को चुनौती देने वाला है। समावेशी विचार और लोकतांत्रिक व्यवस्था वाले भारत में दोबारा खालिस्तानी आंदोलन के शुरू होने की कोई संभावना नहीं है। वहीं कट्टरता,धार्मिक प्रदर्शन,सर्वोच्च धार्मिक संस्थाओं के क्रियाकलापों को नियंत्रित रखने और क्षेत्रीय राजनीतिक दलों के द्वारा पृथकतावादी ताकतों को संरक्षण न मिले इसके लिए सजग रहने की जरूरत अवश्य है।

खालिस्तानी समर्थक विदेशों में भारतीय राजनयिकों को निशाना बनाने की कोशिशें कर रहे है,उससे भारत को कूटनीतिक स्तर पर कड़े कदम उठाने की जरूरत है। भारत के साथ द्विपक्षीय और रणनीतिक सम्बन्धों को मजबूत करने वाले देशों से यह अपेक्षा नहीं की जा सकती की वे भारत विरोधी ताकतों को प्रश्रय दे या अलगाववादी ताकतों को एकजुट होने का अवसर प्रदान करें।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

## युवा कांग्रेस के नेतृत्व में धरना प्रदर्शन किया

ओबैदुल्लागंज। संवाददाता। भोजपुर विधानसभा के नगर मंडीदीप में पटवारी भर्ती परीक्षा में हुई गड़बड़ी को लेकर युवा कांग्रेस के नेतृत्व में धरना प्रदर्शन किया जिसमे युवा कांग्रेस महासचिव परेश नागर भारत जोड़ो यात्री ,वीरेंद्र मीना ,जगदीश शर्मा ,आशीष पाल ,योगेश चौकसे,संजय राजपूत नगर अध्यक्ष मंडीदीप युवा कांग्रेस राजू मेहरा मंडकासिया सरपंच कैलाश साहू ,नरेंद्र पाल ,दसरथ मीना, दुर्गेश यादव, कमलेश बाबा आदि उपस्थित रहे।

## जिले के 7 नवीन मंडल अध्यक्षों की घोषणा

धार । भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने जिले के सात नवीन मंडल अध्यक्षों की घोषणा की है जिसका पत्र भाजपा प्रदेश महामंत्री श्री भगवानदास सबनानी ने जारी किया है । भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने बताया कि जिले के धार विधानसभा, कुक्षी, सरदारपुर तथा धरमपुरी विधानसभा क्षेत्र के सात मंडल अध्यक्षों को नवीन नियुक्ति की गई है। दिग्ठान मंडल नारायण सिंह पटेल, राजोद - लाबरिया मंडल अमृत पायल, कुक्षी नगर मंडल युवराज सेप्टा, कुक्षी ग्रामीण धन सिंह सोलंकी, डही मंडल मनीष भार्गव, धामनोद नगर राकेश पटेल, गुजरी मंडल हुकुम सिंह वसुनिया को नियुक्त किया गया है उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने दी।

## मुनिया टांक भाजपा किसान मोर्चा के सिवनी जिला उपाध्यक्ष मनोनीत

सिवनी- भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष दर्शनसिंह चौधरी के निर्देशानुसार एवं भाजपा किसान मोर्चा के संभागीय सहप्रभारी संजय सक्सेना , जिला प्रभारी वीरेंद्र राय एवं किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष देवीसिंह बघेल की सहमति से, सक्रिय भाजपा नेता तरुण मुनिया टांक को किसान मोर्चा का जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उन्हें किसान मोर्चा के पदाधिकारियों एवं कार्यकार्त्ताओं ने हार्दिक बधाई शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

## शिक्षा ऋण के लिए इंजीनियरिंग कॉलेज का दो बैंकों के साथ करार

छतरपुर। पं. देवप्रभाकर शास्त्री कॉलेज ऑफ़ टेक्नोलॉजी ने अपने कॉलेज के छात्र-छात्राओं के लिए एसबीआई और बंधन बैंक के साथ करार किया है। इस अवसर का लाभ ऐसे सभी विद्यार्थी उठा सकते हैं जो इंजीनियरिंग की पढ़ाई में आर्थिक समस्या से जूझ रहे हैं। संस्थान के प्राचार्य डॉ. जे. सोनी के अनुसार यदि किसी छात्र को पढ़ाई के लिए वित्तीय समस्या हो रही है तो कॉलेज की इस पहल से छात्रों को बैंक से शिक्षा ऋण मिल जाएगा और छात्र अपनी पढ़ाई जारी रख पाएंगे। पंडित देवप्रभाकर शास्त्री इंजीनियरिंग कॉलेज अपने विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य को ध्यान में रखते हुए लगातार प्रयास करता आया है। श्री सोनी ने कहा है कि महानगरों में इंजीनियरिंग की पढ़ाई न सिर्फ अभिभावकों पर अर्थ बोझ डालती है बल्कि वर्तमान आधुनिक परिदृश्य में बाहरी माहौल भी कई दुष्प्रभाव छोड़ रहा है। उन्होंने ऐसे अभिभावकों से अपील की है जो अपने बच्चों को इंजीनियरिंग की पढ़ाई कराना चाहते हैं वे बच्चों को अपने गृह क्षेत्र में पढ़ाई के बच्चों को प्रेरित कर सकते हैं।

### किसान की करंट लगने से मौत

## पीड़ित परिवार को 4 लाख का मुआवजा, 50 हजार नगद दिये

सागर । जैसीनगर विकासखंड के पड़रई ग्राम में कृषक शोभाराम अहिरवार की खेत में खाद छिड़कते हुये करंट लगने से मौत हो गई। जिससे ग्राम में आक्रोश की स्थिति निर्मित हो गई, जब इस घटना की जानकारी जिला पंचायत अध्यक्ष हीरा सिंह राजपूत को लगी तो वे तत्काल मौके पर पड़रई ग्राम पहुंचकर पीड़ित परिवार से मिले एवं परिवार के सदस्यों को संताव्ना देते हुये कहा कि हम उनके साथ है पीड़ित परिवार के दुख से भावुक होते हुये उन्होंने मौके 50 हजार रूप्ये की नगद राशि तत्काल मौके पर पीड़ित परिवार को दी साथ ही मंत्री गोविंद सिंह राजपूत की

तरफ से परिवार को 4 लाख रूप्ये की मुआवजा राशि एवं पीड़ित के पुत्र को नौकरी दिलाने का आश्वासन दिया। तत्पश्चात मृतक के शव को पोस्टमार्डम के लिये भिजवाया जब गया।

मौके पर एसडीएम, तहसीलदार, ठाकुर वरूण सिंह, गोलू सिंह सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

## बिजली विभाग में कार्यरत राजेन्द्र की सड़क हादसे में मृत्यु

औबेदुल्लागंज।. गुरुवार सुबह लगभग 09 से 10 बजे के बीच नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से भोपाल जा रही पैगवार बस क्रमांक स्क्क09स्न4595 से बिजली विभाग औबेदुल्लागंज में पदस्थ राजेंद्र कुमार गौर, पिता गोविंदराम गौर उम्र 62 साल निवासी सियाराम कालोनी नर्मदापुरम की दुर्घटना में मृत्यु हो गई। सुबह पौने 09 बजे से 10 बजे के बीच दुर्घटना में राजेंद्र गौर की मृत्यु तेज़ रफ़्तार बस से उतरते समय में हो गई। वह ड्यूटी पर जा रहे थे वहीं, पैगवार बस बाईपास से भोपाल की तफर जा रही थी। बस से उतरकर राजेन्द्र अक्सर उमरिया बाईपास से औबेदुल्लागंज ड्यूटी करने उतर जाया करते थे। दुर्घटना के समय बस चालक ने वाहन की गति धीरी नही की। उक्त वजह से मृतक राजेन्द्र गौर (62) मुह के बल गिर गये। बत दें कि नगर का शव वहान 01 घण्टे बाद आया।

एनएचएआई 46 दुर्घटना संभावित क्षेत्र है। उक्त दुर्घटना स्थल पर मेडिकल के छात्र-छात्रा एवं अन्य लोगों की मृत्य हो चुकी है। हाइवे 46 का उक्त स्थल उमरिया रोड़ गाड़ी चालकों को भृमित करने वाला है। रोंग साइड से वाहन औबेदुल्लागंज की ओर आते हैं। मृतक राजेन्द्र गौर नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से औबेदुल्लागंज अप-डाउन करते थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार जिस बाद से दुर्घटना हुई वो भोपाल बाईपास से जा रही थी एवं राजेन्द्र गौर औबेदुल्लागंज जाने के लिए उतरे तभि, उनका संतुलन बिगड़ा व दुर्घटना हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों की माने तो बस की रफ्तार तेज़ थी, जबकि उक्त स्थल पर बस स्टॉपेज है। पुलिस द्वारा शव को पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया गया है।

**शव को सुरक्षित रखने में सरहानीय कार्य:** स से गिरने के बाद लागभग 01 घण्टे 30 मिनिट तक शव बीच हाइवे पर पड़ा रहा। दुर्घटना स्थल पर पहुंचकर बबलू कहार, योगेश श्रीवास्तव, भूरा चौहान चौहान, अंकित विजयवर्गीय व सुरेश केवट द्वारा शाव आसपास खड़े होकर झाड़ियां डाल दी गईं, जिससे कोई वाहन शव के ऊपर न चढ़े।

## मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजनांतर्गत 18 हितग्राहियों को किये स्वीकृति पत्र वितरण

बैरसिया। बैरसिया नगर पालिका द्वारा गुरुवार को नगर पालिका कार्यालय में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष तनुश्री कुलदीप सिंह राठौड़ ने सरकार की महत्वकांक्षी योजना मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजनांतर्गत अनुग्रह सहायता सामान्य मृत्यु एवं अनुग्रह दुर्घटना मृत्यु सहायता के 18 हितग्राहियों को स्वीकृति पत्रों का वितरण किया गया।

नगर पालिका द्वारा सामान्य मृत्यु अनुग्रह सहायता के 16 हितग्राहियों को 2-2 लाख रुपये के स्वीकृति पत्र वितरण किये, वहीं दुर्घटना मृत्यु अनुग्रह सहायता के 2 हितग्राहियों को 4-4 लाख रुपये के स्वीकृति पत्र प्रदान किये गए।

कार्यक्रम के दौरान नगर पालिका अध्यक्ष तनुश्री कुलदीप सिंह राठौड़ ने कहा कि हमारी सरकार का एक ही उद्देश्य है कि किसी भी परिवार में संकट की घड़ी में हमारी सरकार उनके साथ खड़ी रहे। हमारी सरकार की मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना बहुत ही महत्वकांक्षी योजना है और हम नगरीय क्षेत्र में सभी पात्र हितग्राहियों को ढूंढ-ढूंढ कर इस योजना का लाभ दे रहे है। हमारे नगरीय क्षेत्र के हमने 25 प्रकरण भेजे थे, जिनमें से 18 प्रकरण स्वीकृत हो चुके है, जिनके स्वीकृति पत्र आज हमने वितरण कर दिए है वहीं बचे हुए 7 प्रकरण भी जल्द स्वीकृत होने वाले है। इस मौके पर नगर पालिका सीएमओ ज़ाहिद अली, पार्षद नीरज नामदेव, कार्यालय अधीक्षक राजेश सक्सेना एवं योजना प्रभारी अभिषेक शर्मा सहित अनके लोग मौजूद रहे।

### संस्कार सेना का सम्मान समारोह कार्यक्रम हुआ आयोजित

## संस्थापक हरभजन जांगड़े एवं वरिष्ठ समाजसेवी मनोहर मेहरा कार्यक्रम में शामिल

रायसेन। संस्कार सेना के तत्वाधान में सागर रोड स्थित आकाश होटल में 51 दिवसीय माता-पिता सम्मान संकल्प भारत यात्रा के सफल ऐतिहासिक आयोजन पर आज एक सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संस्कार सेना के संस्थापक हरभजन जांगड़े, विशेष अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी मनोहर मेहरा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष यतेंद्र श्रीवास्तव, कार्यक्रम की अध्यक्षता महिला मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष डॉक्टर रजनी मालवीय राष्ट्रीय सचिव सुश्री अलका धुर्वे, वरिष्ठ समाजसेवी एम एल अहिरवार,एवं जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष मनोज कुशवाह प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सभी अतिथियों का स्वागत संस्कार सेना के जिला अध्यक्ष बबलू वर्मा द्वारा किया गया । कार्यक्रम में संस्कार सेना के पदाधिकारियों ने संस्कार सेना के उद्देश्यों एवं कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी और 51 दिवसीय भारत यात्रा के अनुभव साझा किए । एवं समस्त उपस्थित लोगों को माता पिता के संकल्प पत्र की शपथ दिलाई कार्यक्रम में अतिथियों का सम्मान शाल

श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर किया गया। इस मौके पर प्रमुख वरिष्ठ पत्रकार महेंद्र तोमर बारे लाल सूर्यवंशी मयंक ठाकुर भोपाल सुनील शर्मा भोपाल, अशोक सोनी पत्रकार अरुण शें डे,महेंद्र तोमर, शंकर लाल चक्रवर्ती, पूर्व पार्षद संतोष यादव,अशोक सोनी , भूपेंद्र श्रीवास्तव, विजय राठौर, तिलक शाकया, समाजसेवी दिनेश बडोनिया,अरुण शें डे, सूर्या सेन, राहुल मालवीय, राहुल राजोरिया, शिव नारायण सेन, भुवनेश्वर कुशवाह, खेमचंद कौर हुकुम सिंह टेकाम, सहित अनेक इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया के पत्रकार साथी शामिल कार्यक्रम में सपोर्ट कर कार्यक्रम का समापन किया गया कार्यक्रम का संचालन युवा समाजसेवी शिव नारायण सेन द्वारा किया गया

## फ्लोरोसिस निवारण एवं नियंत्रण कार्यक्रम पर विकासखंड स्तरीय समन्वय बैठक सम्पन्न

धार। जिलाधीश प्रियंक मिश्रा सर धार के निर्देशानुशार एवं श्रीमान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी महोदय धार डॉ एन एस गहलोत के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय फ्लोरोसिस निवारण एवं नियंत्रण कार्यक्रम की बैठक का आयोजन

दिनांक 13 जुलाई 2023 गुरुवार को अनुविभागीय अधिकारी दीपाश्री गुप्ता एसडीएम की अध्यक्षता में हुई। जिसमें विकासखंड तिरला एवं टीसगांव के स्वास्थ्य विभाग महिला एवं बाल विकास विभाग पीएचई विभाग तथा शिक्षा विभाग के अधिकारियों की अंतर विभागीय समन्वय बैठक का आयोजन किया गया इस बैठक में फ्लोरोसिस निवारण एवं नियंत्रण कार्यक्रम के जिला फ्लोरोसिस कंसलटेंट डॉ एमडी भारती के द्वारा फ्लोराइड से प्रभावित गांव की जानकारी दी गई जिसमें तिरला ब्लॉक के 88 ग्राम एवं तीसगांव ब्लॉक के 27 ग्राम फ्लोराइड से प्रभावित है द्य डॉ भारती के द्वारा मीटिंग में सभी को फ्लोरोसिस बीमारी से बचने के उपाय बताएं एवं मैदानी कार्यकर्ताओं द्वारा समस्त संभावित फ्लोरोसिस मरीजों को कैल्शियम एवं विटामिन सी की दवाइयां समय-समय पर उपलब्ध करवाने हेतु कहा गया है एवं आम जनता को फ्लोरोसिस के प्रति जागरूक करने को कहा गया है द्य साथ ही 08/04/2023 मे कलेक्टर महोदय के निर्देशन में सभी ब्लॉकों की आशा सी एच ओ को फील्ड टेस्टिंग किट डिसटीब्यूट करने का निर्देशन पीएचई विभाग को दिया था डिस्ट्रीब्यूटर उपरांत तिरला विकासखंड की आशा एवं सी एच ओ के द्वारा करीब 142 ग्राम के 834 जल स्त्रोतों

का फ्लोराइड परीक्षण किया गया परीक्षण उपरांत करीब 718 जल स्त्रोतों मैं फ्लोराइड का लेबल 1 पीपीएम से ज्यादा पाया गया इसके बाद इन जल स्त्रोतों के सैंपल पीएचई विभाग की लैब में भेजा जाएगा वहां पर पता चलेगा की किस स्त्रोत में कितने लेवल पर फ्लोराइड की मात्रा पाई गई है इस मौके पर एसडीएम दीपाश्री गुप्ता के द्वारा विकासखंड अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि सभी लोग फ्लोराइड से होने वाली फ्लोरोसिस बीमारी को गंभीरता से समझे और फ्लोराइड की जांच करवाएं और समय-समय पर आशा आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के माध्यम से नल जल योजना एवं सभी पेयजल स्त्रोतों की जांच कराएं पीएचई विभाग यह सुनिश्चित करें की कोई भी नल जल योजना मैं 1 पीपीएम से ज्यादा फ्लोराइड वाले पानी की सप्लाई ना करें और पानी की जांच कर ही सप्लाई करें इस मौके पर डॉक्टर मिलिंद माधव उपासनी डॉ अनीता दाहिना विकास खंड चिकित्सा अधिकारी एवं सीडीपीओ सत्यनारायण मकवाना विकासखंड शिक्षा अधिकारी एवं पीएचई विभाग के एसडीओ श्री डावर ब बीसीएम पीएचई विभाग के टेक्नीशियन आदि उपस्थित थे

## प्रदेश को बदनाम करने, राजनीतिक लाभ उठाने पटवारी परीक्षा का इस्तेमाल कर रही कांग्रेस: मालवीय

सीहोर। मध्यप्रदेश विकास के रास्ते पर तेजी से कुलाचें भर रहा है, हर वर्ग के कल्याण के लिए योजनाएं चलाई जा रही हैं और मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान की सरकार ने युवाओं के लिए नए अवसरों के द्वार खोले हैं। लेकिन यह स्थिति कांग्रेस और उसके अरुण यादव जैसे नेताओं को सहन नहीं हो रही है। इसीलिए ये नेता पटवारी भर्ती परीक्षा को लेकर तथ्यहीन और झूठे आरोप लगा रहे हैं और प्रदेश की छवि खराब करने का षडयंत्र रच रहे हैं। यह बात भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष रवि मालवीय ने कांग्रेस नेता अरुण यादव की पत्रकार वार्ता को झूठ का पुलिंदा करार देते हुए कही।

### झूठ के सहारे प्रदेश सरकार को बदनाम करना कांग्रेस की आदत

रवि मालवीय ने कहा कि कांग्रेस मैदान में भारतीय जनता पार्टी का मुकाबला करने की स्थिति में नहीं रही है, इसीलिए वह प्रदेश सरकार को बदनाम करने के लिए झूठ और षडयंत्रों का सहारा लेती रही है। कांग्रेस नेता अरुण यादव ने अपनी पत्रकार वार्ता में जिस व्यापमं मामले को उठाया है, उस मामले को लेकर उन्हें अपनी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ से सवाल करना चाहिए कि 15 महीने की सरकार के मुख्यमंत्री रहते उन्होंने इस मामले में क्या कदम उठाया? कांग्रेस सरकार इसलिए इस मामले में कुछ नहीं कर पाई, क्योंकि इसमें कुछ सच्चाई नहीं थी। उन्होंने कहा कि इसी तरह कांग्रेस पटवारी भर्ती परीक्षा को लेकर मनगढ़त आरोप लगा रही है। मार्च- अप्रैल में परीक्षा हुई, जून में रिजल्ट आया, तब से अभी तक कांग्रेस के नेता क्या करते रहे? क्यों अपने झूठ को परोसने के लिए विधानसभा सत्र शुरू होने का इंतजार किया? इसी से स्पष्ट है कि कांग्रेस अपने झूठ के सहारे राजनीतिक लाभ लेना चाहती है।

### तथ्यहीन आरोपों से प्रतिभा का अपमान कर रही कांग्रेस

श्री मालवीय ने कहा कि कांग्रेस जिस पटवारी परीक्षा भर्ती परीक्षा को लेकर प्रदेश सरकार को बदनाम करने का षडयंत्र रच रही है, उसमें 9.78 लाख परीक्षार्थी शामिल हुए थे, जिनमें से 8600 चयनित हुए हैं। इसी परीक्षा में चयन के लिए छात्र-छात्राओं ने कड़ी मेहनत की। इनमें से भी विशेष प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं ने टॉप किया। कांग्रेस अगर वास्तव में प्रदेश के युवाओं की शुभचिंतक है, तो उसे इन छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन करना चाहिए। लेकिन रचनात्मकता कांग्रेस के डीएनए में ही नहीं है। उसे तो अपने राजनीतिक लाभ के लिए किसी भी सीमा तक जाकर झूठ फैलाना, षडयंत्र रचना पसंद है।

## विधानसभा में गूंजा किसानों की भूमियों पर वनविभाग के जबरन कब्जे का मुद्दा

### विधायक के प्रश्न पर सदन में हंगामा, सूरजपुरा वनखण्ड की गलत जानकारी देने पर अधिकारियों के विरूद्ध कार्यवाही के निर्देश

छतरपुर। छतरपुर जिले के सूरजपुरा वनखण्ड क्षेत्र में किसानों की निजी भूमियों पर वनविभाग द्वारा प्रस्तुत किए जा रहे अपने दावे और विभाग के द्वारा किसानों को उनकी जमीनों से खदेड़े जाने के मुद्दे पर मप्र की विधानसभा में जमकर हंगामा हुआ। छतरपुर जिले के कांग्रेस विधायक आलोक चतुर्वेदी ने विधानसभा में तारांकित प्रश्न के माध्यम से यह मुद्दा उठाया था जिस पर वन मंत्री विजय शाह, नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह, पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ सहित कई नेताओं ने बहस में हिस्सा लिया। इस हंगामेदार चर्चा के दौरान वन मंत्री विजय शाह ने स्वीकार किया कि इस वनखण्ड से जुड़े इसी तरह के 2022 में उठाए गए एक प्रश्न और वर्तमान प्रश्न के उत्तर में अधिकारियों ने दोनों बार अलग-अलग जानकारी विधानसभा में पेश की है। इस जानकारी से यह सिद्ध होता है कि अधिकारियों ने विधानसभा को गुमराह करने का काम किया है। वन मंत्री ने लापरवाही करने वाले ऐसे अधिकारियों के विरूद्ध 15 दिन के भीतर कार्यवाही का आश्वासन दिया है।

### इस प्रश्न पर हुआ सदन में हंगामा

दरअसल छतरपुर के कांग्रेस विधायक आलोक चतुर्वेदी ने विधानसभा में तारांकित प्रश्न के माध्यम से वन मंत्री से यह जवाब चाहा था कि छतरपुर अनुविभागीय क्षेत्र के सूरजपुरा वनखण्ड में वनविभाग और किसानों की निजी भूमियों के रकवे, पट्टे की क्या स्थिति है। जब यह जानकारी सदन में रखी गई तो पता चला कि पिछली बार विधायक आलोक चतुर्वेदी के द्वारा 21 दिसम्बर 2022 को जब यही प्रश्न उठाया गया था तब इसी सूरजपुरा वनखण्ड में स्थित आलोक चतुर्वेदी के परिवार की निजी भूमि को वनविभाग की भूमि बताकर उनके परिवार को अतिक्रमणकारी बता दिया गया था। विधायक आलोक चतुर्वेदी इस बात को लेकर नाराज दिखे कि उनकी निजी भूमि के समस्त दस्तावेजों के बावजूद वन विभाग ने वर्ष 2022 में उनके परिवार को अतिक्रमणकारी बताते हुए अखबारों में इसकी रिपोर्टिंग करा दी थी जिससे उनकी राजनैतिक छवि को नुकसान हुआ था जबकि इस बार विधानसभा में उठाए गए प्रश्न में वन विभाग के अधिकारियों ने जो रिपोर्ट प्रस्तुत की उसमें स्पष्ट किया गया कि आलोक चतुर्वेदी एवं उनके परिवार के द्वारा किसी भी वनभूमि पर कोई कब्जा नहीं किया गया है। आलोक चतुर्वेदी ने सदन में कहा कि विधानसभा में अधिकारियों ने दो बार अलग-अलग जानकारियां प्रस्तुत कर सदन को न सिर्फ गुमराह किया बल्कि इससे यह भी प्रतीत होता है कि सरकार छवि खराब कर हम पर दवाब बनाना चाहती है। विधायक के इस प्रश्न पर वन मंत्री विजय शाह ने कहा कि सरकार की ऐसी कोई मंशा नहीं है। पिछली बार वन विभाग के अधिकारियों ने जो जानकारी प्रस्तुत की थी वह जानकारी राजस्व और वन विभाग के अधिकारियों के बीच आपसी तालमेल न होने के कारण अशुद्ध होकर प्राप्त हुई थी। बाद में जब यह जानकारी दोनों विभागों ने मिलकर संकलित की तो स्थिति स्पष्ट हो गई। हालांकि मंत्री ने माना कि यह वन विभाग के अधिकारियों की बड़ी गलती है और जिनके द्वारा भी यह गलती की गई है उन अधिकारियों के विरूद्ध 15 दिवस के भीतर कार्यवाही की जाएगी। मंत्री के इस जवाब के बाद सदन में हंगामा बढ़ गया। कांग्रेस के कई नेता पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ, नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद ड्क्षसह, तरूण भानौत, कुणाल चौधरी, एनपी प्रजापति सभी ने विधानसभा अध्यक्ष से मांग की है कि ऐसे लापरवाह अधिकारियों पर वन मंत्री से तत्काल कार्यवाही कराई जाए।

### कांग्रेस ने कहा निजी भूमियों से किसानों को खदेड़ रहा वन विभाग

इसी प्रश्न के दौरान जब सदन में हंगामेदार स्थिति निर्मित हुई तो कांग्रेस के कई नेताओं ने इस मुद्दे पर सरकार को घेरना शुरू कर दिया। सज्जन सिंह वर्मा, कांतिलाल भूरिया ने जहां लापरवाह अधिकारियों पर सख्त कार्यवाही की मांग की तो वहीं नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह ने कहा कि बात सिर्फ सूरजपुरा वनखण्ड की नहीं है बल्कि छतरपुर जिले में ही 4 लाख हेक्टेयर भूमि पर वन विभाग अपना कब्जा बता रहा है जबकि राजस्व विभाग में यह जमीन किसानों के नाम पर दर्ज है। पूरे प्रदेश में लाखों हेक्टेयर निजी भूमियों पर खेती करने वाले किसानों को वनविभाग के द्वारा जबरन खदेड़ा जा रहा है। इस मुद्दे पर पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा कि पूरे प्रदेश में इस तरह के लाखों आवेदन किसानों ने सरकार को सौंपे हैं लेकिन सरकार 80 फीसदी आवेदनों को सीधा निरस्त ही कर देती है इससे किसानों के साथ अन्याय हो रहा है। कांग्रेस विधायक आलोक चतुर्वेदी ने सरकार को आईना दिखाते हुए कहा कि वर्ष 2007 से लेकर 2023 तक मप्र विधानसभा में विभिन्न विधायकों के द्वारा वन विभाग और राजस्व विभाग के बीच पिस रहे किसानों का यह गंभीर मुद्दा 84 बार उठाया है लेकिन सरकार आज तक इसका समाधान नहीं कर सकी है। दुर्भाग्यपूर्ण बात तो यह है कि मप्र में 62 वनमण्डल हैं जिनसे विवादों के ये मामले सामने आते हैं लेकिन सरकार के पास आज भी सिर्फ 29 वन मण्डलों से जुड़ी जानकारियां ही उपलब्ध हैं। इससे पता लगता है कि सरकार प्रदेश के किसानों के प्रति कितनी असंवेदनशील है और इस मुद्दे को किस तरह कछुआ गति से सुलझाया जा रहा है। कांग्रेस के सभी विधायकों ने सरकार के इस रवैये पर सवाल उठाए हैं।

## घर में 6 से अधिक मतदाता होने पर सेक्टर अधिकारी करेंगे सत्यापन: कलेक्टर

छतरपुर। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी छतरपुर संदीप जी.आर. की अध्यक्षता में अगामी विधानसभा निर्वाचन 2023 की तैयारियों के दृष्टिगत नियुक्त सेक्टर अधिकारियों की बैठक शहर के ऑडिटोरियम में सम्पन्न हुई। बैठक में सेक्टरर ऑफिसर सहित एसडीएम उपस्थित रहे। इस दौरान मास्टर ट्रेनर व्योम जार्ज द्वारा कार्यों के संबंध में प्रशिक्षण भी दिया गया। जिसमें ईव्हीएम से संबंधित प्रोटोकाल के संबंध में बताया गया।

कलेक्टर श्री जी.आर. ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी मतदान केंद्रों का निरीक्षण एक सप्ताह के अंदर करें तथा मूलभूत सुविधा रैंप, दो दरवारे, खिड़की, पेयजल, टॉयलेट, लाइट, पहुंचमार्ग आदि की जांच कर रिपोर्ट भेजें। उन्होंने कहा ग्राम में पहुंचकर ग्रामवासियों से चर्चा करते हुए संवेदनशील मतदान केन्द्रों का चिन्हांकन करना सुनिश्चित करें। साथ ही 3 से 8 अगस्त 2023 के मध्य ग्राम सभा में मतदाता सूची का वाचन बीएलओ, स्थानीय टीचर, सचिव, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की उपस्थित में कराने के निर्देश दिए गए।

अगर एक परिवार में 06 से अधिक मतदाता है ऐसे परिवारों का सत्यापन सेक्टर ऑफिसर स्वयं करेंगे। इस दौरान सेक्टर ऑफिसरों की शंकाओं का समाधान भी किया गया।

**न्यायालय जिला मजिस्ट्रेट बैतूल (म. प्र.)**

दूरभाष: 07141-230034 E-mail: dmbetul@mp.gov.in

जाहिर सूचना

क्रमांक - आर.सी./0001/गोवंश/2023/7088/61 बैतूल 10.07. 2023

प्रति,

1- वाहन स्वामी रमेशचंद्र पिता रामप्रसाद,
निवासी- बरवाखुरम, राजगढ जिला - राजगढ़ (म. प्र.)

एतद द्वारा आपको सूचित किया जाता है कि पुलिस थाना भैंसदेही जिला- बैतूल (म.प्र.) के अपराध क्रमांक 480 / 2022 अंतर्गत धारा 4,6,9 म. प्र. गौवंश वध प्रतिषेध अधिनियम 2004, धारा 11 (घ) पशुओं के प्रति क्रूरता का निवारण अधिनियम 1960 में जप्तशुदा वाहन ट्रक क्रमांक MP-04,GB- 6654 को म. प्र. गोवंश वध प्रतिषेध नियम 2012 के नियम 5 के तहत अधिहरण किये जाने बाबत कार्यवाही इस न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है। अतः उक्त प्रकरण में नियत दिनांक 17-07-2023 को अपरान्ह 03-00 बजे आप इस न्यायालय के समक्ष उपस्थित होकर जवाब के साथ अपना पक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। अनुपस्थिति की दशा में आपके विरूद्ध एकपक्षीय कार्यवाही की जावेगी।

(अमनबीर सिंह बैंस)
जिला मजिस्ट्रेट बैतूल

जी-16534/23

# सोच बदलिए, तभी महिलाओं की दशा बदलेगी

**राकेश दुबे**



आज़ादी के 75 साल बाद भारत में महिलाओं की दशा दोयम दर्जे पर है। जहां भारत सरकार के केंद्रीय सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी 'भारत में महिला एवं पुरुष 2022 रिपोर्ट' बताती है, विगत एक दशक में महिला-पुरुषों के मध्य वेतन असमानता बढ़ी है। वहीं इंटरनेशनल लेबर ऑर्गेनाइजेशन रिपोर्ट बताती है कि विश्वभर में किसी कार्य हेतु पुरुषों को यदि 100 रुपये मिलते हैं तो महिलाओं को प्रदत्त श्रमदेय 73 रुपये (भारत में 71 रुपये) रहता है।

नैसकॉम की रिपोर्ट के अनुसार, भारत की तकनीकी उद्यमिता में लगभग 30 प्रतिशत महिलाएं सम्मिलित हैं लेकिन उनका औसत वेतन पुरुषों से 29 प्रतिशत कम है। रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के मुताबिक़, रिटेल वर्कफोर्स में महिला सहभागिता 70 प्रतिशत होने के बावजूद उनका वेतन पुरुषों की अपेक्षा 33 प्रतिशत कम है। मासिक आय का यह अंतर कृषि क्षेत्र में 3,812 रुपये, मैन्युफैक्चरिंग में 5,904 रुपये, सर्विस सेक्टर में 4,435 रुपये तथा ट्रेडिंग में 6,020 रुपये है।

वर्ल्ड इनइक्वलिटी रिपोर्ट के मुताबिक़, देश की कुल श्रमिक आय में महिलाओं की हिस्सेदारी मात्र 18 प्रतिशत है, क्योंकि अधिकांश महिलाएं कम आय वाले व्यवसाय से ताल्लुक रखती हैं। इस संदर्भ में भारतीय ग्राम्य भूभागों का संज्ञान लें तो औसत पुरुष दिहाड़ी 393 रुपये है तथा महिला श्रमदेय 265 रुपये है। शहरी क्षेत्रों में यह क्रमशः 483 तथा 333 रुपये है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के अनुसार, सर्वाधिक अंतर केरल राज्य में दृष्टिगोचर हुआ। यहां गांवों में पुरुषों का औसत पारिश्रमिक 842 रुपये (प्रतिदिन) है तो महिलाओं का 434 रुपये है।

पंजाब, हरियाणा, हिमाचल तथा राजस्थान में महिला दिहाड़ी पुरुषों की अपेक्षा लगभग 85 प्रतिशत होने के कारण स्थिति बेहतर आंक सकते हैं। गुजरात, मध्यप्रदेश, झारखंड में यह 80 प्रतिशत तथा उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बंगाल में पुरुषों के मुक़ाबले 70 प्रतिशत है। उत्तराखंड देश का एकमात्र राज्य है, जहां महिला श्रमदेय पुरुषों के मुक़ाबले अधिक पाया गया। 19 में से 11 बड़े राज्यों के मध्य स्थित अंतर वर्ष 2011-12 की अपेक्षा और बढ़ा है। पं. बंगाल, गुजरात, छत्तीसगढ़ में यह 10 प्रतिशत से अधिक रहा।

मैकेंजी की ताज़ा रिपोर्टानुसार, विश्वभर में महिलाओं की वरिष्ठ पदों पर भागीदारिता मात्र 14 प्रतिशत है, जिसके चलते मानदेय निर्धारित करने में 86 प्रतिशत पुरुषों की भूमिका प्रभावी हो जाती है। करिअर की अपेक्षा परिवार महिलाओं की प्राथमिकता है; वैतनिक भेद के पीछे यह मानसिकता भी प्रबल रहती है।राष्ट्रीय स्तर पर कारण खोजें तो मुख्य कारण हैं समाज में व्याप्त पितृसत्तात्मक सोच। इसके चलते महिलाओं को नियुक्ति, पदोन्नति, भुगतान आदि में पूर्वाग्रहों का सामना करना पड़ता है, भले ही उनकी योग्यता-अनुभव पुरुष सहयोगियों के समकक्ष हो। पारिवारिक ज़िम्मेदारियों के दृष्टिगत दीर्घकालीन अवकाश, नौकरी के स्वरूप-समय संबंधी पाबंदी, प्रशिक्षण तथा शैक्षणिक कार्यक्रमों के लिए अपेक्षित समय न निकाल पाना, परिवहन उपलब्धता-सुरक्षा के दृष्टिगत समस्याएं पेश आना, मौक़े अपेक्षाकृत कम होने के कारण ऊंचे वेतनमान के लिए अधिक मोलभाव न कर पाना आदि अनेकानेक कारण इस अंतर को बढ़ावा देते हैं।

वही कानूनी स्थिति देखें तो 1976 में पारित 'समान पारिश्रमिक अधिनियम' सार्वजनिक अथवा निजी सभी संगठनों के नियमित-अनियमित कर्मचारियों को दायरे में लेते हुए, बिना किसी लिंग भेदभाव समान कार्यों के लिए समान वेतन प्राप्त करना सुनिश्चित करता है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 39(डी) तथा अनुच्छेद 42 इस विषय में समानता की पूर्ण गारंटी देते हैं। वर्ष 2013 में पारित 'यौन उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध तथा प्रतिशोध) अधिनियम' कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा आवश्यक बनाने सहित वेतनमान समानता भी सुनिश्चित करता है।

सामयिक आवश्यकता के मद्देनज़र वर्ष 2017 को संशोधित 'मातृत्व लाभ अधिनियम' के तहत मातृत्व अवकाश की अवधि 12 सप्ताह से बढ़ाकर 26 सप्ताह कर दी गई। इसी प्रकार, वर्ष 2022 में 'भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड' (बीसीसीआई) ने 'भुगतान समता नीति' के अंतर्गत, केंद्रीय रूप से अनुबंधित महिला-पुरुष खिलाड़ियों को समान फीस देने संबंधी घोषणा की,किंतु महज़ कानून बनाने भर से इस अंतर को पाटना संभव नहीं है। केंद्रीय सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी 'भारत में महिला एवं पुरुष 2022 रिपोर्ट' बताती है, विगत एक दशक में महिला-पुरुषों के मध्य वेतन असमानता बढ़ी है। उच्च वेतन स्तर पर अंतराल और अधिक बढ़ गया।

भेदभाव की गहरी खाई पाटने हेतु समग्र मानसिकता में बदलाव लाना आवश्यक है। समावेशी तथा सुसंचालित राजनीतिक-सामाजिक नीतियां सर्वपक्षीय असमानता दूर करने में निर्णायक योगदान दे सकती हैं। मौजूदा कानूनों में अपेक्षित संशोधन करने के साथ समयानुकूल नव विधान लाना एवं संबद्ध कानूनों को कड़ाईपूर्वक लागू करना समय की मांग है। आवश्यक है कि महिला कर्मचारियों को कौशल एवं ज्ञानवृद्धि हेतु प्रशिक्षण तथा विकास के पर्याप्त अवसर मुहैया करवाएं जाएं, जो कि करिअर में आगे बढ़ने तथा बेहतर अवसर पाने में सहायक सिद्ध हो सकें।

## बच्चों के इलाज के लिए अपोलो ने लॉन्च किया देश का सबसे एडवांस नेटवर्क

**नयी दिल्ली एजेंसी।** देश की भावी पीढ़ी को बेहतर उपचार मुहैया कराने के लिए अपोलो ने अपनी 40 साल से भी ज्यादा पुरानी विरासत को आगे बढ़ाया है दुनिया के सबसे बड़े एकीकृत स्वास्थ्य सेवाएं देने वाले अपोलो ने आज देश का सबसे एडवांस नेटवर्क अपोलो चिल्ड्रेन्स लॉन्च किया जहां विभिन्न बीमारियों वाले बच्चों की देखभाल जांच उपचार और एक बेहतर भविष्य दिया जा सकता है देश में मौजूद 40 से ज्यादा अस्पताल इस नेटवर्क का हिस्सा होंगे यहां 25 से ज्यादा विशिष्ट देखभाल के लिए 400 से ज्यादा विशेषज्ञ डॉक्टर अपने अनुभव और ज्ञान के जरिए बाल चिकित्सा को एक नए मुकाम पर लेने जाने का प्रयास करेंगे 900 से ज्यादा बिस्तरों की क्षमता वाले इस नेटवर्क में सातों दिन 24 घंटे बच्चों के लिए बेहतर चिकित्सा उपलब्ध होगी। इतना ही नहीं आपातकालीन सेवाएं भी संचालित होंगी। इस अवसर पर देश में बच्चों से जुड़ी स्वास्थ्य सेवाओं में बदलाव पर जोर देते हुए अपोलो के अध्यक्ष डॉ. प्रताप सी रेड्डी ने कहा बाल चिकित्सा देखभाल को आगे बढ़ाने के लिए पिछले 40 वर्षों में अपोलो एक शानदार प्रतिष्ठा बनाने में सक्षम रहा है। हमारे प्रयासों के चलते अपोलो में न केवल भारत बल्कि 50 से अधिक देशों के बच्चों को विश्व स्तरीय देखभाल दी जा रही है। हमारे कुशल बाल रोग विशेषज्ञों के साथ अपोलो चिल्ड्रेन्स को एक वन-स्टॉप डेस्टिनेशन के रूप में डिजाइन किया है जहां बच्चों को उनके स्वास्थ्य के सभी पहलुओं में उच्चतम गुणवत्ता वाली देखभाल मिलेगी।

## इंडिया मोबाइल कांग्रेस का 7वां संस्करण 27 से 29 अक्टूबर तक होगा

**नयी दिल्ली एजेंसी।** एशिया की प्रीमियर डिजिटल टेक्नोलॉजी प्रदर्शनी इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) के सातवें संस्करण का आयोजन इस साल नयी दिल्ली के प्रगति मैदान में 27 से 29 अक्टूबर के बीच दूरसंचार विभाग और सेलुलर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीओएआई) की संयुक्त मेज़बानी में किया जाएगा।ग्लोबल डिजिटल इन्नोवेशन्स थीम के साथ आईएमसी उद्योग, सरकार, अकादमिक क्षेत्र और प्रौद्योगिकी परितंत्र में अन्य प्रमुख भागीदारों के लिए एक आदर्श मिलन बिंदु और प्रदर्शन केंद्र है।इस प्रतिष्ठित आईएमसी 2023 आयोजन में एक लाख से अधिक भागीदार, 5000 से अधिक सीएक्सओ स्तर के प्रतिनिधि, 350 से अधिक वक्ता और 400 से अधिक प्रदर्शनी लगाने वाले शामिल होंगे। वर्ष 2017 में अपनी शुरूआत के बाद से ही आईएमसी ने भारत की स्थिति उन्नत की है और भारत की अगुवाई में डिजिटल नवप्रवर्तन की अगली लहर डिजाइन करने के लिए वैश्विक चिंतकों के लिए एक प्रमुख मंच के तौर पर काम किया है। पिछले वर्ष, आईएमसी को उद्योग की ओर से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली थी जहां माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भारत में 5जी लांच किया था। इस वर्ष, प्रमुख कार्यक्रम 6जी, 5जी नेटवर्क में उन्नति, दूरसंचार में एआई के बढ़ते उपयोग और अन्य क्षेत्रों जैसे एज कंप्यूटिंग, इंडस्ट्री 4.0 एवं इंडिया स्टैक के उद्भव पर प्रकाश डालेंगे। आईएमसी 2023 एलेसिना, आईईएसए, इस्पा, डीएफआई जैसे विभिन्न संगठनों के साथ साझीदारी के जरिये प्रसारण, सैटकॉम, विनिर्माण, सेमीकंडक्टर्स जैसे टेक्नोलॉजी क्षेत्रों का विस्तार भी करेगा

## मेरे पिछले किरदारों की तुलना में आराधना बहुत अनोखी हैः शिवांगी जोशी

**मुंबई, एजेंसी।** मॉनसून के मौसम में आमतौर पर प्यार परवान चढ़ता है, लेकिन सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन का शो 'बरसातें - मौसम प्यार का' अपने दर्शकों के लिए एक तूफानी रोमांस ड्रामा लेकर आ रहा है, जिसमें दो ज़िद्दी लोगों का टकराव दिखाया गया है, जिनमें से एक है रेयांश और दूसरी आराधना। एक न्यूज़रूम के इर्द-गिर्द रची गई इस रोमांचक कहानी में ये दोनों जुनूनी इंसान एक दूसरे से भिड़ते हैं, जहां दोनों ही जज़्बातों के जाल में उलझ जाते हैं। इस शो में कुशाल टंडन ने रेयांश लांबा के रोल में टेलीविजन पर वापसी की है, जिसका व्यक्तित्व बड़ा पेचीदा है, और जो लोगों का दिल तोड़ने के लिए जाना जाता है। दूसरी ओर, शिवांगी जोशी आराधना साहनी का रोल निभा रही हैं, जो पक्के इरादों वाली एक महत्वाकांक्षी लड़की है, जिसे पत्रकारिता का जुनून है। सबकुछ अच्छी तरह जाने हुए भी आराधना दिलकश और बेहद आकर्षक रेयांश लांबा की ओर आकर्षित हो जाती है और इस तरह शुरू होती है उनकी हलचल भरी लव स्टोरी। बालाजी टेलीफिल्म्स के निर्माण में बना यह शो हर सोमवार से शुक्रवार रात 8 बजे सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर दिखाया जा रहा है। इस दिलचस्प लव स्टोरी में अपने नए अवतार को लेकर उत्साहित एक्ट्रेस शिवांगी जोशी ने एक खास बातचीत में अपने इस शो और बहुत-सी दूसरी चीजों के बारे में चर्चा की। शिवांगी जोशी से जब इस शो में अपने रोल के बारे में तो उन्होंने कहा कि मैं इस शो में एक महत्वाकांक्षी पत्रकार आराधना साहनी का रोल निभा रही हैं। नए विचारों और सपनों से भरी आराधना की आंखों में हमेशा एक चमक रहती है।

## सकीना मेरी रगों में बहती है - द कपिल शर्मा शो में अमीषा पटेल ने गदर 2 में अपना पुराना किरदार अपनाने को लेकर की चर्चा

**मुंबई, एजेंसी।** सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन का सबसे ज्यादा पसंद किया जाने वाला कॉमेडी शो द कपिल शर्मा शो इस रविवार एक धमाकेदार एपिसोड लेकर आ रहा है। नॉन-स्टॉप हंसी, कॉमेडी और गुदगुदाने वाले गैग्स से भरपूर इस शो में सनी देओल और अमीषा पटेल का स्वागत किया जाएगा, जो अपनी आने वाली फिल्म गदर 2 को प्रमोट करते नजर आएंगे। इस शाम को यादगार बनाते हुए कपिल शर्मा और उनका अतरंगी परिवार अपने मजेदार कारनामों से सभी का खूब मनोरंजन करेंगे और सभी मेहमानों को हंसा-हंसाकर लोटपोट कर देंगे। एक प्रेम कथा की अमर प्रेम कहानी में सनी देओल और अमीषा पटेल, तारा सिंह और सकीना की यादगार ऑन-स्क्रीन जोड़ी के रूप में नजर आए थे। सभी ने इस जोड़ी को बहुत पसंद किया, खासतौर से सकीना के किरदार ने दर्शकों के दिलों में एक अमिट छाप छोड़ दी। अपने इस रोल को दोबारा निभाने के बारे में बताते हुए अमीषा पटेल कहती हैं, गदर में सकीना के मेरे किरदार ने मेरे दिलो दिमाग पर इतना गहरा असर किया है कि आज 23 साल बाद भी मुझे गदर 2 में इसी किरदार को दोबारा निभाने के लिए किसी तैयारी की जरूरत नहीं पड़ी।

## ब्लेंडर्स प्राइड रिजर्व कलेक्शन ने हासिल किया 1 मिलियन केस का मील का पत्थर

**मुंबई, एजेंसी।** प्रतिष्ठित ब्रांड ब्लेंडर्स प्राइड की ओर से एक बेहतरीन पेशकश और सबसे प्रीमियम भारतीय व्हिस्की सेग्मेंट्स ब्लेंडर्स प्राइड रिजर्व कलेक्शन ने एक वर्ष (जुलाई 22 से जून 23) में 10 लाख से अधिक केस की बिक्री करते हुए एक अहम मील का पत्थर हासिल किया है। सबसे बेहतरीन भारतीय व्हिस्की की कैटेगरी में अपने प्राइस सेगमेंट में दस लाख से अधिक केस बेचने वाला यह पहला ब्रांड बन गया है (कैटेगरी में तीसरा सबसे बड़ा ब्रांड बन गया है), बीते 3 वर्षों में इसकी वार्षिक बिक्री में 30% (सीएजीआर) की प्रभावशाली ग्रोथ देखने को मिली है। आज के युवा ग्राहक स्वभाव से अधिक समझदार हो गए हैं और हमेशा एक बेहतरीन अनुभव की तलाश में रहते हैं।

## बाबा रामदेव 18 फीसदी डिस्काउंट पर बेच रहे अपनी इस कंपनी के शेयर, 14 तक का है मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। बाबा रामदेव की कंपनी पतंजलि फूड्स ने ऑफर फॉर सेल लॉन्च करने का ऐलान किया है। इस ऑफर फॉर सेल के तहत कंपनी के प्रमोटर अपनी 9 फीसदी हिस्सेदारी बेचेंगे। इस हिस्सेदारी को इसके मौजूदा बाजार भाव से करीब 18.36 फीसदी कम भाव पर एक हजार रुपये प्रति शेयर के भाव पर बेचा जाएगा। बाबा रामदेव की अगुवाई वाली पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड शेयर बाजारों में अपनी समूह की कंपनी पतंजलि फूड्स लिमिटेड के 2.53 करोड़ शेयर या सात प्रतिशत हिस्सेदारी बेचेगी। कंपनी यह कदम सूचीबद्धता जरूरतों को पूरा करने के लिए उठाने जा रही है। खाद्य तेल और अन्य खाद्य उत्पाद कंपनी पतंजलि फूड्स के शेयर की बिक्री ओएफएस के जरिए होगी। इस ऑफर फॉर सेल की न्यूनतम कीमत 1,000 रुपये प्रति शेयर तय की गई है। यह पेशकश 13 जुलाई को खुलकर 14 जुलाई को बंद होगी। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में पतंजलि फूड्स ने कहा है कि न्यूनतम कीमत पर वह इस शेयर बिक्री से कम से कम 2,530 करोड़ रुपये जुटा सकेगी। बीएसई पर बुधवार को पतंजलि फूड्स का शेयर मामूली बढ़त के साथ 1,228.05 रुपये पर बंद हुआ। कंपनी का बाजार पूंजीकरण 44,454.78 करोड़ रुपये रहा। ओएफएस लॉन्च करने के ऐलान के बीच पतंजलि फूड्स लिमिटेड के शेयरों में भारी गिरावट देखी जा रही है। आज पतंजलि फूड्स के शेयर 5 फीसदी की गिरावट के साथ लोअर सर्किट पर ट्रेड कर रहे हैं। अभी पतंजलि फूड्स के शेयर 1,165.10 रुपये के भाव पर हैं। कल तक यह 1241 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहे थे। वहीं पिछले एक महीने की बात करें तो पतंजलि फूड्स के शेयरों में 11 फीसदी से ज्यादा का उछाल आया है। बता दें कि पतंजलि फूड्स प्रमोटर की ओर से न्यूनतम शेयर होल्डिंग नियमों के मानदंडों को पूरा करने के लिए ओएफएस ला रही है।

## टीसीएस का शुद्ध लाभ जून तिमाही में 16.83 प्रतिशत बढ़कर 11,074 करोड़ रुपए पर




**मुंबई एजेंसी।** देश की सबसे बड़ी सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का शुद्ध लाभ जून तिमाही में 16.83 प्रतिशत बढ़कर 11,074 करोड़ रुपए रहा है। टाटा समूह की कंपनी का शुद्ध लाभ एक साल पहले इसी तिमाही में 9,478 करोड़ रुपए था। जबकि इससे पिछली तिमाही जनवरी-मार्च में कंपनी ने 11,392 करोड़ रुपए का शुद्ध मुनाफा कमाया था।

टीसीएस की परिचालन आय सालाना आधार पर चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में 12.55 प्रतिशत बढ़कर 59,381 करोड़ रुपए रही। यह पिछली मार्च तिमाही के 59,162 करोड़ रुपए के मुकाबले मामूली अधिक है। कंपनी का कुल व्यय आलोच्य तिमाही में बढ़कर 45,789 करोड़ रुपए रहा जो एक साल पहले 2022-23 की अप्रैल-जून तिमाही में 40,771 करोड़ रुपए था। जबकि मार्च तिमाही में यह 44,946 करोड़ रुपए था। टीसीएस पहली प्रमुख कंपनी है जिसने जून तिमाही के वित्तीय परिणाम घोषित किए हैं। दुनिया के प्रमुख बाजारों में चुनौतियों को देखते हुए, 250 अरब डॉलर के भारतीय आईटी क्षेत्र को निकट भविष्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। कंपनी का शेयर बुधवार को बीएसई में 0.36 प्रतिशत घटकर 3,260.20 रुपए पर बंद हुआ।

## प्राइम डे पर अमेजन पे के साथ पाएं खुशियां: एक्सक्लूसिव ऑफर्स, आकर्षक रिवार्ड और बेजोड़ सुविधा का उठाएं लाभ

**मुंबई, एजेंसी।** 15 और 16 जुलाई को आयोजित होने वाली प्राइम डे सेल नजदीक आ रही है, इसलिए बेहतर खरीदारी अनुभव के लिए आप तैयार हो जाएं। इस बार प्राइम डे पर, अमेजन पे आपकी खरीदारी के तरीके में एक नई क्रांति लाने के लिए तैयार है, जो आपको कई लाभ, कैशबैक और आसान क्रेडिट की पेशकश करेगा। आनंद, निर्बाध भुगतान और अविश्वसनीय बचत की यात्रा शुरू करने के लिए आप तैयार रहें। यहां हम बता रहे हैं कि आपको अमेजन पे के साथ क्यों खरीदारी करनी चाहिए और इस प्राइम डे का अधिकतम लाभ उठाना चाहिए।

**होटल्स और इंटरनेशनल फ्लाइट बुकिंग पर लाभ**- क्या आप अपने ड्रीम वेकेशन की योजना बना रहे हैं नए लॉन्च हुए इंटरनेशनल फ्लाइट और होटल बुकिंग अनुभव का लाभ उठाइए और 110,000 से अधिक इंटरनेशल होटल्स, होमस्टे, विला आदि की विशाल रेंज से चयन करें। अमेजन के साथ अपने इंटरनेशनल वेकेशन बुकिंग को आसान बनाएं और फ्लाइट एवं होटल पर एक्सक्लूसिव डील्स का लाभ उठाएं। प्राइम डे के हिस्से के रूप में, प्राइम मेंबर्स कई बेजोड़ डील्स का लाभ उठा सकेंगे, जैसे घरेलू उड़ानों पर 25 प्रतिशत तक की छूट और इंटरनेशनल फ्लाइट पर 17 प्रतिशत तक की छूट के साथ 100,000 होटल स्टे पर 50 प्रतिशत तक की छूट। गैर-प्राइम मेंबर्स भी सभी ट्रैवल बुकिंग पर एक्सक्लूसिव ऑफर का लाभ उठा सकते हैं, जैसे घरेलू उड़ानों पर 18 प्रतिशत तक की छूट, इंटरनेशनल फ्लाइट पर 13 प्रतिशत तक का डिस्काउंट और 100,000 होटल स्टे पर 43 प्रतिशत तक की छूट। प्रत्येक बुकिंग पर इन ऑफर का लाभ उठाएं और केवल अमेजन के साथ अपने यात्रा अनुभव को बेहतर बनाएं।

**अमेजन पे के साथ डेली रिवार्ड**- प्राइम डे तक प्राइम मेंबर्स के रूप में शुरुआती रिवार्ड की खुशी का अनुभव लेने के लिए तैयार रहें। अमेजन पे पर मोबाइल और डीटीएच रिचार्ज, सब्सक्रिप्शन, गिफ्ट कार्ड, और टिकट बुकिंग सहित कई रोमांचक ऑफर्स की खोज करें। प्रत्येक लेनदेन के साथ, कैशबैक और रिवार्ड पाएं जो आपके दिन को और भी ज्यादा खुशहाल बना देंगे।

## एचडीएफसी बैंक ने सीबीडीसी पायलट प्रोग्राम के साथ 1 लाख से अधिक ग्राहकों और 1.7 लाख व्यापारियों को अपने साथ जोड़ा

### सीबीडीसी के साथ इंटरऑपरेबल यूपीआई क्यूआर कोड भी लॉन्च किया गया

**मुंबई, एजेंसी।** एचडीएफसी बैंक, भारत में प्राइवेट सेक्टर के प्रमुख बैंक, ने आज सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) के साथ भारत की अपनी डिजिटल करेंसी इंटरऑपरेबल यूपीआई क्यूआर कोड लॉन्च किया। इसके साथ, एचडीएफसी बैंक सीबीडीसी को लेकर इंटीग्रेशन प्रोसेस को पूरा करने वाले देश के पहले बैंकों में से एक बन गया है। इंटरऑपरेबल यूपीआई क्यूआर कोड एचडीएफसी बैंक के व्यापारियों को, जो बैंक के सीबीडीसी प्लेटफॉर्म पर शामिल हैं, अपने ग्राहकों से डिजिटल रुपया करेंसी के रूप में भुगतान स्वीकार करने की सुविधा देता है, जिससे दिन-प्रतिदिन के लेनदेन में सीबीडीसी के उपयोग को काफी तेजी से बढ़ावा मिलेगा।

यह पहल पिछले साल भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा शुरू किए गए सीबीडीसी पायलट का विस्तार है। सीबीडीसी या डिजिटल रुपया भारतीय रुपये का एक टोकन डिजिटल वर्जन है, जिसे आरबीआई द्वारा सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी के रूप में जारी किया गया है।

एक इंटरऑपरेबल क्यूआर कोड बेसिक क्यूआर पेमेंट एक्सप्टेंस टर्मिनल को विभिन्न फैक्टर्स और भुगतान विकल्पों से स्कैन और भुगतान सुविधा का सपोर्ट करने में सक्षम बनाता है। यह विभिन्न फॉर्म फैक्टर से एक ही क्यूआर का उपयोग करके भुगतान स्वीकार करने की स्वतंत्रता प्रदान करता है।

इस नई शुरुआत के मौके पर श्री पराग राव, कंट्री हेड- पेमेंट्स, कंज्यूमर फाइनेंस, टेक्नोलॉजी और डिजिटल बैंकिंग, एचडीएफसी बैंक ने कहा, एचडीएफसी बैंक हमेशा डिजिटल बैंकिंग के अलग अलग उपयोग के लिए नए नए प्रयासों को शुरू करने में सबसे आगे रहा है, और हम इस नई डिजीटल रुपया करेंसी में भी अपने ग्राहकों को बेस्ट-इन-क्लास कैटेगरी और एडवांस्ड अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा, हमारे डिजिटल बैंकिंग सॉल्यूशंस देश में सबसे अच्छे और सबसे सुरक्षित सॉल्यूशंस में से एक हैं। सीबीडीसी एक दूरदर्शी पहल है और पहले से ही स्वीकृत और व्यापक रूप से लोकप्रिय यूपीआई के साथ इसकी क्यूआर इंटरऑपरेबिलिटी इसके उपयोग के लिए काफी फायदेमंद साबित होने वाली है।

एचडीएफसी बैंक के ग्राहक डिजिटल रुपया एप्लिकेशन का उपयोग करके डिजिटल मुद्रा में लेनदेन कर सकते हैं। एप्लिकेशन वर्तमान में एंड्रॉइड वर्जन 10 से अधिक यूजर्स के लिए उपलब्ध है और जल्द ही इसे आईओएस पर लॉन्च किया जाएगा।

वर्तमान में, एचडीएफसी बैंक मुंबई, दिल्ली, चंडीगढ़, भुवनेश्वर, बेंगलुरु, अहमदाबाद, गुवाहाटी, गंगटोक, हैदराबाद, इंदौर, भोपाल, लखनऊ, पटना, कोच्चि, गोवा, शिमला, जयपुर, चेन्नई, कोलकाता, रांची, पुणे, नागपुर, वाराणसी, विशाखापत्तनम, पांडिचेरी, और विजयवाड़ा में डिजिटल रुपया करेंसी में भुगतान की सुविधा प्रदान करता है।

## अमृतांजन हेल्थकेयर को सर्वश्रेष्ठ हेल्थकेयर ब्रांड के रूप में सम्मानित किया गया

**मुंबई, एजेंसी।** भारत के स्वास्थ्य सेवा उद्योग में 130 साल के इतिहास वाली अग्रणी कंपनी अमृतांजन हेल्थकेयर को द इकोनॉमिक टाइम्स बेस्ट हेल्थकेयर ब्रांड्स इवेंट के छठे संस्करण में प्रतिष्ठित सर्वश्रेष्ठ हेल्थकेयर ब्रांड सम्मान से सम्मानित किया गया। पिछले कुछ वर्षों में, ईटी बेस्ट हेल्थकेयर ब्रांड्स ने उद्योग में नवीनतम प्रगति पर सार्थक चर्चा को बढ़ावा देने और हेल्थकेयर ब्रांडों को स्वीकार करने के लिए एक मंच के रूप में काम किया है, जिन्होंने इस क्षेत्र पर एक अमिट छाप छोड़ी है। ध्यानपूर्वक और कठोर चयन प्रक्रिया के बाद अमृतांजन हेल्थकेयर को 1,000 ब्रांडों में से चुना गया।




यह मान्यता विशेष रूप से प्रतिष्ठित है क्योंकि केवल सीमित संख्या में ओवर-द-काउंटर (ओटीसी) ब्रांड ही मानदंडों को पूरा करने में कामयाब रहे हैं।

अमृतांजन हेल्थकेयर, एक उद्देश्योन्मुखी और अभिनव संगठन, विभिन्न स्वास्थ्य देखभाल श्रेणियों में विविधतापूर्ण उत्पाद पोर्टफोलियो प्रदान करता है। सबसे आगे इसका प्रमुख ब्रांड, अमृतांजन है, जो दर्द प्रबंधन में विशेषज्ञ है जो वैज्ञानिक रूप से सिद्ध प्राकृतिक अवयवों का उपयोग करके उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद तैयार करता है। कंपनी की विशेषज्ञता आयुर्वेद में गहराई से निहित विज्ञान और प्राकृतिकता के क्षेत्रों को मिलाने में निहित है। यह ब्रांड बेहतर दर्द प्रबंधन उत्पाद पेश करता है जो वैज्ञानिक नैदानिक परीक्षणों द्वारा समर्थित प्रदर्शन-आधारित दावों के साथ आते हैं। अमृतांजन हेल्थकेयर को सिर और शरीर के दर्द के लिए रोल-ऑन जैसे नवीन प्रारूप पेश करने में अग्रणी होने का गौरव प्राप्त है, साथ ही उपभोक्ताओं के लिए सुविधाजनक समाधान पेश करते हुए हाइड्रोजेल दर्द पैच पेश करने वाला पहला ब्रांड होने का गौरव प्राप्त है। कंपनी नैतिक व्यावसायिक प्रथाओं के लिए प्रतिबद्ध है और डिक्लोफेनाक जैसे रसायनों के उपयोग के खिलाफ कड़ा रुख अपनाती है, जिसके हानिकारक दुष्प्रभाव हो सकते हैं और पर्यावरण के लिए जोखिम पैदा हो सकते हैं।

अमृतांजन हेल्थकेयर की उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता और दुनिया भर में उपभोक्ताओं की विविध स्वास्थ्य देखभाल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए इसका समर्पण ईटी बेस्ट हेल्थकेयर ब्रांड पुरस्कार में परिलक्षित होता है। विश्वसनीय उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला के साथ, अमृतांजन निरंतर नवाचार को प्राथमिकता देता है और सर्वोत्तम संभव देखभाल प्रदान करता है।

अमृतांजन हेल्थकेयर लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक श्री एस. संभु प्रसाद ने अपना आभार व्यक्त करते हुए कहा, सर्वश्रेष्ठ हेल्थकेयर ब्रांडों में से एक के रूप में पहचाने जाने पर हम बेहद सम्मानित महसूस कर रहे हैं। यह उपलब्धि असाधारण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए अमृतांजन के अथक समर्पण का प्रमाण है। ऐसे समाधान जो हमारे मूल्यवान उपभोक्ताओं के जीवन में उल्लेखनीय रूप से सुधार करते हैं।

## कलर्स पर 'खतरों के खिलाड़ी 13' मनोरंजन को 'डर नेक्स्ट लेवल' पर ले जाता है

**मुंबई, एजेंसी।** जंगल में जीवित रहना कोई आसान काम नहीं है क्योंकि यहां सबसे बड़ी चुनौती अपने सबसे बड़े दुश्मन, अपने डर को हराना है। डर के फैक्टर को बिल्कुल नए स्तर पर बढ़ाते हुए, भारत का सबसे प्रतीक्षित स्टंट-आधारित रियलिटी शो, मारुति सुज़ुकी की प्रस्तुति 'खतरों के खिलाड़ी 13', एक रोमांचक जंगल-थीम वाले सीज़न के साथ कलर्स पर लौट आया है। निर्विवाद एक्शन मास्टर और शो के मेज़बान, रोहित शेट्टी दक्षिण अफ्रीका के केप टाउन के जंगल में पहले कभी नहीं देखे गए स्टंट से 14 डेयरडेविल प्रतियोगियों के साहस को जांचेंगे। अदम्य साहस की भावना से भरे हुए, ये प्रतियोगी अपने सबसे बुरे डर की भूलभुलैया को पार करते हुए, अपने शारीरिक और मानसिक कौशल का प्रयोग करते हुए दिखाई देंगे। प्रस्तुतकर्ता प्रायोजक के रूप में मारुति सुज़ुकी के साथ, शो में विशेष भागीदार के रूप में सेरा सेनेटरीवेयर है, और स्मिथ एंड जोन्स पास्ता मसाला, फिनोलेक्स पाइप्स, डार्क फैंटेसी, लाइफबॉय साबुन, रिन लिक्विड, जिलेट, अमेजन डाट इन, हिमालय एंटी हेयर फॉल शैम्पू, वॉट्सऐप, सेलो बटरफ्लो पेन, निरमा शुद्ध साल्ट, जेके टायर्स, शुगरफ्री ग्रीन और 99एकर्स इस सीज़न के सहयोगी प्रायोजक हैं। एंडमोल शाइन इंडिया द्वारा निर्मित, खतरों के खिलाड़ी 13 का प्रीमियर 15 जुलाई को होगा और उसके बाद हर शनिवार और रविवार रात 9:00 बजे केवल कलर्स पर प्रसारित होगा।

कलर्स की नॉन-फिक्शन प्रमुख, शीतल अय्यर कहती हैं,खतरों के खिलाड़ी ने सभी बाधाओं को पार किया है और दर्शकों के दिलों में अपनी जगह बनाई है, जिसके साथ ही इसने टेलीविज़न परिदृश्य में एक असली पावरहाउस के रूप में अपनी स्थिति मजबूत की है। हर गुज़रते सीज़न के साथ, इस एड्रेनलिन बढ़ाने वाले शो ने दर्शकों की संख्या के रिकॉर्ड तोड़े हैं, भारतीय जीईसी क्षेत्र पर अपना दबदबा बनाया है, और अब तक के सबसे रोमांचक नॉन-फिक्शन शो में से एक के रूप में दर्शकों का मनोरंजन किया है। जबकि हम इस रोमांचक 13वें सीज़न के लिए तैयार हो रहे हैं, दर्शक एक रोमांचक यात्रा का आनंद उठाने की प्रतीक्षा में हैं, जो खतरे की सीमाओं को अभूतपूर्व ऊंचाइयों तक ले जाएगा। हमारे 14 निडर योद्धाओं का मार्गदर्शन करने वाले, कोई और नहीं बल्कि स्वयं एक्शन के महारथी, हमारे मेज़बान, रोहित शेट्टी अपनी अनूठी विशेषज्ञता को उजागर करने के लिए तैयार हैं, क्योंकि वह उन प्रतियोगियों का मार्गदर्शन करेंगे जो अकल्पनीय खतरों के साथ अपने डर की दुनिया पर जीत हासिल करेंगे।

## जुआ फड़ में दबिश

### 5 आरोपियों से 181200 रुपए का माल मशरूका किया गया जब्त

अमरवाड़ा। अमरवाड़ा थाना अंतर्गत ग्राम सालीवाडा मोहली रोड पर बहुत दिनों से लगातार सूचना मिल रही थी कि मोहली ग्राम में जिले से दूर दूर से जुआरी आकर ताश के पत्तों पर रुपए पैसों का हार जीत का दाव लगाकर जुआ खेलते हैं मुखबिर की खबर पर अमरवाड़ा नगर निरीक्षक मोहन सिंह मसकोले उपनिरीक्षक सिंगोडी चौकी धर्मेंद्र कुशराम सहायक उपनिरीक्षक राघवेंद्र उपाध्याय प्रधान आरक्षक नितिन मालवीय यशवंत जय सिंह आरक्षक अनिल आरक्षक प्रदीप नरेंद्र आरक्षक महेश के साथ मुखबिर से सूचना प्राप्त स्थल सालीवाडा मोहली रोड पर एक पेड़ की आड़ लिए जुआरी जुआ खेल रहे हैं उस स्थान पर स्टाफ की मदद से घेराबंदी कर 180000 का मशरूका, और 1200 रुपए नगदी ताश पत्तों सहित धर दबोचा जुआरियों मैं जुआ खेलते हुए यूसुफ खान निवासी रामबाग कुंडीपुरा, सरमन उईके मंडली थाना शिवपुरी, सुमित सलाम, सोनू बेलवंशी, युवराज सलाम के नाम से व्यक्ति जुआ खेल रहे थे जो पुलिस को देख कर भाग गए घटनास्थल से मोटरसाइकिल स्प्लेंडर मोटरसाइकिल, बजाज सिटी प्लैटिना, एक्टिवा, स्प्लेंडर, पल्सर, पैशन, जब तक और आरोपियों के विरुद्ध 13 जुआ एक्ट 109 मैं प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

## उत्कृष्ट बालक एवं कन्या छात्रावास छिन्दवाडा में कोचिंग के लिये शिक्षकों से आवेदन पत्र आमंत्रित

छिन्दवाड़ा। अनुसूचित जनजाति कार्य विभाग द्वारा जिला स्तर पर उत्कृष्ट बालक एवं कन्या छात्रावास छिन्दवाडा में 50-50 सीटर पृथक-पृथक रूप से संचालित हैं। इन छात्रावासों में कक्षा 10वीं से 12वीं तक नवीननीकरण विद्यार्थियों का प्रवेश हो चुका है और नवीन छात्रों के प्रवेश की प्रकिया जारी हैं। इन उत्कृष्ट छात्रावासों में शैक्षणिक सत्र 2023-24 में भौतिक शास्त्र, रसायन, जीव विज्ञान, अंग्रेजी, गणित एवं कम्प्यूटर के विषय विशेषज्ञ शिक्षकों से कोचिंग के लिये आवेदन पत्र आमंत्रित किये गये हैं। इच्छुक एवं पात्र व्यक्ति आगामी 18 जुलाई 2023 तक अधीक्षक/अधीक्षिका उत्कृष्ट बालक छात्रावास और उत्कृष्ट कन्या छात्रावास में अपने आवेदन जमा कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के बाद आवेदन स्वीकार नहीं किये जायेंगे ।सहायक आयुक्तजनजातीय कार्य विभाग सत्येन्द्र कुमार मरकाम ने बताया कि कोचिंग के लिये आवेदक की विषयवार योग्यता एम.एस.सी./बी.एड.होना चाहिये और उसके पास अध्यापन कार्य का 5 वर्ष का अनुभव होना अनिवार्य है। कम्प्यूटर शिक्षकों के लिये डीसीए/पीजीडीसीए या एमसीए योग्यता अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि आवेदक अपना आवेदन पत्र सादे कागज में स्वयं की संपूर्ण जानकारी व बायोडाटा के साथ संबंधित छात्रावास के अधीक्षक/अधीक्षिका के कार्यालय में जमा कर सकते हैं। शिक्षकों का योग्यता के आधार पर चयन होने के बाद शासन द्वारा निर्धारित मानदेय राशि का भुगतान किया जायेगा।

## यूपीएससी में चमके सौरभ, पाया देश में दूसरा स्थान

### भारतीय सूचना सेवा में हुआ चयन

सौंसर। नागपुर के वरिष्ठ पत्रकार सौरभ खेकडे ने संघ लोक सेवा द्वारा (यूपीएससी) आयोजित भारतीय सूचना सेवा (आईआईएस) नियुक्ति प्रक्रिया में बाजी मारी है। नागपुर के मानेवाडा निवासी सौरभ मूलत- मध्यप्रदेश के छिंदवाडा जिले के सौंसर शहर के निवासी है। वे आईआईएस नियुक्ति प्रक्रिया में 100 में से 75 अंकों के साथ वे देश में दूसरे स्थान पर रहे हैं। जबकि प्रथम टॉपर अंकित कुमार ने 76 अंक प्राप्त किए है। वर्ष 2015 में नागपुर से पत्रकारिता की शुरुआत की थी। शिक्षा, विधि, मानवाधिकार जैसे विविध क्षेत्रों पर उन्हें 8 वर्ष से अधिक का अनुभव है। उन्होंने ग्रेजुएशन इन मास कम्यूनिकेशन, एमए पॉलिटिकल साइंस और बैचलर ऑफ लॉ (एलएलबी) की पढ़ाई पूरी की है। सौरभ के नाना रामाकोना निवासी भाऊराव चौधरी नवभारत के वरिष्ठ पत्रकार है। उनके पिता विठ्ठल खेकडे व्यवसायी और माता रेखा खेकडे गृहिणी है।

## अभाविप ने मेजर अमित ठेंगे को श्रद्धांजलि अर्पित की

छिंदवाड़ा। भारत माता की रक्षा में अपने प्राणों को बलिदान करने वाले छिंदवाड़ा के अमर सपूत मेजर अमित ठेंगे जी के बलिदान दिवस पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद छिंदवाड़ा के द्वारा उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करके उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

## ग्रामीण क्षेत्र में वृत्तिकर अभिकर्ता पद हेतु लिखित परीक्षा15 जुलाई को

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले द्वारा दिये गये निर्देशों के परिपालन में जिला रोजगार कार्यालय छिंदवाड़ा के माध्यम से भारतीय जीवन बीमा निगम छिंदवाड़ा द्वारा जिले के बेरोजगार युवक-युवतियों के लिये ग्रामीण क्षेत्र में वृत्तिकर अभिकर्ता पद हेतु रोजगार का सुनहरा अवसर प्रदाय किया जा रहा है।

## गजल

अर्थ को भी शब्द से कुछ अलग हटना चाहिये ।
मंजिलों से भी कभी थोड़ा भटकना चाहिये ।।
अर्थ का दिल में ठिकाना शब्द यायावर हुये अर्थ का भी
घर अलग शब्दों से बनना चाहिये।
साथ रहते है कभी, तो वे कभी लड़ने लगें ।
शब्द के भी कई अलग मतलब निकलना चाहिये ।
अर्थ धोखेबाज हैं निकले तो अपने न रहे।
शब्द दोधारी संभल कर उन पे चलना चाहिये ।।
शब्द गाली है प्रशंसा शब्द है और व्यंग्य भी ।
ब्रहा भी है उन का आदर हमें करना चाहिये ।।
ग्रंथि है शब्दार्थ चित जड़ की तरह शाश्वत हैं
वे शब्द ईश्वर, अर्थ हम, शब्दार्थ मिलना चाहिये ।।

**डॉक्टर कौशल किशोर श्रीवास्तव**
**171 विशु नगर छिंदवाड़ा मध्यप्रदेश**
**मोबाइल 9424636145**

# सिमरिया हनुमान मंदिर परिसर में होगी पंडित धीरेन्द्र शास्त्री की कथा

## 5 से 7 अगस्त को होंगे प्रवचन, उनके आगमन की तैयारी में जुटी समीति

**छिंदवाड़ा।** बागेश्वर बालाजी वाले पंडित धीरेन्द्र शास्त्री सिमरिया के हनुमान मंदिर परिसर में कथा करेंगे। जिले में बागेश्वर बालाजी के आगमन को लेकर तैयारियां प्रारंभ हो गई है। उनके आगमन को लेकर बैठकों का दौर भी चल रहा है साथ ही उनके दिव्य दरबार लगने की संभावना जताई जा रही है। बागेश्वर बालाजी वाले पंडित धीरेन्द्र शास्त्री जी को लेकर जहां कांग्रेस में उत्साह है वहीं भाजपा नई रणनीति की तैयारी कर रही है। बताया जाता है कि पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और सांसद नकुलनाथ के आग्रह पर वे यहां आ रहे हैं। और उनकी कथा सिमरिया हनुमान मंदिर परिसर में होगी इसको लेकर मारूतीनंदन सेवा समीति सिद्रेश्वर हनुमान मंदिर सिमरिया द्वारा कार्ड भी बांटे जाने लगे हैं। बागेश्वर सरकार पंडित धीरेन्द्र शास्त्री जी महाराज 4 अगस्त को छिंदवाड़ा आएंगे और उनकी कथा तीन दिन चलेगी 7 अगस्त तक वे कथा करेंगे पहले कहा जा रहा था वे पांढुर्ना में कथा करेंगे लेकिन जिस हिसाब से सिमरिया हनुमान मंदिर समीति द्वारा उनका कार्यक्रम जारी किया जा रहा है उससे लग रहा है कि वे सिमरिया हनुमान मंदिर परिसर में ही कथा करेंगे। पंडित धीरेन्द्र शास्त्री ने पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और सांसद नकुलनाथ के इस आग्रह को इसलिए भी स्वीकार किया है क्योंकि एक सौ फिट की हनुमान जी की प्रतिमा बनवाए जाने से उन्हें हनुमान भक्त के रूप में पहचाना जा रहा है गौरतलब है कि पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और सांसद नकुलनाथ सिमरिया में समय समय पर उपस्थित होकर हनुमान जी की पूजा अर्चना करते हैं बहरहाल देश प्रदेश में सबसे ज्यादा चर्चित पंडित धीरेन्द्र शास्त्री जी के सिमरिया आने को लेकर तरह तरह की चर्चाएं चल रही है। उनका सिमरिया हनुमान मंदिर के पास कार्यक्रम फायनल हो गया है। मारूतीनंदन सेवा समीति सिद्रेश्वर हनुमान मंदिर सिमरिया के अनुसार कथावाचक पं.श्री धीरेन्द्र शास्त्री मंदिर के पास 5 अगस्त को शाम 4 बजे से रात्री 7 बजे तक कथा करेंगे इसके पूर्व 4 अगस्त को दोपहर 3 बजे से कलश यात्रा निकाली जाएगी कथा प्रतिदिन शाम 4 बजे से रात्री 7 बजे तक होगी। समापन प्रसाद वितरण के साथ 7 अगस्त को होगा। समीति ने श्रद्वालूओं से समय से पूर्व पहुंचकर स्थान ग्रहण करने की अपील की है। समीति द्वारा दिव्य कथा का आमंत्रण भी बांटा जा रहा है। कथा में लाखों की भीड़ जुटने की संभावना है।

## जंगल से लगे गांव में सुअरों का आंतक तार की फैंसिंग लगाए जाने की मांग

### जंगली सुअर पहुंचा रहे फसलों को नुकसान

**छिंदवाड़ा।** जिले की चौरई विधानसभा के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों के जंगल एरिया में सूअर के आतंक से फसलों को भारी नुकसान हो रहा है सिरस, करलई, सांख, पचगाँव,बम्हनी,धमानिया,मेघदोन, टाप, पोनिया, खैरघाट बादगांव, थोटामाल, गुमतरा हरदुआ, समसवाड़ा से लेकर लोनिकला, पांजरा, परसोली राजलवाड़ी, बंधान, कुम्भपानी, हलाल, कोना पिंडरई सहित 50 गांवों में गन्ना,मक्का और अन्य फसल की बौनी किसान करते हैं ,उगने के पहले ही सुअर इस महंगे बीज को खा जाती है। बाद फिर बोनी कर फसल उगती है तो भी सुअर नुकसान पहुंचाती है। वन विभाग के नियम क़ानून के कारण किसान कुछ नहीं कर पा रहा नियमानुसार सुअर को मार भी नहीं सकते मुआवजा नहीं मिल रहा वन विभाग बोलता है कि राजस्व विभाग देगा राजस्व बोलता है वन विभाग देगा सबको पता है कि इतनी महंगी तार की फेंसिंग किसान कर नहीं सकता। झटका मशीन भी बहुत महंगी है किसान नेता संदीप रघुवंशी को किसानों ने इस समस्या से अवगत कराया उन्होने बताया कि इस गंभीर समस्या का परमानेंट हल निकालकर सभी जंगल से लगे खेत में वन व राजस्व विभाग मिलकर फेंसिंग लगवाकर देना चाहिए ताकि किसानो को राहत मिल सके। उन्होने जिले के प्रभारी मंत्री और कलेक्टर से पक्की फेंसिंग करवाने व मुआवजा देने व झटका मशीन लगवाकर किसानो की समस्या का हल निकालने की मांग की है।

## डैम के पास से शराब तस्कर गिरफ़्तार

### दुपहिया सहित देशी शराब जप्त

छिन्दवाड़ा-आबकारी विभाग ने माचागोरा डेम के पास से शराब तस्कर को दुपहिया सहित धरदबोचा। तस्कर के पास से देशी मदिरा के 75 पाव बरामद हुये। उक्त कार्यवाही चौरई वृत्त के आबकारी अमले ने बुधवार देर रात की। वृत्त प्रभारी अर्चना घोरमारे ने बताया कि गश्त के दौरान संदेह के आधार पर माचागोरा डेम के पास दुपहिया सवार को रोककर तलाशी लेने पर उसके क़ब्ज़े से देशी मदिरा के 75 पाव मिले। दुपहिया सवार ने पूछताछ के दौरान अपना नाम हरिओम पिता गंगाराम वर्मा,निवासी चिखली खुर्द थाना चाँद बताया। हरिओम द्वारा दुपहिया क्रमांक एमपी 28 एनएफ़ 1756 में शराब ढोई जा रही थी। शराब तस्कर हरिओम को गिरफ़्तार कर उसके क़ब्ज़े से दुपहिया और देशी शराब जप्त कर आबकारी एक्ट की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। इस कार्यवाही के दौरान आबकारी आरक्षक सचिन श्रीवास्तव भी उपस्थित थे। मामला दर्ज कर प्रकरण की विवेचना की जा रही है।

## पुलिस से बदत्तमीजी युवक पर मामला दर्ज

**छिंदवाड़ा।** कुंडीपुरा थाना में पैसों के लेनदेन पर हुई शिकायत पर अनावेदक को थाने हाजिर होने के लिए बुलाने पहुंचे आरक्षक के साथ एक युवक द्वारा बदतमीजी और गाली गलौज किए जाने पर पुलिस के संज्ञान लेते हुए प्रकरण दर्ज किया है ।बताया जाता है कि कुंडीपुरा थाने में पैसे के लेनदेन पर शिकायत की जांच करने के लिए युवक को थाने बुलाया गया था मगर वह नहीं आया । इसके बाद जब डे अफसर द्वारा एक आरक्षक ब्रजेश को उस युवक को लेने के लिए भेजा गया तो उसने गाली गलौज शुरू कर दी और आरक्षक के साथ हाथापाई भी की । इस पर आरक्षक ने उसका वीडियो बना लिया पुलिस द्वारा आरोपी युवक डेली नीड्स की दुकान संचालक सुरेश यादव के खिलाफ विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर कार्यवाही की जा रही है ।

### ट्रेन की चपेट मे आया युवक

जुन्नारदेव। ग्राम खापास्वामी के पास रेल्वे लाईन में एक युवक की पेंचवेल्ली ट्रेन की चपेट में आने से मृत्यु हो गई है । मृतक की शिनाख्त खापास्वामी निवासी सुरेंद्र सरयाम के रूप में हुई । डुंगरिया चौकी प्रभारी व आर पी एफ जुन्नारदेव घटना स्थल में मौजूद है। रेलवे पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार छिंदवाड़ा से इंदौर जाने वाली पंचवेली ट्रेन से पटरी पार करते वक्त चपेट में आने से युवक की मौत हो गई है।घटना देर रात की बताई जा रही है।

### जिले में अभी तक 407.9 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

छिन्दवाड़ा/ 13 जुलाई 2023/ जिले की औसत वर्षा 1059 मि.मी. है तथा जिले में अभी तक 407.9 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई है, जबकि गत वर्ष इस अवधि तक 518.7 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई थी। जिले में 13 जुलाई को प्रात: 8 बजे समाप्त 24 घंटों के दौरान 4.3 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई है। अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि 13 जुलाई को प्रात: 8 बजे समाप्त 24 घंटों के दौरान तहसील छिंदवाड़ा में एक, मोहखेड़ में 10, तामिया में 4 अमरवाड़ा में 10, चौरई में 4.2, सौंसर में 5.5, पांढुर्णा में 5.2, परासिया में 10.3, जुन्नारदेव में 2 और उमरेठ में 3.4 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि जिले में एक जून से अभी तक तहसील छिन्दवाड़ा में 414.4, मोहखेड़ में 432.7, तामिया में 366, अमरवाड़ा में 465.4, चौरई में 359.5, हर्रई में 554.2, सौंसर में 352.3, पांढुर्णा में 300.2, बिछुआ में 267.4, परासिया में 518.3, जुन्नारदेव में 423.8, चांद में 373.3 और उमरेठ में 474 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है।

## सौसर में बेपटरी हुई पुलिस प्रसासन की व्यवस्था

### एक के बाद एक चोरी का सिलसिला जारी, सौसर पुलिस को चोरों का चैंलेंज

सौसर– नगरीय क्षेत्र में बीते कुछ दिनों में एक के बाद एक चोरी के मामलों में इजाफा देखा गया है नए नए हाई टेक तरीको से क्षेत्र में चोरी की घटनाओ को अंजाम देते नजर आ रहे है तो सौसर पुलिस के लिए यह चोरियां अब बड़ा चैलेंज बनता जा रहा है,जिसपर सौसर पुलिस मीडिया को जवाब देने में भी कतराने लगी है, सौसर क्षेत्र में ष्ह्ल1 कैमरे लगे होने के बाद भी और कई आपराधिक तत्व घटना को अंजाम देने के बाद भी पुलिस को अपराधियों तक पहुचने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है जिससे यह साफ झलक रहा है कि सौसर पुलिस का ख़ौफ़ आपराधिक तत्वों में खत्म हो चुका है तो,सौसर पुलिस का तंत्र भी कमजोर दिखाई दे रहा है। जिले के दबंग पुलिस अधीक्षक के रॉज में जहा बड़े बड़े आपराधिक,व नासूर मामलों का खुलासा चुटकियों मे होता था वही सौसर क्षेत्र में बीते दिनों चोरी,जालसाजी, एटीएम लूट व कई घटनाओ के खुलासे के इंतजार में क्षेत्र के पीड़ित अब नजर आ रहे है तो वही विभिन्न शिकायतो पर कार्यवाही के मामले पेंडिंग नजर आ रहे है..सौसर थाने की बात करे तो सौसर में स्वीकृत पुलिस बल की अपेक्षा बहुत कम बल यहाँ मौजूद है, तो थाना राम भरोसे चल रहा है, क्षेत्र में लगातार आपराधिक तत्वों का ग्राफ बढ़ता जा रहा है आये दिन मोटरसाइकिल चोरी,मोटरसाइकिल से पेट्रोल, बैटरी,प्लग,मोबाइल चोरी की अब लोग शिक़ायत करने भी लोग थाने जाना उचित नही समझते है. वही सौसर क्षेत्र में हो रही चोरियों के घटना को लेकर क्षेत्र के विधायक विजय चौरे खुले मंच से कई बार पुलिस को लताड़ चुके है किंतु वर्तमान में हालात बद से बदतर बन गए है. वही हालात यह है कि पीड़ित को ही स्वयं चोर को ढूंढना पड़ता है,और पुलिस तक पहुचाना पड़ता है,वही सौसर पुलिस के जिमेदारो का मौखिक रूप से कहना है की वे मामलों की जांच पड़ताल में जुटे है.अब ऐसे में सौसर पुलिस की गश्त,व पुलिस पर सवालिया निशान खड़े होने लगे है,अब देखना है कि सौसर पुलिस अपने पूरे शबाब पर आकर एक्शन मोड़ में कब तक आती है ओर अपराधो का रोकथाम कर लोगो को चैन की नींद दे पाती है।

## जेंडर क्लब का गठन एवं प्रतिभा सम्मान

**अमरवाड़ा।** शासकीय स्नातक महाविद्यालय अमरवाड़ा में महिला प्रकोष्ठ के तत्वाधान में जेंडर क्लब का गठन व प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ आर एन झारिया की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। जिसमें सुश्री वैशाली जैन अनुविभागीय अधिकारी राजस्व विभाग ने विद्यार्थियों को लिंग समानता की जानकारी एवं विद्यार्थियों को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। रविन्द्र मिश्र अनुविभागीय अधिकारी पुलिस विभाग ने विद्यार्थियों को साइबर काइम, सुरक्षा व ईमानदारी की जानकारी दी । अपने उदबोधन में महाविद्यालय के महिला प्रकोष्ठ प्रभारी ने विद्यार्थियों को जेंडर क्लब से अवगत कराया। कार्यक्रम का संचालन डॉ प्रतिभा राजपूत व आभार जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष श्री प्रदीप कुमार ?साहू ने किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहें ।

## भाजपा सरकार ने सहकारी बैंकों में नहीं किए अध्यक्ष नियुक्त

गोविंद चौरसिया

**छिंदवाड़ा।** कमलनाथ की सरकार जाने के बाद जिला सहकारी बैंकों में भाजपा ने बैंक एवं सोसायटियों में किसी की नियुक्ति नहीं की पिछले 3 वर्षो से प्रशासक कलेक्टर एवं सोसायटियों में सहकारिता के आडिटर प्रशासक बनकर बैठे हैं। बैंकों में अध्यक्ष और सोसायटियों में अध्यक्ष बैठ जाते तो वे पार्टी का काम करते और बेहतर तरीके से सहकारिता का कार्य ग्रामीण क्षेत्रों में होता यह कहना था वरिष्ठ भाजपा नेता व पूर्व बैंक के अध्यक्ष अरूण कपूर का। प्रदेश में 38 सहकारी बैंक हैं और हजारों सोसायटियां हैं इनमें जनप्रतिनिधी पदस्थ होते तो ग्रामीणों को अपनी बात कहने का मौका मिलता।

प्रदेश में कमलनाथ की सरकार थी तो उन्होने तुरंत ही बैंकों में अध्यक्षों की नियुक्तियां कर दी थी। सरकार जाने के बाद कांग्रेस के अध्यक्षों को हटा दिया गया। उसके बाद शिवराज सिंह ने किसी को अध्यक्ष नहीं बनाया शासकीय तंत्र ही बैंक एवं सोसायटियों को चला रहा है। भाजपा नेता का कहना है कि विधानसभा चुनाव को अभी चार माह हैं बैंक एवं सोसायटियों में अध्यक्ष बनाए जा सकते हैं पूर्व अध्यक्ष अरूण कपूर ने कहा कि वे सहकारिता मंत्री को कई बार पत्र लिख चुके हैं किन्तु शासन का ध्यान इस ओर नहीं है। सहकारी बैंक एक स्वतंत्र संस्था है जो अपना व्यवसाय कर कर्मचारी और अधिकारियों को वेतन देती है। बैंकों में 60 प्रतिशत कर्मचारियों की कमी है यदि इन कर्मचारियों की भर्ती कर दी जावे तो बैंकों का व्यवसाय दो से तीन गुना बढ़ सकता है सोसायटियों में चपरासी प्रबंधक का काम कर रहे हैं स्टाप पर्याप्त हो तो किसानों को भी सोसायटियों के माध्यम से खाद् बीज नियमित मिलने लगेगा। सबसे ज्यादा फायदा डिपाजिट का होगा बैंकों का डिपाजिट बढ़ेगा तो उनका मुनाफा भी बढ़ेगा क्योंकि प्रत्येक व्यक्ति चाहता है कि वह बचत करे तो उसकी सुरक्षा रहे। ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकों के आभाव में चिटफंड कम्पनियां करोड़ों रूपए लूट कर ले जाती हैं सरकार उनका कुछ नहीं कर पाती केन्द्र सरकार ने सहकारिता मंत्री अमित शाह को बनाया है देखना है कि वे क्या करते हैं।

## नाबालिक लड़की के अपहरण की आशंका परिजनों ने दर्ज कराई रिपोर्ट

अमरवाड़ा। थाना अंतर्गत वार्ड क्रमांक 2 मैं सोनी के मकान में किराए से रहने वाली लगभग 14 वर्षीय कक्षा दसवीं की छात्रा दोपहर 12ः00 स्कूल जाने की कहकर निकली परंतु शाम को वापस नहीं लौटी परिजनों ने नाबालिग लड़की की तलाश स्कूल जाकर किया लेकिन पता चला कि लड़की आज स्कूल ही नहीं आई तब परिजनों ने लड़की की तलाश रिश्तेदारी में अन्य ग्रामों में जाकर किया लेकिन कोई पता नहीं चला परिजनों ने शंका व्यक्त की है कि उसकी नाबालिग लड़की कोई अज्ञात व्यक्ति बहला-फुसलाकर अपहरण कर भगा कर ले गया होगा परिजनों की रिपोर्ट पर पुलिस द्वारा नाबालिग लड़की के अपहरण का जुर्म कायम कर इंसान प्रकरण को पतासाजी में लिया

## प्रदेश प्रभारी मुरलीधर राव से मिले संदीप रघुंवशी

**छिंदवाड़ा।** केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह के भोपाल प्रवास के दौरान प्रदेश कार्यालय में भाजपा के प्रदेश प्रभारी मुरलीधर राव से चौरई विधानसभा क्षेत्र के किसान नेता संदीप रघुवंशी ने मुलाकात की।

## वरिष्ठ नागरिक सागर सोनी ने दी बच्चों को कॉपी पुस्तक और

**सिंगोड़ी।** नगर में आज शासकीय बालक माध्यमिक शाला सिंगोड़ी में उपहार योजना अंतर्गत ग्राम के वरिष्ठ नागरिक महालक्ष्मी ज्वेलर्स के संचालक सागर सोनी के द्वारा शासकीय बालक माध्यमिक शाला में अध्ययनरत कक्षा पहली से पांचवी तक के समस्त छात्रों को कॉपी पुस्तक और पेन आदि का वितरण उपहार योजना अंतर्गत विद्यालय के बच्चो को प्रदान किए। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन द्वारा सागर सोनी को बच्चों के हितार्थ हेतु किए गए उपहार योजना अंतर्गत एक अनोखी पहल और प्रयास को लेकर धन्यवाद ज्ञापित किया। वही बच्चों द्वारा कॉपी पेन आदि मिलने पर खुशी जाहिर करते हुए उनका धन्यवाद किया। सागर सोनी ने कहा कि कई गरीब वर्ग के बच्चे कॉपी पुस्तक लेने में आर्थिक परिस्थिति के कारण नही ले पाते बच्चो के चेहरो में मुस्कान हमेशा बनी रहे इन्हीं सब प्रयासो के साथ सभी बच्चो को उपहार स्वरूप पुस्तक कापी पेन प्रदाय किए इस अवसर पर विद्यालय के प्रधान पाठक एम के करपेती, वरिष्ठ शिक्षक जयराज सिंह सरसवार, शिक्षक राजेंद्र कंच, चंपा नवरेती, निशा दुबे, विजय कुमार शर्मा, आलोक तिवारी सहित अनेक बच्चे प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

## बोर्ड परीक्षाओ में सर्वाधिक अंक लाने वाले बच्चों को किया सम्मानित

### शहीद मेजर अमित ठेंगे की स्मृति में प्रतिभाओं को किया सम्मानित

छिंदवाड़ा। शहीद मेजर अमित ठेंगे के शहीद दिवस पर शिक्षा, संस्कृति, समाजसेवा व पर्यावरण के लिए समर्पित शहीद मेजर अमित ठेंगे स्मृति समिति द्वारा गुरुवार 13 जुलाई 2023को छिंदवाड़ा के मध्य स्थित पूजा लान में छात्रछात्रा प्रतिभा सम्मान एवम अलंकरण समारोह का आयोजन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव सिंग के मुख्य आतिथ्य में एवं सहायक निर्देशक आकाशवाणी केंद्र जबलपुर दिनेश नामदेव, पूर्व प्राचार्या डाक्टर कामना वर्मा, शिक्षाविद डाक्टर विजया यादव, राष्ट्रपति पुरस्कृत सुश्री सुरेंद्र कौर खंडूजा, शहीद मेजर अमित ठेंगे के पिता मधुकर राव ठेंगे, शिक्षा विद एस एस सलोटकर के विशेष आतिथ्य में किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में शहर के गणमान्य जन, एक्स आर्मीमेन, एन सी सी के जवान,शिक्षाविद एवम समाजसेवी , व शहीद मेजर अमित ठेंगे स्मृति समिति के सदस्यगण उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ शहीद मेजर अमित ठेंगे जी के छाया चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धा सुमन अर्पित की गई। साथ ही जरा याद करो कुरबानी गीत से शहीद को सभी ने श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में माध्यमिक शिक्षा मंडल एवम सीबीएसई की हाई स्कूल एवम हायर सेकेंडरी में वर्ष 2023 में अध्यनरत जिले के छात्र छात्राओं को प्राविण्यता के आधार पर शैक्षणिक उपलब्धि के लिए अतिथियों के हस्ते सम्मानित किया गया। सर्वप्रथम शहीद मेजर अमित ठेंगे स्मृति समिति के अध्यक्ष शहीद मेजर अमित ठेंगे के पिता मधुकर राव ठेंगे ने अपने वक्तव्य में शहीद मेजर अमित ठेंगे को देश का सच्चा सपूत बताया और कहा हमे गर्व है ऐसे जिले के माटी के लाल पर जिसने देश की रक्षा के खातिर अपना बलिदान दिया। उन्ही की याद में समिति प्रति वर्ष प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित करती है इस वर्ष भी समिति ने 17 बच्चो को सम्मानित कर रही है। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव सिंग ने कहा की आज मैं अपने विभाग की और से शहीद मेजर अमित ठेंगे को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करता हु साथ ही उनकी शहादत को सलाम करता हु।छिंदवाड़ा में जन्मे इस मिट्टी के लाल ने देश की रक्षा के खातिर अपने प्राणों का बलिदान दिया । ऐसे सपूत के माता पिता को भी नमन करता हु जिनकी प्रेरणा से प्रति वर्ष इतना भव्य प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित होता है उन्होंने शहीद के जीवन पर प्रकाश डालते उनसे जुडी बाते कही एवं सच्चा देश भक्त बताया। कार्यक्रम में विशेष अतिथि श्रीमती कामना वर्मा, सुश्री सुरेंद्र कौर खंडूजा,श्रीमती विजया यादव एवं दिनेश राजपूत ने भी संबोधित करते हुए शहीद मेजर अमित ठेंगे को अपने भावना से श्रद्धा सुमन अर्पित की। कार्यक्रम में समिति के सदस्य अशीष ठेंगे, शेफाली ठेंगे, के पी पांडे, एम एम सिंह, चंचलेश लीलाधर पुरिया, मुरलीधर राव, आकाश लालवानी सहित अन्य सदस्य विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम में जिन प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया

## प्राकृतिक चिकित्सा शिविर का शुभारंभ

### वीतराग भवन में मुमुक्षु मण्डल एवं जैन युवा फेडरेशन क आयोजन

छिंदवाड़ा। रहे भावना ऐसी मेरी, सरल सत्य व्यवहार करूँ। बने जहां तक इस जीवन में औरों का उपकार करूँ।। ऐसी परम पवित्र एवं मंगलमय भावना के साथ श्री दिगम्बर जैन मुमुक्षु मण्डल एवं अखिल भारतीय जैन युवा फेडरेशन ने नगर के अहिंसा स्थली गोल गंज स्थित कोआपरेटिव बैंक के सामने वीतराग भवन में दो दिवसीय निःशुक्ल प्राकृतिक चिकित्सा एवं परामर्श शिविर का शुभारंभ गुरुवार को किया।उदघाटन सभा का हुआ आयोजन प्रातःकाल की मंगल बेला पर श्रावक - श्राविकाओं ने श्री आदिनाथ जिनालय में श्री देव - शास्त्र - गुरु भगवंतों की पूजन कर शिविर में हिस्सा लिया। जिसका शुभारंभ बाल ब्रह्मचारणी डॉ. आरती जैन के मंगल सानिध्य में श्री वर्धमान प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान अमायन भिंड से पधारे वरिष्ठ प्राकृतिक चिकित्सक डॉ. सुरेशचंद्रजी जैन, डॉ. विवेक जैन, मण्डल के मंत्री अशोक वैभव, फेडरेशन सचिव दीपकराज जैन के हस्ते किया गया। मंगलाचरण वर्धमान जैन एवं सचिन जैन ने किया एवं विशेष सहयोग प्रकाश अहिंसा, राहुल जैन, संस्कृति जैन, इशिता जैन का प्राप्त हुआ। मण्डल एवं फेडरेशन ने अतिथि चिकित्सकों का सम्मान कर धर्म नगरी छिंदवाड़ा की ओर से उनका अभिनन्दन किया।उदबोधन की श्रंखला में डॉ. सुरेशचंद्रजी जैन ने सकल समाज को स्वस्थ रहने के उपाय बताए। उन्होंने कहा कि स्वस्थ रहने के लिए सबसे पहले नियमित दिनचर्या बनाये। रात्रि में 9 से 10 बजे विश्राम कर सुबह ब्रह्म मुहूर्त में अर्थात 5 से 6 बजे उठकर पंचपरमेष्ठी भगवंतों का स्मरण कर सबके मंगल की कामना करें।व्यायाम आदि करके खाली पेट 2 से 3 गिलास पानी अवश्य पियें। हो सके तो उसे गुनगुना करके नींबू निचोकर सेवन करें। स्नानादि से निवृत होकर आराधना स्थल जिनालय अथवा चैत्यालय अवश्य जाएं और प्रभु का गुणगान कर उनके जैसा बनने का विचार करें।

# सीएम निवास एवं भाजपा कार्यालय में स्व. कैलाश जोशी को दी श्रद्धांजलि

**भोपाल।** मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पूर्व मुख्यमंत्री श्रद्धेय कैलाश जोशी की जयंती पर नमन किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निवास स्थित सभागार में उनके चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की।

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री स्व. कैलाश जोशी की जयंती पर प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने शुक्रवार को प्रदेश कार्यालय में उनके चित्र पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए श्रद्धेय स्व. कैलाश जोशी का पुण्य स्मरण किया। पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष गौरीशंकर बिसेन, पार्टी के प्रदेश कार्यालय मंत्री डॉ राघवेंद्र सिंह, सिरोंज विधायक उमाकांत शर्मा, श्रीमती साधना स्थापक, केपी भदौरिया, कृष्ण गोपाल पाठक एवं संदीप कुलस्ते सहित पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने स्व. कैलाश जोशी की जयंती पर श्रद्धासुमन अर्पित किये।

# 18 हजार गैस पीड़ितों ने आयुष्मान के फॉर्म भरे, डेढ़ साल बाद भी कार्ड नहीं बने, पहले से मिल रहा इलाज भी बंद

**भोपाल।** पिछले साल जनवरी में आयुष्मान योजना में भोपाल गैस पीड़ितों को शामिल किया गया था। इसके बाद गरीबी रेखा से ऊपर आने वाले 18 हजार गैस पीड़ितों ने कार्ड बनवाने के लिए फॉर्म भरे लेकिन एक का भी रजिस्ट्रेशन नहीं हो सका। बीपीएल श्रेणी के गैस पीड़ितों के कार्ड बने हैं लेकिन इनका आरोप है कि योजना में कई तरह की बीमारियां और सपोर्टिव केयर शामिल नहीं है। इसलिए उन्हें निजी अस्पताल जाने के लिए बोला जाता है। आधिकारिक डाटा के मुताबिक 5.74 लाख लोग 1984 के गैस हादसे के पीड़ित हैं।

अब तक इनका इलाज गैस राहत अस्पतालों और डिस्पेंसरीज में होता रहा है, जो आयुष्मान में शामिल होने के बाद बंद हो गया। जहांगीराबाद निवासी नीलेश दुबे की मां पुष्पा की ब्रेन हेमरेज से कई महीने जूझकर कुछ हफ्ते पहले मौत हो गई। दुबे के मुताबिक आयुष्मान कार्ड के लिए उन्हें अपात्र घोषित कर दिया गया। गैस राहत विभाग से राशि मांगी थी पर नहीं मिली। इसी तरह छोला निवासी शालिनी की मां पुष्पा एंथोनी स्टमक कैंसर से पीड़ित हैं। अब तक जवाहरलाल नेहरू हॉस्पिटल में इलाज मिला पर अस्पताल ने 10 जून को आगे इलाज से मना कर दिया।

### सीटी स्कैन, कीमोथेरेपी के साइड इफैक्ट आदि कवर नहीं

गैस पीड़ितों के लिए काम करने वाली रचना ढींगरा का कहना है कि पहले सभी इलाज गैस अस्पतालों में मिल जाते थे। अब कई सपोर्टिव केयर और बीमारियां जैसे सीटी स्कैन, ब्लड कैंसर के लिए ब्लड ट्रांस्फ्यूजन, कीमोथेरेपी के साइड इफैक्ट और स्टमक कैंसर की सपोर्टिव केयर योजना में कवर्ड नहीं है। ढींगरा का आरोप है कि इसके अलावा एक भी गरीबी रेखा से ऊपर वाले परिवार के कार्ड नहीं बन सके हैं। एपीएल मरीजों के इलाज के लिए गैस राहत विभाग की तरफ से राशि सीधे अस्पताल को देने का प्रावधान है लेकिन यह देर से आती है। कई बार मिल भी नहीं पाती। गंभीर बीमारियों में देर से सहायता का मतलब नहीं। गैस पीड़ित संगठन आरोप लगाते हैं कि आज तक गैस पीड़ितों के बीपीएल होने या अन्य डाटा उपलब्ध नहीं है।

### अफसर ने कहा, 18 हजार फॉर्म कई बार केंद्र को भेजे, लेकिन वापस आ गए

सीएमओ गैस रिलीफ डॉ. एसएस राजपूत ने बताया कि बीपीएल से ऊपर पीड़ितों के 18000 फॉर्म भरे और केंद्र को भेजे। कई बार डाटा में गलती होने से वापस आ गया। अभी फिर भेजा है। उम्मीद है, स्वीकृत हो जाएगा। उनके मुताबिक चिह्नित अस्पतालों जवाहरलाल नेहरू, चिरायु और नवोदय में इलाज नहीं मिला तो दूसरी जगह इलाज के लिए राशि जारी कर देते हैं। सुप्रीम कोर्ट द्वारा बनाई मॉनिटरिंग कमेटी के सचिव डॉ. पंकज शुक्ला ने स्वीकार किया, आयुष्मान में पूरा इलाज कवर्ड नहीं है। ये तथ्य हाई कोर्ट की 11 जुलाई की सुनवाई में देंगे। उन्होंने माना, बीपीएल व अन्य श्रेणी के पीड़ितों का अलग डाटा अभी तक नहीं मिला।

महापौर मालती राय ने आज बोट क्लब पर स्वच्छता सम्बंधी निरीक्षण किया, इस मौके पर एमआईसी सदस्य आरके सिंह बघेल, एमआईसी सदस्य रविंद्र यति एवं नगर निगम आयुक्त उपस्थित रहे।

# समाज कल्याण केंद्र के चुनाव के लिए वोटिंग 17 को, प्रचार-प्रसार ने पकड़ा जोर

**भोपाल।** समाज कल्याण केंद्र के चुनाव के लिए 17 जुलाई को वोटिंग होनी है। जिसमें मुख्य मुकाबला वेस्ट सेन्ट्रल रेलवे एम्पलाईज यूनियन एवं वेस्ट सेन्ट्रल रेलवे मजदूर संघ के बीच में है। इस चुनाव को लेकर प्रचार-प्रसार जोर पकड़ लिया है। एक सचिव, एक सहसचिव, एक कोषाध्यक्ष एवं 15 कार्यकारिणी के सदस्य के लिए वोटिंग होगी। जिसमें करीब 2318 रेलकर्मचारी (सदस्य) मतदान करेंगे। सन 1962 से संचालित समाज कल्याण केन्द्र भोपाल में पहले कभी चुनाव नहीं हुआ करते थे। रेल कर्मचारी हाथ खड़े कर प्रतिनिधियों को चुनाव करते थे। सबसे पहले यहां पर 2016 में चुनाव हुए थे। उस समय 100 सदस्य हुआ करते थे। लेकिन वर्तमान में 2500 सदस्य है। तो वहीं 2016 से लगातार वेस्ट सेन्ट्रल रेलवे मजदूर संघ चुनाव जीतकर संस्था को संचालित कर रहे है।

दिल्ली में हुई कांग्रेस के पाँच राज्यों के मीडिया और सोशल मीडिया प्रभारियों की बैठक में प्रदेश अध्यक्ष के मीडिया सलाहकार पीयूष बबेले मध्यप्रदेश के प्रतिनिधि के रूप में शामिल हुए।

# आज से नया सिस्टम, 19 जिलों में भारी बारिश के आसार, भोपाल-इंदौर में रिमझिम

**भोपाल।** मध्यप्रदेश में एक्टिव मानसून सिस्टम खूब पानी बरसा रहे हैं। शुक्रवार से फिर नया सिस्टम एक्टिव होगा, जिससे पूरा प्रदेश तरबतर हो जाएगा। मौसम वैज्ञानिकों की मानें तो अगले 24 घंटे के दौरान प्रदेश के 19 जिलों में भारी बारिश के आसार हैं। यहां 4 इंच से ज्यादा पानी गिर सकता है। अन्य जिलों में रिमझिम बारिश होगी। मौसम केंद्र का कहना है कि पश्चिमी मध्यप्रदेश के इंदौर, उज्जैन, भोपाल और नर्मदापुरम संभाग के अधिकांश जिलों में पिछले एक-दो दिन से बारिश हो रही है, जो शुक्रवार को भी जारी रहेगी।

मौसम वैज्ञानिक पांडे ने बताया कि सेंट्रल यूपी के दक्षिण पार्ट में साइकोनिक सर्कुलेशन बना है। वहीं, एक ट्रफ लाइन वेस्ट एमपी से गुजर रही है। इससे बारिश की एक्टिविटी रहेगी। कुछ जिलों में भारी बारिश हो सकती है। अगले दो-तीन दिन तक पश्चिमी मध्यप्रदेश में तेज बारिश होने की संभावना है। इसके बाद यह पूर्वी मध्यप्रदेश की ओर शिफ्ट हो जाएगा। लगातार बारिश के कारण शाजापुर शहर के बीच से गुजरी चीलर नदी उफान पर आ गई। पुलिया से पानी



बह निकला। कुछ घंटे के लिए शहर दो हिस्सों में बंट गया। रायसेन के बेगमगंज में हुई तेज बारिश से बीना नदी उफान पर रही। नर्मदा, पार्वती नदी का जलस्तर भी बढ़ गया।

विदिशा के सिरोंज, कुरवाई और गंजबासौदा क्षेत्र के करीब 20 गांवों में बाढ़ जैसे हालात बने। विदिशा में सबसे अधिक नुकसान ग्राम मदउखेड़ी, इमलिया और फतेहपुर में हुआ है। इन तीन गांवों में ही 25 से अधिक लोगों के घर धराशायी हो गए। नरेन नदी में उफान आने से विदिशा-अशोकनगर हाईवे बुधवार रात 8 बजे तक बंद रहा। घटवार में स्कूल की बाउंड्री वॉल गिर गई।

ग्वालियर में 9 घंटे के भीतर 1 इंच तो नर्मदापुरम में आधा इंच से अधिक बारिश हुई। छिंदवाड़ा, गुना, बैतूल, उज्जैन, भोपाल और पचमढ़ी में भी हल्की बारिश दर्ज की गई। शिवपुरी जिले में सबसे ज्यादा 87 मिमी यानी सवा तीन इंच से ज्यादा बारिश दर्ज की गई।

**सिवनी में अब तक 20 इंच बारिश-** मध्यप्रदेश के सिवनी में अब तक 20 इंच तक बारिश हो चुकी है। इसके अलावा अनूपपुर, छिंदवाड़ा, डिंडौरी, जबलपुर, कटनी, मंडला, नरसिंहपुर, सागर, बैतूल, भिंड, बुरहानपुर, इंदौर, नीमच, रतलाम, सीहोर, शाजापुर, श्योपुरकलां, विदिशा में 12 इंच से ज्यादा बारिश दर्ज की गई है। वहीं, खरगोन, खंडवा, अशोकनगर, बड़वानी, टीकमगढ़, सिंगरौली, सीधी, सतना और रीवा में 8 इंच से कम बारिश हुई है। ढ्रस्ब्ठ भोपाल के वैज्ञानिकों के अनुसार, 1 जून से अब तक 14त्न ज्यादा बारिश हो चुकी है। पूर्वी मध्यप्रदेश में औसत से 10त्न अधिक और पश्चिमी मध्यप्रदेश में औसत से 18त्न अधिक बारिश हो चुकी है। आने वाले दिनों में अलग-अलग सिस्टम एक्टिव रहेंगे। इससे बारिश का आंकड़ा और भी बढ़ जाएगा।

**भोपाल।** स्व देवेन्द्र सिंह की तृतीय पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में ग्रेविटॉन वेलफेयर सोसायटी के बैनर तले अधिवक्ता सीमा शाही सिंह द्वारा श्री राधा कृष्ण मंदिर परिसर में वृक्षारोपण किया एवं उनकी आत्मा के शांति के लिए प्रार्थना की। स्व देवेन्द्र सिंह एवं पित्तरों के निमित्त पीपल, आम, गूलर, जामुन, तुलसी, शमी, नीम, बेलपत्र आदि का रोपण किया गया। इस पुण्य कार्य में उनके साथ त्रियंबिका सिंह ,गजेंद्र रघुवंशी, कृष्णकांत पाल, सरपंच जागृति पाल एवं अन्य सदस्य गण उपस्थित रहे।

# कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण नीति नहीं अधिकार नीति बनाए राज्य सरकार

**भोपाल।** मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को पत्र सौंपकर मांग करी है कि राज्य सरकार कर्मचारियों के निर्माण के लिए नीति ना बनाते हुए उनको उनके अधिकार प्रदान करने के लिए नीति बनाने का काम करें जो प्रदेश के 7.50 लाख कर्मचारियों के हित में होगा। नई प्रशिक्षण नीति को प्रदेश के कर्मचारी स्वीकार नहीं करेंगे।

मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच के प्रांत अध्यक्ष अशोक पांडे ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया है कि राज्य सरकार ने मंत्रिपरिषद में निर्णय लेकर प्रदेश के कर्मचारियों के दक्षता के लिए प्रशिक्षण नीति बनाने का निर्णय लिया है, उसके लिए कर्मचारियों के वेतन मद से ही 1 प्रतिमशत राशि काटने का भी निर्णय लिया गया है जो कि पूर्ण रूप से अनुचित है। कर्मचारियों के दक्षता एवं प्रशिक्षण के लिए उसकी नियुक्ति के समय ही 2 साल की परिवीक्षा अवधि निश्चित की गई है फिर अलग से प्रशिक्षण नीति बनाकर सरकार कर्मचारियों पर असंवैधानिक बार लदना चाह रही है सरकार के प्रशिक्षण नीति बनाने के निर्णय से प्रदेश के 7~50 लाख कर्मचारियों में असंतोष का वातावरण निर्मित हो गया है। राज्य सरकार ने पहले भी केंद्र सरकार का अनुसरण करके 2001 में प्रशिक्षण नीति बनाई थी जिसका कोई सार्थक परिणाम कर्मचारियों की हित में आज तक सामने नहीं आया है। सरकार कर्मचारियों के वेतन से पैसा काट कर पुनः नई नीति बनाकर सरकार कर्मचारियों को प्रशिक्षण के नाम पर परेशान करना चाह रही है जो कर्मचारी बर्दाश्त नहीं करेगा। कर्मचारियों की मांगों एवं अधिकारों के लिए सरकार आज तक कोई नीति नहीं बनाई है अब समय आ गया है कि सरकार कर्मचारियों की मांगों एवं अधिकारों के लिए भीएक नीति बनाए जो कर्मचारी के हित में होगा जिससे कर्मचारियों की मांगों का निराकरण होगा। कर्मचारियों को उनके अधिकार प्राप्त होंगे आज मध्यप्रदेश कर्मचारी मंच ने मुख्यमंत्री को पत्र सौंपकर प्रशिक्षण नीति बनाने के निर्णय पर पुनर्विचार कर आदेश पर रोक लगाने एवं कर्मचारियों के लिए अधिकार नीति बनाने की मांग करी है।

# पीपीई किट पहन कर नर्सों ने किया प्रदर्शन, खून से पोस्टकार्ड लिखकर सीएम को भेजे जाएंगे

**भोपाल।** अपनी 10 मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल कर रहे नर्सिंग स्टाफ का आक्रोश भी बढ़ता जा रहा है। हड़ताल के चौथे दिन नर्सिंग स्टाफ ने भोपाल में पीपीई किट पहन कर नर्सों ने प्रदर्शन किया, जबकि मंदसौर में अपने खून से मुख्यमंत्री को पोस्टकार्ड लिखे। इसमें हमारी मांगे पूरी करो, 2 ग्रेड लागू करो, रात्रिकालीन भत्ता प्रदान करो, पुरानी पेंशन लागू करो सहित अन्य मांगे लिखी गई। इस दौरान कुछ नर्से पीपीई किट पहनकर प्रदर्शन में शामिल हुई और सरकार को कोरोनाकाल में की गई



डयूटी की याद भी दिलाई।

नर्सिंग ऑफिसर एसोसिएशन के बैनर तले जिला अस्पताल में पदस्थ नर्सिंग स्टाफ भी हड़ताल पर ही हैं। 10 जुलाई से शुरू हुई अनिश्चितकालीन हड़ताल में जैसे-जैसे दिन बढ़ते जा रहे हैं, नर्सिंग स्टाफ का आक्रोश भी बढ़ रहा है। बुधवार को रैली निकालकर प्रदर्शन किया था। प्रदर्शन को आगे बढ़ाते नर्सिंग स्टॉफ ने गुरूवार को खून से मुख्यमंत्री को पोस्टकार्ड लिखे। नर्सो ने अपना खून निकाला और फिर अपनी सभी मांगों को पोस्टकार्ड पर लिखा। इस सभी पोस्टकार्ड को मुख्यमंत्री के पास भेजा जाएगा। इस दौरान नर्सिंग स्टाफ ने अपनी मांगों को लेकर नारेबाजी भी की। नर्सिंग स्टाफ की हड़ताल के चलते प्रदेश के कई जिला अस्पतालों में व्यवस्थाएं प्रभावित हो रही हैं।

आज गांधी भवन में पंच सरपंचों के संघ का प्रदेश स्तरीय सम्मेलन हुआ, जिसमें विभिन्न मांगों के निराकरण के लिए रणनीति पर विचार विमर्श किया गया।

**भोपाल।** भोपाल मंडल परिक्षेत्र के सांसद गणों के साथ रेलवे विभाग की बैठक का आयोजन होटल ताज लेकफ्रंट में किया गया, जिसमें सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर मौजूद रहीं। इसमें जनहित के मुद्दों विशेष रूप से वंदे भारत एक्सप्रेस की सुरक्षा और मेंटेनेंस की कमी का विषय उठाया गया।

# गांव पहुंचे भोपाल में आत्महत्या करने वाले परिवार के शव

## रीवा में बेटे-बहू और पोतों के शव रखकर चक्काजाम, सीबीआई जांच की मांग

**रीवा।** रीवा के अंबा गांव में एक ही परिवार के चार शव पहुंचे तो हर किसी की आंखें नम हो गईं। ये शव भोपाल में गुरुवार को बच्चों को जहर देकर मारने के बाद सुसाइड करने वाले भूपेंद्र विश्वकर्मा और उनकी पत्नी रितु के हैं।

परिवार के चार सदस्यों को एक साथ खोने वाले परिजन निराश होने के साथ ही आक्रोशित भी हैं। उन्होंने स्थानीय ग्रामीणों के साथ चारों शवों को जबलपुर-प्रयागराज नेशनल हाईवे पर रखकर चक्काजाम कर दिया है। वे पूरे मामले की सीबीआई जांच और सरकार से मुआवजे की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि जब तक ये मांगें पूरी नहीं होतीं, अंतिम संस्कार नहीं किया जाएगा।

चक्काजाम स्थल पर रीवा एसपी विवेक सिंह पहुंच गए हैं। परिजनों की मांग पर एसपी भोपाल कमिश्नर से बात कर रहे हैं। परिजनों का आरोप है कि दरवाजा तोड़ कर हत्या की गई। एक महीने पहले भोपाल साइबर सेल को भी शिकायत



की गई थी। भोपाल के रातीबड़ में भूपेंद्र विश्वकर्मा (38) ने गुरुवार को अपने दोनों बच्चों ऋषिराज (9) और ऋतुराज (3) को जहर पिला दिया था। इसके बाद पत्नी रितु (35) के साथ फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया था। गुरुवार-शुक्रवार की दरम्यानी रात तीन बजे परिजन चारों के शव लेकर पैतृक गांव अंबा पहुंचे। शुक्रवार सुबह अंतिम संस्कार के लिए चार अर्थी श्मशान घाट के लिए एक साथ रवाना हुईं, लेकिन परिजन शव लेकर हाईवे पर बैठ गए।

# सीधी विधायक बोले- बुलडोजर जल्दबाजी में चला

**भोपाल।** सीधी के पेशाब कांड से सबसे ज्यादा फजीहत सीधी से भाजपा विधायक केदार शुक्ला की हुई थी। पेशाब कांड और उसके बाद आरोपी के घर तोड़ने से खड़े हुए संकट ने भाजपा से ज्यादा नुकसान केदार शुक्ला को पहुंचाया है। आदिवासी और ब्राह्मण के बीच खड़ी हुई लड़ाई में केदार शुक्ला अपने बयान पर अड़े नजर आ रहे हैं। वे आज भी कह रहे हैं कि पेशाब कांड का आरोपी प्रवेश शुक्ला हमारा अधिकृत प्रतिनिधि नहीं है, लेकिन वे इस बात को भी मानते हैं कि हो सकता है, प्रवेश किसी बैठक में उनका प्रतिनिधि बनकर गया हो।

ब्राह्मणों की नाराजगी पर वे कहते हैं कि हालात विस्फोटक नहीं हैं,

वो ब्राह्मण समाज को मना लेंगे और इस बार ज्यादा वोटों से जीतेंगे। विधानसभा के मानसून सत्र में भाग लेने भोपाल आए सीधी से भाजपा विधायक केदारनाथ शुक्ला से कुछ संवाददाताओं ने चर्चा की, तो वो कहते हैं, प्रवेश शुक्ला के घर पर बुलडोजर चलाने को लेकर केदार शुक्ला कहते हैं कि मुझे नहीं लगता कि उन्होंने सरकारी जमीन पर अतिक्रमण करके मकान बनाया होगा। जिनका घर गिराया गया, वह हमारे यहां का साधारण परिवार नहीं है। वे ब्राह्मण जरूर हैं, लेकिन मांगने वाले ब्राह्मण नहीं हैं। वे गांव के जमींदार लोग है।

शुक्ला कहते हैं, उनके पास अभी भी 50 से 100 एकड़ जमीन हर परिवार में है। वे किसी सरकारी जमीन पर घर बनाएंगे यह कल्पना भी नहीं की जा सकती। इस मामले में जो पीड़ित है उसे भी उनके पूर्वजों ने बसाया था। पेशाब कांड का पीड़ित भी उन्हीं की जमीन पर रहता है। वह परिवार जमींदार होने के बावजूद शोषक नहीं है, यही कारण है कि पीड़ित भी उन्हीं के पक्ष में बोल रहा है। शुक्ला का मानना है कि आरोपी के घर पर बुलडोजर जल्दबाजी और दबाव में चल गया। उस दिन सारे मीडिया वाले बोल रहे थे कि बुलडोजर चलेगा या नहीं।हालांकि अब जो भी होना था हो चुका है।